क्यों रामायणम के 'राजा दशरथ' बने दूरदर्शन के राम? अरुण गोविल की कास्टिंग का खुल गया राज

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 34
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 280 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 27 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

सुपर-डुपर अल नीनो का दिखा खतरनाक रूप

● नक्शे में लाल रंग में आधी से ज्यादा पृथ्वी; डब्ल्यूएमओ ने जारी की चेतावनी ● वैज्ञानिकों ने इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कहा, 2027 तक रहेगा ● 4.5 लाख से अधिक मौतों का अनुमान, वैश्विक तापमान में वृद्धि होगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया भर के मौसम विशेषज्ञ अल नीनो के बारे में चेतावनी दे रहे है और इसके ऐसी स्थिति में पहुंचने का दावा कर रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखी गई।

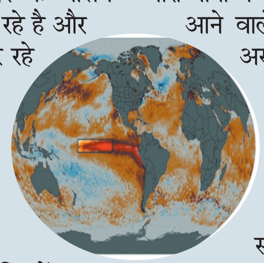

संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी देते हुए कहा है कि इस साल के मौसम का घटनाक्रम साल 1950 के बाद से देखे गए सबसे मजबूत घटनाक्रमों में से एक हो सकता है।

सुपर-डुपर अल नीनो: क्या है वैज्ञानिकों का मत- विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशांत महासागर में भारी मात्रा में जमा हुई गर्मी के बाहर निकलने के कारण आने वाले महीनों में पृथ्वी का एक बड़ा हिस्सा असामान्य रूप से गर्म रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक रयान माउ ने पूरी पृथ्वी का एक जलवायु नक्शा पोस्ट किया और कहा कि पृथ्वी लगभग पूरी तरह से लाल रंग में दिख रही है। वैज्ञानिक ने एक्स पर कहा, 'अल नीनो सर्दियों में भी अपनी पूरी ताकत के साथ बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा।'

क्या होता है अल नीनो और क्यों है खतरनाक?

अल नीनो प्राकृतिक रूप से होने वाले अल नीनो-सदर्न ऑसिलेशन चक्र का गर्म चरण है, यह एक ऐसा जलवायु पैटर्न है जो दुनियाभर के मौसम को प्रभावित करता है। अल नीनो के कारण आमतौर पर वैश्विक तापमान बढ़ता है और बड़े क्षेत्रों में बारिश का पैटर्न बिगड़ जाता है यानी कुछ इलाकों में सूखा पड़ता है तो कुछ में भारी बारिश होती है और यह आमतौर पर हर दो से सात साल में होता है।

पहले पीडीए यानी प्रदेश डुबाओ अलायंस था

सीएम योगी बोले- अब एनडीए यानी नौकरी देंगे अलायंस की सरकार है

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे। साथ ही नियुक्ति पाने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम लोक भवन सभागार में हुआ।

कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित अभ्यर्थियों में 43 उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस), 295 आरक्षी (नागरिक पुलिस) और 132 आरक्षी (पीएसी) शामिल हैं।

● **64 हजार हेक्टेयर लैंड को माफिया के कब्जे से खाली कराई-** सीएम ने आगे कहा कि यूपी के अंदर एक समय था जब सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक ही जिंदगी होती थी। इससे पहले और बाद में घर से नहीं निकल सकते थे। 64 हजार हेक्टेयर लैंड को हम लोगों ने माफिया के कब्जे से खाली कराई।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर की दवाओं पर बड़ा फैसला

गैर-अनुसूचित दवाओं का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित, क्या मरीजों का खर्च होगा कम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर मरीजों को महंगी दवाओं से राहत देने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित करने का निर्णय लिया है। यह नियम ब्रांडेड

और जेनेरिक, घरेलू और आयातित तथा पेटेंट वाली और गैर-पेटेंट वाली दवाओं पर लागू होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को कम करना है, ताकि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली जीवनरक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती हो सकें।

एमआरपी में 70 प्रतिशत तक कमी की उम्मीद

सरकार के मुताबिक, इस फैसले से कुछ दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में 70 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे कैंसर के इलाज पर होने वाला मरीजों का अपनी जेब से खर्च यानी आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर कम होने की उम्मीद है। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस फैसले से मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है।

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें

लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को भी सही बताया है।लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं।

आलोचना का अधिकार, बदनाम करने का नहीं': 42 पूर्व जजों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिशों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने बिना सबूत वोट चोरी जैसे आरोपों और संस्थाओं को चोर या समझौता कर चुकी बताने पर सवाल उठाए। पूर्व जजों ने कहा कि आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन बदनामी नहीं। उन्होंने लोकतंत्र और सांविधानिक संस्थाओं को लेकर क्या चेतावनी दी है? पत्र में क्या कुछ लिखा है? देश में सांविधानिक संस्थाओं की साख और उनकी स्वायत्तता को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है।

विपक्ष का राजघाट पर मार्च

● खरगे, राहुल और प्रियंका ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि ● राहुलबोले- 300 सांसद शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं, ● जाम से दिल्ली परेशान

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले दो दिन से सियासत का एक ही पैटर्न दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट पहुँचे। कल धरना देने की कोशिश करते राहुल-प्रियंका को पुलिस ने उठाया था।

दिल्ली के राजघाट पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत अन्य नेताओं ने बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रदर्शन के चलते दिल्ली जाम से परेशान दिखी।

खरगे बोले-

● **हमारा राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना है-** राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक पहुँचे जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर प्रार्थना करना है।

● **पवन खेड़ा बोले- ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा-** दिल्ली में कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि विपक्ष का एजेंडा नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा।

तेजस्वी बैरिकेड पर चढ़े

● **सपा कार्यकर्ता घड़ा लेकर पहुंचे, एसआईआर के खिलाफ देशभर में विपक्ष का प्रदर्शन** -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR के विरोध में विपक्ष आज देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। पटना में प्रदर्शन के दौरान

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव बैरिकेड पर चढ़ गए।वहीं, लखनऊ में प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ता हाथ में हथकड़ी लगाकर पहुंचे। वहीं, एक प्रदर्शनकारी सर पर घड़ा लेकर पहुंचा जिस पर लिखा था 'ज्ञानेश कुमार के पाप का घड़ा'।

दिल्ली में प्रदर्शन के नाम पर फैलाई जा रही अराजकता: बीजेपी

बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक सिद्धार्थ यादव ने गुरुवार को कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और महिला पुलिसकर्मियों के साथ भी अभद्रता की।

सिनेमा के क्रांतिवारी नाना का कार्डियक अरेस्ट से निधन

पुणे में नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआई दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के सीईओ गणेश थोरात ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फार्महाउस पहुंच सकता है। यहां अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी। नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

जीएसटी काउंसिल में कारोबारियों को बड़ी राहत

● अफसरों की गिरफ्तारी शक्तियों पर अंकुश

5 करोड़ हुई केस दर्ज करने की सीमा; एमएसएमई को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में कारोबारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए कई बड़े और राहत भरे फैसलों पर मुहर लगाई गई है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कर अनुपालन को सरल बनाना, व्यापारिक बाधाओं को दूर करना और गैर-जरूरी आपराधिक कार्रवाइयों पर रोक लगाना रहा। काउंसिल ने कर अधिकारियों की मनमानी गिरफ्तारी शक्तियों पर अंकुश लगाने के साथ ही आपराधिक अभियोजन शुरू करने की न्यूनतम सीमा को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी है। यह कदम व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने और कारोबारियों के कार्यशील पूंजी संकट को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा।

क्या मुख्य फैसले लिए गए?

जीएसटी काउंसिल की बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उप-मुख्यमंत्रियों, वित्त मंत्रियों और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। काउंसिल द्वारा मंजूर किए गए प्रमुख प्रशासनिक एवं प्रक्रियात्मक सुधार निम्नलिखित हैं। गिरफ्तारी शक्तियों पर नियंत्रण- निर्दिष्ट मामलों में जीएसटी अधिकारियों की मनमानी गिरफ्तारी शक्तियों को समाप्त या सीमित कर दिया गया है। अभियोजन की सीमा में इजाफा- आपराधिक मुकदमा शुरू करने की न्यूनतम सीमा को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया।

भारत को बांग्लादेश बनाने की साजिश, नेपाल नहीं बनने देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनॉट प्लेस के मोएट्स रेस्टोरेंट के बाहर कांग्रेस समर्थकों ने गुरुवार को कथित तौर पर एक कश्मीरी युवक की पिटाई कर दी। इसी रेस्टोरेंट में मल्लिकार्जुन खरगे ने

इंडी ब्लॉक के नेताओं को लंच पर बुलाया था। जिस शख्स की पिटाई हुई उसका नाम फहीम नजीर है।

उसने बताया कि मैं श्रीनगर का रहने वाला हूं। मैंने सवाल उठाया था कि जब विपक्ष जीतता है, तो ईवीएम से कोई दिक्कत नहीं होती।

यूपीआई पर चार्ज का नियम 2 महीने टल सकता है

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई पर चार्ज लगाने का नियम फिलहाल टल सकता है। केंद्र सरकार 15 अक्टूबर से 2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत चार्ज लगाने का नियम लागू करने वाली थी, जिसे 1 जनवरी 2027 में लागू करने पर विचार कर रही है। हालांकि, जो नए नियम और चार्ज तय किए गए हैं, उनमें कोई बदलाव नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुकानदारों और पेमेंट कंपनियों को फेस्टिव सीजन में छूट दे सकती है। यानी यूपीआई ट्रांजैक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा।

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

● यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट ● छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें ● हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी ट्रफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई।

यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं।इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है।राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।

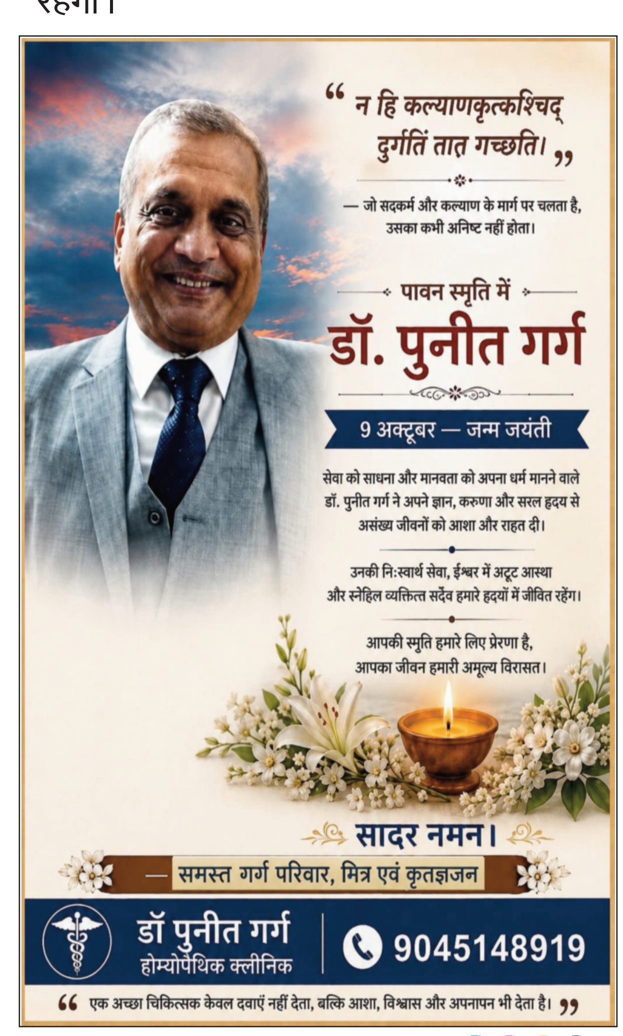

अनमोल वचन

मनुष्य द्वारा किये गये समस्त कर्मों के संस्कार, वासनाओं के बीज उसके चित्त पर अंकित रहते हैं। वही संस्कार जो जन्म-जन्मान्तरों के हैं, वे ही जीवात्मा को जन्म मरण में बांधते हैं। चाहे वे पुण्य कर्म के संस्कार हों अथवा पाप कर्म के हों। उन्हीं संस्कारों के आधार पर अगला जन्म होता है। यह मानव देह जो हमको वर्तमान का थल है, उन्हीं संस्कारों का फल है। हमें यह सुअवसर प्राप्त हुआ है कि जो कुसंस्कार हैं, वासनाएं हैं, उन्हें दग्ध किया जाय, धोया जाय और जन्म-मरण के बन्धन से छूटकर मोक्ष प्राप्त किया जाय। दुर्भाग्य का विषय तो यह है कि यह मानव देह मिलने के बाद भी व्यसनों में, वासनाओं में, कामनाओं की जंजीरों में जकड़ा हुआ है। वह इनसे बाहर नहीं निकल पाता। उसकी वासनाएं अनेक रूप लेकर उसको नचाती हैं। वासनाओं के तेज प्रवाह में बहकर संसार आवह में अनेक त्रुटियां, अनेक पाप कर बैठता है और इन्हीं त्रुटियों और पापों के कारण जन्म मरण के चक्र में फंसा रहता है। मनुष्य के लिये सबसे बड़ा कार्य यह है कि जो वासनाओं का कूड़ा व्याप्त होकर उसके भीतर भरा पड़ा है, उन संस्कारों को जलाये व समाप्त करने का प्रयास किया जाय। परमात्मा को साक्षी कर आगे से वे त्रुटियां न करने की शपथ ले। मन के मैल को धोये। जीवन में जो पाप हुए हैं, आगे से उन पापों से दो गुणे पुण्य कर्म, यज्ञ, दान, परोपकार कर प्रायश्चित करे।

रामलीला में गूंजा रामराज्य का संदेश, अनिल रॉयल बोले- बुलडोजर राज्य तो आ गया, अब सुरक्षा और रोजगार भी जरूरी

मुजफ्फरनगर। शहर के मोहल्ला इंदिरा कॉलोनी में शक्ति क्लब के तत्वावधान में आयोजित 45वें रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। मीडिया सेंटर के अध्यक्ष एवं रॉयल बुलेटिन के संपादक अनिल रॉयल, गुरुग्राम के उद्योगपति सुनील त्यागी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, सदर ब्लॉक प्रमुख अमित चौधरी, विजेंद्र गोयल और राकेश सिंघल सहित अन्य अतिथियों ने भगवान श्रीराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने के साथ ही सनातन संस्कृति और पारिवारिक संस्कारों को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल रॉयल ने कहा कि शक्ति क्लब पिछले 45 वर्षों से लगातार रामलीला का आयोजन कर समाज को भगवान श्रीराम के आदर्शों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। रामलीला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और परिवारों को संस्कारवान बनाने का माध्यम है। भगवान श्रीराम के जीवन का प्रत्येक प्रसंग समाज को कोई न कोई संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज समाज में पारिवारिक विवाद बढ़ रहे हैं, रिश्तों में दरार आ रही है और परिवार टूट रहे हैं। पत्रकारिता के माध्यम से प्रतिदिन ऐसी अनेक घटनाएं सामने आती हैं, जो चिंता पैदा करती हैं। यदि भगवान श्रीराम और उनके परिवार के आदर्शों का एक अंश भी हमारे परिवारों में स्थापित हो जाए तो परिवार सुखी हो सकते हैं, समाज में प्रेम और सौहार्द बढ़ सकता है तथा राष्ट्र का उत्थान हो सकता है। अनिल रॉयल ने कहा कि रामचरितमानस के मंचन से सीख लेकर यदि व्यक्ति अपने जीवन में एक प्रतिशत भी श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर ले तो उसका जीवन बेहतर बन सकता है और अनेक संकटों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक रामराज्य की स्थापना के लिए सबसे पहले परिवारों में राम के चरित्र और संस्कारों को स्थापित करना आवश्यक है। बुलडोजर राज्य तो आ गया, अब रामराज्य की दिशा में भी बढ़ना होगा अनिल रॉयल ने अपने संबोधन में वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों और नागरिक सुरक्षा के मुद्दे पर भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज रामराज्य की चर्चा होती है, जबकि बुलडोजर राज्य तो आ ही गया है। लेकिन वास्तविक रामराज्य की स्थापना तभी संभव होगी, जब प्रत्येक नागरिक सुरक्षित होगा और हर परिवार के पास सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए पर्याप्त रोजगार और आर्थिक संसाधन होंगे। उन्होंने कहा कि देश में हिंदुओं को किसी से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना सरकार का दायित्व है। पुलिस-प्रशासन के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को विशेष परिस्थितियों में निजी सुरक्षा की आवश्यकता है तो उसकी जरूरत और प्राथमिकता के आधार पर सरकार को विचार करना चाहिए। उन्होंने सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व से भी आग्रह किया कि नागरिक सुरक्षा और रोजगार जैसे विषयों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने आगामी नवरात्र और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि प्रत्येक घर में मां लक्ष्मी का वास हो तथा सभी परिवारों में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।

भगवान श्रीराम ने वनवास स्वीकार किया, लेकिन अपने हथियार नहीं छोड़ेः सुनील त्यागी गुरुग्राम से पहुंचे उद्योगपति सुनील त्यागी ने कहा कि रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को जीवित रखने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। भगवान श्रीराम और उनके भाइयों का जीवन त्याग, समर्पण और पारिवारिक एकता का अद्भुत उदाहरण है। जब श्रीराम को राजगद्दी मिलने वाली थी, उसी समय उन्हें 14 वर्ष के वनवास का आदेश मिला, जिसे उन्होंने बिना किसी विरोध के स्वीकार कर लिया।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने राजसी वस्त्र और आभूषण तो त्याग दिए, लेकिन अपने अस्त्र-शस्त्र साथ रखे, क्योंकि वन में अपनी और दूसरों की रक्षा करना भी आवश्यक था। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों के पास अवैध हथियार पहुंच जाते हैं, जबकि सामान्य नागरिकों को आत्मरक्षा के लिए वैध शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सुनील त्यागी ने सरकार से मांग की कि जरूरतमंद और पात्र नागरिकों के लिए शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनाई जाए, ताकि कानून का पालन करने वाले नागरिक अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक वैधानिक व्यवस्था कर सकें।

सरकार हमारी है, इसलिए अपनी सरकार से ही मांग करेंगे सुनील त्यागी ने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ाया है और सबका साथ, सबका विकास का संदेश दिया है, लेकिन यूजीसी से संबंधित कुछ प्रावधानों को लेकर समाज के एक वर्ग में असंतोष है। उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए, जिनसे समाज में आपसी दूरी या विभाजन पैदा होने की आशंका हो। उन्होंने कहा, सरकार हमारी है, इसलिए अपनी सरकार से ही मांग करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि समाज के सभी वर्गों की भावनाओं का सम्मान करते हुए विवादित प्रावधानों की समीक्षा की जाए और सामाजिक एकता को मजबूत बनाया जाए। नई पीढ़ी को संस्कार दे रही शक्ति क्लब की रामलीलाः राकेश शर्मासमाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने कहा कि इंदिरा कॉलोनी में लगातार 45 वर्षों से रामलीला का आयोजन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई वर्षों से इस आयोजन में शामिल होते रहे हैं और प्रत्येक वर्ष आयोजकों का उत्साह तथा समर्पण देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि शक्ति क्लब की पूरी टीम अपने समय और संसाधनों का उपयोग करके आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ने का कार्य कर रही है। ऐसे आयोजनों से बच्चों और युवाओं में संस्कार विकसित होते हैं तथा समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना मजबूत होती है।

इस अवसर पर सभी अतिथियों ने शक्ति क्लब के पूर्व अध्यक्ष, इस वार्ड से लगातार सभासद रहे, वरिष्ठ बीजेपी नेता बिजेंद्र पाल को भी याद किया और इस रामलीला के लिए जीवन पर्यन्त उनके योगदान की सराहना की ।

नौ साल की शादी के बाद दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, गला दबाकर हत्या की कोशिश

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करने, गाली-गलौज और मारपीट करने के साथ ही गला दबाकर जान से मारने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर महिला थाना बुढ़ाना पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के स्तर से पीड़िता के चिकित्सीय परीक्षण और मामले की विवेचना की कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता ने महिला थाना बुढ़ाना में दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी करीब नौ वर्ष पूर्व सहारनपुर जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र के ग्राम धुमगढ़ निवासी मोहन के साथ सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शिकायत के अनुसार, उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से अधिक दान-दहेज देकर शादी की थी। विवाहिता के दो पुत्रियां हैं।

शादी के कुछ समय बाद शुरू हुआ कथित उत्पीड़न

शिकायत में आरोप लगाया गया कि शादी के शुरूआती दिनों में उसका वैवाहिक जीवन सामान्य रहा, लेकिन कुछ समय बाद पति मोहन, सास सुनीता, ससुर मदन और देवर गौरव उस पर अतिरिक्त दहेज लाने के लिए दबाव बनाने लगे। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने मायके से उनकी मांग के अनुसार दहेज लाने में असमर्थता जताई तो चारों कथित रूप से एक राय होकर उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना करने लगे। पीड़िता के मुताबिक, उसने कई बार ससुराल पक्ष के लोगों को अपनी परेशानी बताई, लेकिन आरोप है कि उसकी बात सुनने के बजाय परिवार के लोग अपने पुत्रों का ही पक्ष लेते रहे। शिकायत में ससुराल पक्ष द्वारा उसके साथ कथित रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और लगातार मानसिक दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

विवाहिता ने पुलिस को बताया कि शादी के कुछ समय बाद उसे जानकारी हुई कि उसके पति के किसी दूसरी महिला के साथ कथित रूप से संबंध हैं। इस बात को लेकर भी उसने पति से सवाल किया और ससुराल पक्ष के लोगों से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि उसकी समस्या का समाधान करने के बजाय उसे ही प्रताड़ित किया गया।

शिकायत में देवर गौरव के व्यवहार को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पीड़िता के अनुसार, उसका देवर सेना में नौकरी करता है और जब भी वह घर आता है तो उसके साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और धमकी देता है।

6 अगस्त की रात मारपीट और गला दबाने का आरोप

मामले में सबसे गंभीर आरोप 6 अगस्त 2026 की रात की घटना को लेकर लगाया गया है। पीड़िता का आरोप है कि पति मोहन, सास सुनीता, ससुर मदन और देवर गौरव ने एक राय होकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। शिकायत के अनुसार, मारपीट के दौरान उसके शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं, जिनके निशान अभी भी मौजूद हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इसी दौरान आरोपियों ने उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। उसने किसी तरह अपनी जान बचाई और वहां से निकलकर मायके अथवा सुरक्षित स्थान पर पहुंची।

दो बेटियों की सुरक्षा को लेकर भी जताई चिंता

पीड़िता ने पुलिस के समक्ष अपनी और अपनी दोनों पुत्रियों की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई है। उसका कहना है कि वह लंबे समय से दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली-गलौज और मानसिक प्रताड़ना से परेशान है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आरोपी उसके या उसकी दोनों पुत्रियों के साथ कोई गंभीर अप्रिय घटना कर सकते हैं। विवाहिता ने पुलिस से तत्काल मेडिकल परीक्षण कराने, आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा उसे और उसकी दोनों पुत्रियों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। महिला थाना बुढ़ाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति मोहन, सास सुनीता, ससुर मदन और देवर गौरव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मुकदमे में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सुमन शर्मा द्वारा किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पीड़िता के मेडिकल परीक्षण सहित अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मुकदमा पीड़िता की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। लगाए गए आरोपों की विवेचना के दौरान घटनाक्रम, चोटों, कथित दहेज उत्पीड़न और अन्य आरोपों से संबंधित साक्ष्यों की जांच की जाएगी।

कासमपुर पठैड़ी में जमीन के विवाद ने पकड़ा तूल, लाठी-डंडों से मारपीट में युवक घायल

भूमि को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद भिड़ंत, नोमान के साथ मारपीट का आरोप; मेडिकल परीक्षण जारी, पिता-पुत्र हिरासत में लेकर पुलिस ने की निरोधात्मक कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। ग्राम कासमपुर पठैड़ी में गुरुवार को भूमि संबंधी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते कहासुनी और फिर मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने पहले पक्ष के नोमान के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। मारपीट में नोमान को चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को संभालते हुए गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाए।

छपार थाना प्रभारी मोहित सहरावत ने बताया कि ग्राम कासमपुर पठैड़ी में दो पक्षों के बीच भूमि को लेकर विवाद की सूचना प्राप्त हुई थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, भूमि को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। इसी दौरान दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। कहासुनी बढ़ने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष की ओर से नोमान के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गया।

लाठी-डंडों से मारपीट में नोमान घायल

घटना के बाद घायल नोमान को उपचार के लिए चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस द्वारा उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है, ताकि चोटों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस मामले में चोटों की प्रकृति और घटना के अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटना के संबंध में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने पर लिखित तहरीर प्रस्तुत नहीं की गई है। ऐसे में पुलिस फिलहाल घटना की प्रारंभिक जानकारी जुटाने, दोनों पक्षों की स्थिति समझने और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष ध्यान दे रही है।

तहरीर नहीं मिलने के बावजूद पुलिस ने संभाला मोर्चा

भूमि विवाद से जुड़े मामलों में मामूली कहासुनी के बाद भी विवाद के बढ़ने की आशंका रहती है। इसी को देखते हुए पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मामले को गंभीरता से लिया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दोनों पक्षों को समझाते हुए विवाद को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। पुलिस की ओर से यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि भूमि विवाद को लेकर दोनों पक्ष दोबारा आमने-सामने न आएं और गांव की शांति व्यवस्था प्रभावित न हो। पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

शांति व्यवस्था के लिए पिता-पुत्र हिरासत में

विवाद के बाद गांव में किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिस ने दूसरे पक्ष के पिता-पुत्र को हिरासत में लेकर निरोधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों में अजहर पुत्र कुदरत अली तथा कुदरत अली पुत्र अब्दुल गनी शामिल हैं। दोनों को पुलिस ने शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस का उद्देश्य विवाद को आगे बढ़ने से रोकना और क्षेत्र में शांति बनाए रखना है।

मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे बढ़ेगा मामला

पुलिस का कहना है कि फिलहाल किसी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। घायल नोमान का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद चोटों की स्थिति सामने आएगी। इसके अलावा पुलिस घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटा रही है। यदि जांच के दौरान कोई आपराधिक तथ्य सामने आता है या किसी पक्ष की ओर से तहरीर दी जाती है तो उसके आधार पर नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस दोनों पक्षों की गतिविधियों पर भी नजर रख रही है।

गांव में पुलिस की निगरानी, विवाद बढ़ाने वालों पर रहेगी नजर

भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट के बाद पुलिस ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस की प्राथमिकता विवाद को दोबारा भड़कने से रोकना है।

शादी समारोह में मजदूर से बेवजह गाली-गलौज, विरोध करने पर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा

मुजफ्फरनगर। थाना सिखेड़ा क्षेत्र के ग्राम निराना निवासी एक मजदूर के साथ शादी समारोह में कथित रूप से गाली-गलौज और मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घायल के भाई ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि शादी समारोह के दौरान बिना किसी वजह के आरोपियों ने उसके भाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके भाई के साथ बुरी तरह मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का अभी भी उपचार चल रहा है। तहरीर में आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम निराना निवासी अनीस पुत्र गफ्फार ने बताया कि उसका भाई नफीस पुत्र गफ्फार मजदूरी करता है और मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। अनीस के अनुसार, 27 सितंबर 2026 को उसका भाई गांव के ही रहीस पुत्र हनीफ की पुत्री की शादी में शामिल होने गया था।

शादी में पहुंचे थे तीनों आरोपी, अचानक करने लगे गाली-गलौज

तहरीर के मुताबिक, शादी समारोह के दौरान दीन मोहम्मद पुत्र मसीत्ता, शान मोहम्मद और आलम पुत्रगण दीन मोहम्मद, निवासीगण ग्राम दौलतपुर, थाना ककरौली, ने नफीस के साथ कथित रूप से बिना किसी वजह के गाली-गलौज शुरू कर दी। नफीस ने जब इसका विरोध किया तो मामला बढ़ गया। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने नफीस के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की, जिससे नफीस के शरीर पर गंभीर चोटें आईं। शादी समारोह में हुई मारपीट से वहां मौजूद लोगों में भी अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

गंभीर चोटों के चलते लगातार चल रहा उपचार

पीड़ित के भाई अनीस ने पुलिस को बताया कि मारपीट में नफीस को काफी गंभीर चोटें आई थीं। घटना के बाद से उसका उपचार चल रहा है। अनीस के मुताबिक, वह अपने भाई के इलाज में व्यस्त था, जिसके कारण तत्काल थाने पहुंचकर तहरीर नहीं दे सका। उपचार के दौरान स्थिति को देखते हुए अब उसने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इलाज के बीच धमकी का भी आरोप

तहरीर में अनीस ने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी आरोपी पक्ष की ओर से उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इसके चलते पीड़ित परिवार में भय का माहौल है। पीड़ित के भाई ने पुलिस से मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की।

तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

शिकायत के आधार पर थाना सिखेड़ा पुलिस ने मामले में दीन मोहम्मद पुत्र मसीत्ता, शान मोहम्मद और आलम पुत्रगण दीन मोहम्मद, निवासी ग्राम दौलतपुर, थाना ककरौली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और मारपीट की घटना से जुड़े तथ्यों एवं साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है। पुलिस शादी समारोह में मौजूद लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटा सकती है। साथ ही पीड़ित के उपचार संबंधी दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट को भी जांच का हिस्सा बनाया जाएगा। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर चोटों की प्रकृति स्पष्ट होने के बाद विवेचना में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कई दिन बाद दर्ज कराया मुकदमा, इलाज में व्यस्त होने की बताई वजह

घटना 27 सितंबर की बताई गई है, जबकि पीड़ित के भाई ने 7 अक्टूबर 2026 को पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में देरी का कारण भाई के इलाज में व्यस्त रहना बताया गया है। अब पुलिस दर्ज मुकदमे के आधार पर पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ परिवार की सुरक्षा की भी मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल अधिकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हुआ प्रशासन, पोक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

बाल विवाह, बाल श्रम और मानव तस्करी जैसी कुरीतियों की रोकथाम के लिए विभागों में बेहतर समन्वय पर बल, बच्चों के हित में काम कर रही संस्थाओं से मांगे सुझाव

मुजफ्फरनगर। बच्चों के अधिकारों की रक्षा, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और बाल अपराधों की रोकथाम के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के क्रम में गुरुवार को जनपद न्यायालय के सेंट्रल हॉल सभागार कक्ष में बाल कल्याण एवं बाल अधिकारों को लेकर त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ बाल विवाह, बाल श्रम और मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक की अध्यक्षता डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर ने की। बैठक में महिला एवं बाल कल्याण विभाग, जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा बाल हित में कार्य कर रहे विभिन्न विभागों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान बच्चों से जुड़े मामलों में विभागीय स्तर पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए भविष्य की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए समन्वित प्रयास जरूरी

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए न्यायिक व्यवस्था, प्रशासन, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल संरक्षण इकाई और सामाजिक संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। बच्चों से जुड़े किसी भी मामले में संवेदनशीलता के साथ तत्काल कार्रवाई और पीड़ित बच्चे को आवश्यक संरक्षण एवं सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में बाल कल्याण समिति, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सपोर्ट पर्सन के कार्यों की समीक्षा की गई। संबंधित प्रतिनिधियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई और सामने आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

पोक्सो मामलों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई पर जोर

समीक्षा बैठक में बच्चों के विरुद्ध होने वाले यौन अपराधों की रोकथाम के लिए पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ित बच्चों को कानूनी सहायता, संरक्षण और आवश्यक सहयोग समय से उपलब्ध कराया जाना बेहद महत्वपूर्ण है।

साथ ही बच्चों और उनके अभिभावकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया, ताकि किसी भी प्रकार के अपराध अथवा शोषण की स्थिति में पीड़ित परिवार बिना भय के संबंधित विभागों और संस्थाओं से सहायता प्राप्त कर सके।

बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने की जरूरत

बैठक में समाज में अभी भी मौजूद बाल विवाह, बाल श्रम और मानव तस्करी जैसी कुरीतियों को बच्चों के विकास में बड़ी बाधा बताते हुए इनके विरुद्ध लगातार जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी घटनाओं को रोकने के लिए विद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों और समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है।

मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों से बच्चों को बचाने के लिए भी संबंधित विभागों को सतर्क रहने तथा संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने वाले बच्चों के संबंध में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने पर बल दिया गया। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बाल अधिकारों के संरक्षण और बच्चों को बेहतर कानूनी एवं सामाजिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सभी संबंधित विभागों से सुझाव आमंत्रित किए गए।

विभागों को निर्देशित किया गया कि बाल हित से जुड़े कार्यों में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान के संबंध में अपने सुझाव उपलब्ध कराएं, ताकि व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाया जा सके। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों को बाल अधिकार एवं शिक्षा के क्षेत्र में सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, संरक्षण और पुनर्वास से जुड़े मामलों में गंभीरता के साथ कार्य करने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

सूचना

मेरे नाबालिग पुत्र श्री यथार्थ कौशिक के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम कविता दर्ज है। जबकि सही नाम कविता कौशिक है। जो मेरे आधार कार्ड व सभी सरकारी दस्तावेजों में दर्ज चला आ रहा है। अतः सही नाम कविता कौशिक दर्ज एवं संशोधित किया जायें। कविता कौशिक पत्नी श्री गौरव कौशिक 111/1, कायस्तवाडा, निकट दाल मण्डी, मुजफ्फरनगर।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पत्रांकः- 1360/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 **दिनांकः- 08-10-2026**

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर रनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 19 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 16/10/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाइन दिनाक 09/10/2026 को प्रात 10:00 से दिनांक 16/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 16/10/2026 की अपराहा 4:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदय के समक्ष खोला जायगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना का सम्पूर्ण जानकारा प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है।

सहायक अभियन्ता (निर्माण) **नगर पालिका परिषद** **मुजफ्फरनगर।** | **अधिशासी अधिकारी** **नगर पालिका परिषद** **मुजफ्फरनगर।** | **अध्यक्ष** **नगर पालिका परिषद** **मुजफ्फरनगर**

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

हार्ट अटैक बताकर दफना दिया था तालिब का शव, 10 दिन बाद कब्र से निकला, पत्नी और प्रेमी पर हत्या का आरोप

गर्दन पर चोट के निशान वाली तस्वीर से गहराया शक, मेरठ में दर्ज हुई हत्या की एफआईआर, डीएम की अनुमति के बाद रसूलपुर दभेड़ी में कब्र खोदकर शव निकाला गया, पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच शुरू

बुढ़ाना। मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी निवासी तालिब की मौत का मामला करीब 10 दिन बाद हत्या की जांच में बदल गया है। पत्नी द्वारा मौत को हार्ट अटैक बताकर शव को मुजफ्फरनगर के पैतृक गांव रसूलपुर दभेड़ी में दफनाए जाने के बाद सामने आई एक तस्वीर ने पूरे मामले का रुख बदल दिया। तस्वीर में तालिब की गर्दन पर चोट के निशान दिखाई देने के बाद परिजनों को मौत के कारण पर शक हुआ। पुलिस को सूचना मिलने के बाद जांच शुरू हुई और अब डीएम की अनुमति से कब्र खुदवाकर शव बाहर निकलवाया गया है। शव को पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामले में तालिब की पत्नी इलमा और उसके कथित प्रेमी अमन के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में इलमा ने अमन और उसके एक साथी के साथ मिलकर तालिब की हत्या किए जाने की बात स्वीकार की है। हालांकि, पुलिस के इन दावों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पत्नी ने बताई थी हार्ट अटैक से मौत की बात

जानकारी के मुताबिक जाकिर कॉलोनी निवासी तालिब राजमिस्त्री का काम करता था। करीब चार साल पहले उसकी शादी इलमा से हुई थी और दोनों की करीब तीन साल की बेटी भी है। 28 सितंबर की रात तालिब की मौत के बाद परिजन उसके घर पहुंचे थे। उस समय शव कपड़े से ढका हुआ था और केवल चेहरा दिखाई दे रहा था। पत्नी इलमा ने परिजनों को बताया कि तालिब की मौत हार्ट अटैक से हुई है। परिवार ने उसकी बात पर भरोसा किया और अगले दिन शव को मेरठ से मुजफ्फरनगर स्थित पैतृक गांव रसूलपुर दभेड़ी ले जाकर दफना दिया।

अंतिम संस्कार के दौरान खींची गई तस्वीर ने पैदा किया संदेह

तालिब के दफन के दौरान किसी व्यक्ति ने शव की तस्वीर मोबाइल से खींच ली थी। बाद में जब यह तस्वीर परिजनों के सामने आई तो उनकी नजर तालिब की गर्दन पर पड़े काले और चोट जैसे निशानों पर गई। इसके बाद परिजनों को उसकी मौत सामान्य होने पर संदेह हुआ। परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस

को दी। इसके बाद पुलिस ने मौत के कारण और घटना से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच शुरू कर दी। जांच आगे बढ़ने पर तालिब की पत्नी इलमा के संबंधों को लेकर भी पुलिस ने जानकारी जुटाई। परिजनों के मुताबिक पड़ोसियों ने उन्हें बताया कि इलमा को जाकिर कॉलोनी स्थित एक ब्यूटी स्टूडियो के संचालक अमन के साथ कई बार देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने इलमा और अमन से पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान तालिब के मोबाइल फोन से कथित वॉइस चैट मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, इस बातचीत में घटना से कुछ दिन पहले अमन द्वारा तालिब को कथित रूप से जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात सामने आई है। गर्दन पर चोट के निशान वाली तस्वीर और मोबाइल से मिली कथित बातचीत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या की आशंका पर जांच आगे बढ़ाई। मामले में हत्या की आशंका सामने आने के बाद पुलिस ने शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने के लिए अनुमति की प्रक्रिया शुरू की। मुजफ्फरनगर डीएम की अनुमति मिलने के बाद गुरुवार को रसूलपुर दभेड़ी में तालिब की कब्र खोदी गई। एसडीएम सत्येंद्र कुमार सिंह, बुढ़ाना सीओ गजेंद्र पाल सिंह और दभेड़ी चौकी प्रभारी छविकांत की मौजूदगी में कब्र की खुदाई कर शव बाहर निकलवाया गया।

इसके बाद शव को पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट इस मामले में सबसे अहम कड़ी होगी। रिपोर्ट से यह स्पष्ट होने में मदद मिलेगी कि तालिब की मौत वास्तव में किस कारण हुई और गर्दन पर मिले निशान किस प्रकार की चोट से संबंधित हैं। तालिब के भाई अकरम अली की तहरीर पर पुलिस ने उसकी पत्नी इलमा और अमन के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर घटना की कड़ियां जोड़ रही है।पुलिस का दावा है कि पूछताछ में इलमा ने अमन और उसके एक साथी के साथ मिलकर तालिब की हत्या किए जाने की बात स्वीकार की है। बताया जा रहा है कि पुलिस अब कथित घटना में शामिल तीसरे व्यक्ति की भूमिका, हत्या की वजह और घटना के बाद शव को मेरठ से मुजफ्फरनगर लाकर दफनाए जाने के पूरे घटनाक्रम की भी जांच कर रही है। तालिब की मौत को पहले हार्ट अटैक बताकर दफना दिया गया था, लेकिन गर्दन पर चोट के निशान वाली तस्वीर सामने आने के बाद मामला पूरी तरह बदल गया।

रोनी हरजीपुर में तेंदुए की तलाश में वन विभाग का हल्ला बोल: लाठी-डंडे लेकर जंगल में उतरे ग्रामीण

करीब एक साल से जंगल में तेंदुए की आहट से दहशत की जिंदगी जीने को मजबूर ग्रामीण

मुजफ्फरनगर। जिला मुजफ्फरनगर के चरथावल थाना क्षेत्र अंतर्गत रोनी हरजीपुर गांव और आसपास के ग्रामीण इलाकों में करीब एक साल से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग द्वारा ठोस कार्रवाई न होने से खौफजदा और आक्रोशित ग्रामीणों का धैर्य आखिरकार जवाब दे गया। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने खुद ही मोर्चा संभालते हुए हाथों में लाठी-डंडे लेकर जंगलों में व्यापक तलाशी अभियान (कॉम्बिंग) चलाया। वन विभाग की टीम के साथ मिलकर ग्रामीणों ने जंगल में 'हल्ला बोल' यात्रा निकाली और तेंदुए के संभावित ठिकानों को खंगाला।

वन विभाग के हल्ला बोल में 2 घंटे तक चली जंगल में कॉम्बिंग

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक गांव के सैकड़ों लोग लाठी-डंडे लेकर जंगलों में उतरे। ग्रामीणों ने अलग-अलग टीमों में बंटकर खेतों, झाड़ियों और नलकूपों के आसपास तेंदुए की तलाश की। ग्राम प्रधान विनोद फौजी ने बताया कि गांव में लंबे समय से तेंदुए

का खौफ है, जिसके कारण किसान अपने खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए ही खुद ग्रामीण वन विभाग की टीम के साथ कॉम्बिंग में शामिल हुए। ग्रामीणों द्वारा चलाए गए इस 'हल्ला बोल' अभियान के बाद पूरे चरथावल क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। इस अभियान में धीरसिंह पुंडीर संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर राणा भी अपने समर्थकों के साथ लाठी-डंडे लेकर शामिल हुए। अंकुर राणा पिछले दो महीनों से वन विभाग के अधिकारियों से गांव में तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले एक साल से ग्रामीण और किसान तेंदुए के खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं। खेतों में फसल की सिंचाई और कटाई का काम प्रभावित हो रहा है। वन विभाग केवल आश्वासन दे रहा है, लेकिन धरातल पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं दिख रही। यदि तेंदुए के हमले में किसी भी किसान या ग्रामीण के साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी वन विभाग और डीएफओ की होगी।

राणा स्टील में बंद मिले प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, प्रशासन की छापेमारी से मचा हड़कंप

सिटी मजिस्ट्रेट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने दो रोलिंग मिलों में रात में की जांच, कार्रवाई की रिपोर्ट लखनऊ भेजी

मुजफ्फरनगर। प्रदूषण नियंत्रण नियमों के अनुपालन को लेकर प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। बुधवार देर रात प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने शहर की राणा स्टील और सर्वोत्तम रोलिंग मिल में अचानक छापेमारी कर प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं की जांच की। जांच के दौरान राणा स्टील में प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगाए गए उपकरण बंद मिले। इसे अधिकारियों ने गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट तैयार कर लखनऊ भेज दी है। संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व सिटी मजिस्ट्रेट दीपक पाल और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी गीतेश कुमार ने किया। टीम के अचानक पहुंचने से दोनों औद्योगिक इकाइयों में काफी देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम बुधवार रात दोनों रोलिंग मिलों में पहुंची। अधिकारियों ने औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण रोकने के लिए लगाए गए

उपकरणों, उनकी संचालन स्थिति और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने यह भी देखा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित मानकों और नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मिलों में लगे उपकरणों की स्थिति और उनके संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान राणा स्टील में प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगाए गए उपकरण बंद पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था का प्रभावी रूप से संचालन होना जरूरी है। उपकरणों के बंद मिलने को गंभीरता से लेते हुए टीम ने मौके पर स्थिति का निरीक्षण किया और संबंधित तथ्यों को अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया।अधिकारियों ने मामले में आगे की कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार कर लखनऊ भेज दी है। अब रिपोर्ट के आधार पर संबंधित विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम ने सर्वोत्तम रोलिंग मिल का भी निरीक्षण किया। यहां प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित उपकरणों और व्यवस्थाओं की जांच की गई। अधिकारियों ने औद्योगिक इकाई में नियमों के अनुपालन की स्थिति को देखा और आवश्यक जानकारी दर्ज की। दोनों इकाइयों में हुई जांच के बाद टीम ने संबंधित दस्तावेज और निरीक्षण से जुड़े तथ्यों को संकलित किया है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों के उल्लंघन की स्थिति सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रात में हुई अचानक कार्रवाई के बाद शहर की औद्योगिक इकाइयों में हड़कंप की स्थिति रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण मानकों के अनुपालन को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शुक्रताल सोलर प्लांट से लाखों की कॉपर तार चोरी का खुलासा, पांच शातिर चोर गिरफ्तार

भोपा पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त कार्रवाई में 8 बंडल पॉलीकैब कॉपर तार बरामद, चोरी के पैसों से खरीदी बुलेट और 30 हजार रुपये भी मिले, स्कॉर्पियो गाड़ी भी कब्जे में

मुजफ्फरनगर। शुक्रताल स्थित सोलर प्लांट से कॉपर तार चोरी करने वाले गिरोह का भोपा पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोलर प्लांट से चोरी किए गए पॉलीकैब कंपनी के आठ बंडल कॉपर तार, 30 हजार रुपये नकद, एक स्कॉर्पियो गाड़ी और चोरी के पैसों से खरीदी गई बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई है। बरामद बुलेट की कीमत करीब 2.55 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि आरोपियों ने 25/26 सितंबर की रात शुक्रताल स्थित सोलर प्लांट को निशाना बनाया था। घटना के बाद से पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। करीब

दो सप्ताह की जांच के बाद पुलिस को सफलता मिली। पुलिस के मुताबिक, 25/26 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने थाना भोपा क्षेत्र के ग्राम शुक्रताल स्थित सोलर प्लांट में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोर प्लांट से बड़ी मात्रा में कॉपर तार चोरी कर ले गए थे। घटना के संबंध में थाना भोपा में मुकदमा अपराध संख्या 259/26 धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। सोलर प्लांट जैसी महत्वपूर्ण संपत्ति में हुई चोरी को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों ने घटना के जल्द खुलासे के निर्देश दिए। इसके बाद भोपा पुलिस के साथ एसओजी देहात की टीम को भी जांच में लगाया गया।

मुखबिर की सूचना पर पांचों दबोचे

पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान 8 अक्टूबर को पुलिस को मुखबिर से आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर भोपा पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने जनता इंटर कॉलेज भोपा-बेलड़ा रोड पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने पांच संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के बाद पुलिस ने उनके कब्जे से सोलर प्लांट से चोरी किया गया कॉपर तार, नकदी और वाहन बरामद किए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पॉलीकैब कंपनी के आठ बंडल कॉपर तार बरामद हुए हैं। इसके अलावा 30 हजार रुपये नकद और यूके-17-सी-0302 नंबर की स्कॉर्पियो भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी की रकम में से कुछ पैसे खर्च कर करीब 2 लाख 55 हजार रुपये कीमत की बुलेट मोटरसाइकिल खरीदी थी। पुलिस ने बुलेट को भी बरामद कर लिया है। इस बरामदगी को पुलिस ने चोरी की रकम के इस्तेमाल से जुड़ा महत्वपूर्ण साक्ष्य माना है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजीज अहमद निवासी ग्राम शाहपुर, थाना भगवानपुर, जिला हरिद्वार, उत्तराखंड, अमन निवासी ग्राम बिलहैत, थाना बिनावर, बदायूं, अश्वनी कुमार निवासी ग्राम बिलहैत, थाना बिनावर, बदायूं, ज्ञानबाबू निवासी ग्राम उदमई, थाना अलीपुर, बदायूं, और शाहनवाज निवासी मोहल्ला रहमतनगर, बिलाल मस्जिद के पास, कस्बा व थाना भावनपुर, जिला हरिद्वार, उत्तराखंड के रूप में हुई है।

गैंगस्टर के दो वांछित बदमाश अवैध तमंचा-कारतूस और चाकू के साथ गिरफ्तार

रोहाना के पास निमार्णाधीन कॉलोनी में दबिश देकर कोतवाली नगर पुलिस ने दबोचा, दोनों आरोपी देहरादून के रहने वाले; कई मुकदमे पहले से दर्ज

मुजफ्फरनगर। शातिर और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने गैंगस्टर अधिनियम में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को रोहाना कस्बे के पास एक निमार्णाधीन कॉलोनी से दबोचा। तलाशी के दौरान एक आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस, जबकि दूसरे आरोपी के पास से चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर अधिनियम के मामले में वांछित दो आरोपी रोहाना क्षेत्र में निमार्णाधीन कॉलोनी के पास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और निमार्णाधीन कॉलोनी की घेराबंदी की। पुलिस ने मौके से मोहम्मद राशिद और फिरोज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान मोहम्मद राशिद के कब्जे से

315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं फिरोज अहमद के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर कोतवाली नगर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 445/2026 के तहत आयुध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दोनों गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में थे वांछित

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी कोतवाली नगर थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के अलावा चोरी, आयुध अधिनियम और अन्य धाराओं में भी मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद राशिद कश्मीरी कॉलोनी, निरंजनपुर, थाना पटेल नगर, देहरादून, उत्तराखंड का निवासी है। वहीं फिरोज अहमद मोहम्मद नगर कॉलोनी, पटेल नगर, देहरादून, उत्तराखंड का रहने वाला है।

मोहम्मद राशिद पर आठ मुकदमे दर्ज

पुलिस के अनुसार मोहम्मद राशिद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ कोतवाली नगर और सिविल लाइन थाने में चोरी से संबंधित मामलों के अलावा एनडीपीएस अधिनियम, आयुध अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ वर्ष 2026 में कोतवाली नगर थाने में बीएनएस की धाराओं के तहत मुकदमे, सिविल लाइन थाने में मुकदमा, वर्ष 2012 का चोरी के प्रयास का मामला, वर्ष 2019 में एनडीपीएस अधिनियम का मुकदमा और आयुध अधिनियम के मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कोतवाली नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट तथा वर्तमान कार्रवाई से संबंधित मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

फिरोज के खिलाफ भी कई मामले

पुलिस के मुताबिक फिरोज अहमद के खिलाफ भी कोतवाली नगर और सिविल लाइन थाने में चोरी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा उसके खिलाफ आयुध अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। वर्तमान गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ अवैध चाकू बरामद होने के संबंध में भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

न्यायालय में पेश किए गए आरोपी

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वांछित और गैंगस्टर अधिनियम से जुड़े आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

कार्रवाई थाना प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु शर्मा, उपनिरीक्षक नवीन कुमार, मुख्य आरक्षी राजू सिंह, आरक्षी अश्वनी कुमार, आरक्षी अशोक राणा और आरक्षी गौरव कुमार शामिल रहे।

मुजफ्फरनगर जिले में चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं: संविदा कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पर शुरू किया बेमियादी धरना

एनएचएम संविदाकर्मियों के स्थायीकरण और वेतन वृद्धि की मांग का उठा मुद्दा

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) उत्तर प्रदेश के आह्वान पर मुजफ्फरनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में सैकड़ों संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। पिछले 15 दिनों से अधिकारियों को दिए जा रहे ज्ञापनों पर कोई सुनवाई न होने से आक्रोशित कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध दर्ज कराया। धरने के पहले ही दिन जिला अस्पताल से लेकर ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य केंद्रों तक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं।

धरने की अध्यक्षता और संचालन एनएचएम संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने किया। धरने को संबोधित करते हुए विभिन्न संगठनों के नेताओं ने कहा कि संविदा स्वास्थ्य कर्मी पिछले 15-15 वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन सरकारें उन्हें नियमित करना तो दूर, सम्मानजनक वेतन वृद्धि तक नहीं दे रही हैं। कर्मचारियों ने एक सुर में हुंकार भरी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन समाप्त नहीं होगा। नियमित

संगठनों का मिला पूर्ण समर्थन

धरना स्थल पर पहुंचे कई प्रमुख स्वास्थ्य संघों ने संविदा कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया:

राजकीय नर्सिंग ऑफिसर संघः अध्यक्ष श्रीमती सरिता सिंह ने कहा कि राजकीय नर्सिंग ऑफिसर्स पूरी तरह से एनएचएम संविदा कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। इस आंदोलन के समर्थन में आशा संगठन की जिलाध्यक्ष निर्मला चौधरी ने कहा कि 15 वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों का वेतन न बढ़ना सीधे तौर पर शोषण है। वहीं डिप्लोमा फामेर्सी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगें न मानी गईं तो समस्त फार्मासिस्ट संगठन भी संविदा कर्मियों के साथ धरने पर बैठने को मजबूर होगा। इसी प्रकार मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पाकेश कुमार (स्टेनो) ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर अपना पूर्ण समर्थन जताया। जिलेभर में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर धरने में जिला महिला चिकित्सालय, जिला पुरुष चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के सैकड़ों कर्मचारी शामिल हुए। इस आंदोलन से जिला अस्पताल के अलावा स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से डॉ. फैसल सिद्दीकी, डॉ. राकेश बंसल, डॉ. शमशेर, तंजीम, सचिन कुमार, गौरव चौधरी, डॉ. रमन, डॉ. प्रीति गर्ग, डॉ. बलजीत कौर, अविनाश भारद्वाज, हसरत अली, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. इन्दू कटारिया, मदन कुमार, संध्या शर्मा, शोभित, ओम कुमार, संदीप धीमान, अतुल भारद्वाज, डॉ. बबिता, डॉ. इफ्तिखार अहमद, अंकित कुमार, संजय कुमार, राकेश कुमार, रवि धीमान, डिम्पल, देवेन्द्र कुमार, अश्वनी कुमार, प्रवीण पाल, डॉ. सुदेश वर्मा, डॉ. सुधा, अरविन्द बालियान, मणीकान्त त्यागी, डॉ. आमिर, रोहित (एलटी), जुनैद, सानतनु सोम, विपिन कुमार (एलटी), रूचिर (एसटीएलएस), विपुल कुमार, आकाश, छाया, गौरव कुमार, रिजवान,

मुजफ्फरनगर के हरसौली की जुड़वां बहनों ज्योति-जाह्नवी का यूपी अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन: शुक्रवार को मुंबई में दिखाएंगी गेंद की धार

अब दोनों बहनें उत्तर प्रदेश की टीम में दिखाएंगी दमखम, पिता का अधूरा क्रिकेट सपना बेटियां कर रहीं पूरा

मुजफ्फरनगर। जिले के हरसौली गांव की दो बेटियों ने क्रिकेट के मैदान पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। जुड़वां बहनें ज्योति और जाह्नवी बालियान का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टी-20 क्रिकेट टीम में हुआ है। दोनों बहनों की इस उपलब्धि से हरसौली गांव ही नहीं, बल्कि परिवार और परिचितों में खुशी का माहौल है। दोनों बहने कल शुक्रवार को मुंबई में बिहार के खिलाफ आगाज करेंगी।

उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टी-20 टीम अपने अभियान की शुरूआत नौ अक्तूबर को मुंबई में बिहार के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम को पंजाब, उत्तराखंड, चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश की टीमों से भी मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में ज्योति और जाह्नवी के सामने प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर है। ज्योति और जाह्नवी बालियान की खासियत यह है कि दोनों बहनें बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। ज्योति दाहिने हाथ की तेज गेंदबाज और बल्लेबाज हैं, जबकि उनकी जुड़वां बहन जाह्नवी बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिनर और बल्लेबाज हैं। दोनों बहनें

मेरठ में रहकर नियमित रूप से क्रिकेट का अभ्यास करती हैं। लगातार मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टीम में जगह मिली है।

मेरठ के क्वीस कॉलोनी, मोदीपुरम में रह रहे उनके पिता कुलदीप बालियान ने बताया कि दोनों बेटियों ने अपने भाई हेमंत को क्रिकेट खेलते देखकर इस खेल में रुचि लेना शुरू किया था। शुरूआत में खेल उनके लिए शौक था, लेकिन धीरे-धीरे यही शौक जुनून में बदल गया। दोनों बहनों ने कम उम्र से ही क्रिकेट के लिए मेहनत शुरू कर दी। वर्ष 2022-23 में दोनों का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-15 टीम में हुआ था। इसके बाद उन्होंने लगातार अपने खेल को निखारा और अब अंडर-19 टीम में स्थान बनाने में सफलता हासिल की है।

मेरठ में लगातार कर रहीं अभ्यास

ज्योति और जाह्नवी अपनी क्रिकेट की तैयारी मेरठ में ही कर रही हैं। बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी दोनों ने अपनी अलग विशेषज्ञता विकसित की है। एक ओर ज्योति तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को चुनौती देती हैं, तो दूसरी ओर जाह्नवी की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। अंडर-19 टी-20 टीम में चयन के बाद दोनों के परिवार में उत्साह का माहौल है। परिजनों और ग्रामीणों को उम्मीद है कि दोनों बहनें आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश और मुजफ्फरनगर का नाम रोशन करेंगी।

आयुष चिकित्सा प्रतिष्ठानों का अब ऑनलाइन ही होगा पंजीकरण, ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा केंद्रों के संचालकों के लिए शासन ने जारी किए निर्देश; ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करना होगा पंजीकरण

मुजफ्फरनगर। जिले में आयुर्वेदिक, यूनानी और अन्य आयुष चिकित्सा सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों के पंजीकरण को लेकर शासन ने नई व्यवस्था लागू की है। नैदानिक प्रतिष्ठानों का पंजीकरण अब केवल ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. इसम पाल ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 के अंतर्गत आने वाले नैदानिक प्रतिष्ठानों का पंजीकरण ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार आयुष चिकित्सा से संबंधित नैदानिक प्रतिष्ठानों के पंजीकरण के लिए आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए विभाग द्वारा निर्धारित ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम फॉर आयुष क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स का इस्तेमाल किया जाएगा। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि पंजीकरण के इच्छुक संचालक www.ayush.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है।

ऑफलाइन आवेदन पर नहीं होगी कार्रवाई

विभाग ने स्पष्ट किया है कि पंजीकरण के लिए किसी भी स्थिति में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसे में आयुष चिकित्सा प्रतिष्ठानों के संचालकों को निर्धारित ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से ही अपना आवेदन करना होगा।

यह व्यवस्था शासनादेश संख्या 227/2024/आई0/797745/2024-5-6099/8/2024-6, चिकित्सा अनुभाग-6, लखनऊ, दिनांक 14 नवंबर 2024 तथा निदेशक आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के परिपत्र संख्या 1140/3866/06/सामान्य, दिनांक 23 सितंबर 2026 के निर्देशों के तहत लागू की गई है।

पंजीकरण व्यवस्था को व्यवस्थित करने की कवायद

विभाग के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था का उद्देश्य आयुष क्षेत्र के नैदानिक प्रतिष्ठानों के पंजीकरण की प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के तहत संचालित करना है। इससे पंजीकरण संबंधी आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किए जा सकेंगे और विभागीय स्तर पर उनकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी।

संपादकीय

भारत के जल प्रबंधन मॉडल से दुनिया ने ले सकती है सीख

वैश्विक जलप्रबंधन के क्षेत्र में भारत का प्रभाव काफी बढ़ा है। वह कभी एक ऐसा देश था, जिसे बार-बार जलवायु संकट के झटकों का सामना करना पड़ता था, जहां पानी तक पहुंच एक बड़ी चुनौती थी।हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 'भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह' के नौवें संस्करण का केंद्रीय विषय जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन था। इस दौरान चर्चा में दो बातों पर जोर दिया गया कि भारत ने पिछले एक दशक में क्या हासिल किया है और उससे आगे क्या करना है। आगे की राह का मतलब पानी की आपूर्ति को सतत बनाए रखना, पानी का अधिक कुशलता से उपयोग करना, और इस्तेमाल हो चुके पानी यानी प्रयुक्त जल को पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक संसाधन की तरह देखना है। वैश्विक जलप्रबंधन के क्षेत्र में भारत का प्रभाव काफी बढ़ा है। वह कभी एक ऐसा देश था, जिसे बार-बार जलवायु संकट के झटकों का सामना करना पड़ता था, जहां पानी तक पहुंच एक बड़ी चुनौती थी। मगर आज वह बाढ़ और सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं से निपटने में अधिक सक्षम है। भारतीय अनुभव में वैश्विक दक्षिण के दूसरे देशों के लिए सीख मौजूद है कि कैसे जल सुरक्षा की दिशा में बड़े कदम उठाए जा सकते हैं।पिछले करीब एक दशक में भारत ने जल प्रबंधन को लेकर दुनिया के कुछ सबसे बड़े कार्यक्रमों को बनाया और लागू किया है। इनका मकसद जल प्रबंधन को बेहतर बनाना, नदियों को पुनर्जीवित करना, पानी एवं स्वच्छता के उपायों तक पहुंच बढ़ाना और सामुदायिक अगुवाई में पानी को बचाना, सुरक्षित रखना और उसकी उपलब्धता बढ़ाने वाले कार्यों को सक्षम एवं प्रभावी बनाना है। अगर पीछे मुड़कर देखें, तो इसमें वर्ष 2001 से 2014 के बीच गुजरात में जल प्रबंधन से जुड़ी पहलें महत्त्वपूर्ण रही हैं। यह दौर उन जल प्रबंधन सुधारों की एक प्रयोगशाला जैसा था, जिन्हें वर्ष 2014 के बाद पूरे देश में लागू किया गया। इसमें स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, नमामि गंगे, अटल भूजल योजना और प्रति बूंद अधिक फसल जैसे बड़े जल कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शामिल है।पच्चीस साल के इस सफर को एक नए अध्ययन 'फ्राम गुजरात टू इंडिया- वाटर लेसंस फार द वर्ल्ड' में दर्ज किया गया है। यह वर्ष 2001 से 2026 तक गुजरात और भारत के जल प्रबंधन सुधारों का क्रमवार ब्योरा देती है। यह अध्ययन आधिकारिक आंकड़ों, नीति, कार्यक्रमों के दस्तावेजों, शोधों और इस क्षेत्र में काम करने वालों लोगों से बातचीत पर आधारित है। इसमें प्रमुखता से यह तथ्य सामने आया है कि कैसे व्यापक स्तर पर जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व एवं प्राथमिकता, सार्वजनिक वित्तपोषण, संस्थागत सुधार, प्रशासनिक अमल और सामुदायिक भागीदारी ने एकजुट होकर काम किया है।

सेवा के 25 साल... गुजरात मॉडल से विकसित भारत के ड्रीम तक, मोदी का संकल्प

(कुबूल अहमद)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में 25 साल का सफर पूरा कर लिया है, जिसे भाजपा ने 'जनसेवा' का नाम दिया है. नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर पहली बार सत्ता की बागडोर संभाली थी. 13 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद वह पिछले 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं. तब से लेकर आज तक भारतीय राजनीति में पीएम मोदी का सफर लगातार चर्चा के केंद्र में रहा है।

साल 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री और उसके बाद देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपने 25 वर्षों के लंबे राजनीतिक कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे कठोर, साहसिक और दूरगामी फैसले लिए, जिनसे न केवल उनकी एक मजबूत नेता की छवि गढ़ी बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दिशा को भी पूरी तरह बदल दिया।

मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से शुरू हुआ नरेंद्र मोदी के सत्ता का सफर प्रधानमंत्री पद तक पहुंच गया. गुजरात के सीएम रहते हुए आर्थिक विकास का उनका गुजरात मॉडल राज्य की कामयाबी में नई इबारत लिखने वाला रहा. प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दुनिया भर में भारत की साख को और अधिक मजबूत किया है।

नरेंद्र मोदी ने कैसे बदली गुजरात की तस्वीर - गुजरात के भुज में जनवरी 2001 में आए विनाशकारी भूकंप के बाद तत्कालीन सीएम केशुभाई पटेल के गिरते स्वास्थ्य और राजनीतिक परिस्थितियों के बीच पार्टी में नए नेतृत्व की तलाश थी. दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने नरेंद्र मोदी को गुजरात की जिम्मेदारी देने का निर्णय किया. 7 अक्टूबर 2001 को उन्होंने गुजरात के 14वें सीएम के तौर पर शपथ ली।

गुजरात का मुख्यमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी के सामने 2001 के विनाशकारी भूकंप से राहत-पुनर्वास और उसके बाद 2002 के दंगों से राज्य को उबारने की चुनौती थी. उन्होंने गुजरात में निवेश लाने और औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए कई अहम कदम उठाए।

साल 2003 में नरेंद्र मोदी ने 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरुआत की।इसके तहत नियमों को आसान बनाकर वैश्विक कंपनियों को गुजरात में आमंत्रित किया गया. टाटा नैनो प्लांट को पश्चिम बंगाल के सिंगूर से लाकर गुजरात के साणंद में स्थापित कराना उनके इसी आक्रामक विकास मॉडल का बड़ा उदाहरण बना।

24 घंटे बिजली सप्लाई और जल संकट से निजात - साल 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना ने गुजरात के ग्रामीण बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल दी. इस योजना के तहत कृषि और घरेलू बिजली ग्रिड को अलग-अलग किया गया, जिससे गांवों को 24 घंटे बिजली और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलने लगी. इस फैसले ने न केवल कृषि विकास दर को बढ़ाया बल्कि उनके गुड गवर्नेंस के नैरेटिव को पूरे देश में स्थापित किया। लड़कियों की शिक्षा के लिए कन्या केलावणी और गांवों को कंप्यूटर से जोड़ने के लिए ई-ग्राम विश्व ग्राम योजना लागू कराई।

सूखा प्रभावित गुजरात में जल संकट से निपटने के लिए नरेंद्र मोदी ने नर्मदा नहर नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ चेक डैम निर्माण और माइक्रो-इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) पर जोर दिया. हर साल कृषि महोत्सव का आयोजन कर सरकारी अमले को सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाया गया, जिससे गुजरात की कृषि विकास दर दो अंकों में पहुंच गई।

प्रधानमंत्री के रूप में लिए गए ऐतिहासिक फैसले - गुजरात के विकास मॉडल और हिंदुत्व के प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे नरेंद्र मोदी को भाजपा ने 2013 में पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया. 2014 में मोदी लहर के बलबूते भाजपा पहली बार अपने पूर्ण बहुमत के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने अकेले 282 सीटें हासिल कीं और 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी देश के 14वें प्रधानमंत्री बने. 2019 और फिर 2024 में जीत दर्ज कर उन्होंने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई और जवाहरलाल नेहरू के बाद देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिन्होंने लगातार तीसरी बार यह पद संभाला।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए. अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना, तीन तलाक की समाप्ति, जनधन योजना, जीएसटी सुधार और आतंकी हमलों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक तथा एयर स्ट्राइक जैसे कड़े कदम इनमें शामिल हैं।

जनधन खाता, नोटबंदी और जीएसटी का फैसला - साल 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान प्रधानमंत्री जनधन योजना का ऐलान किया. इसके तहत करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खोले गए. इसे आधार और मोबाइल से जोड़कर सीधे जनता के खातों में सब्सिडी भेजने की व्यवस्था शुरू की गई. इस कदम ने सरकारी योजनाओं से बिचौलियों और भ्रष्टाचार को खत्म करने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई।

8 नवंबर 2016 को 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने (नोटबंदी) का फैसला मोदी सरकार के सबसे चर्चा में रहने वाले और साहसिक फैसलों में से एक माना जाता है. काले धन, जाली नोटों और आतंकवाद की फंडिंग पर चोट करने के इरादे से लिए गए इस फैसले ने तत्कालीन समय में भले ही असुविधा पैदा की, लेकिन इसने देश में डिजिटल लेनदेन की एक नई क्रांति की नींव रखी।

देश में लंबे समय से लंबित 'एक राष्ट, एक कर' की अवधारणा को साकार करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया गया. देश के जटिल टैक्स ढांचे को सुव्यवस्थित करने और राज्यों के बीच व्यापारिक बाधाओं को दूर करने की दिशा में यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना जाता है।

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक - आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार ने अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सैन्य रणनीति को नया आयाम दिया. उरी आतंकी हमले (2016) के जवाब में भारतीय सेना ने 28-29 सितंबर 2016 की रात नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी लॉन्च पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक की. इसके बाद पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइकज कर आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया।

इन फैसलों ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को बदलकर रख दिया और दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ केवल रक्षात्मक रहने के बजाय आक्रामक जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है।

अनुच्छेद 370, राम मंदिर और सीएए का फैसला - मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में लिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा और साहसिक राजनीतिक फैसला माना जाता है. 5 अगस्त 2019 को सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रमुख प्रावधानों को समाप्त कर दिया और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित किया. इस फैसले ने घाटी की सियासत और सुरक्षा व्यवस्था का परिदृश्य बदल दिया, जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश, एक विधान का संकल्प साकार हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करना मोदी सरकार के वैचारिक एजेंडे के प्रमुख स्तंभ बने. जनवरी 2024 में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने देश के सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य पर अपनी छाप छोड़ी।

महिला आरक्षण और ईडब्ल्यूएस आरक्षण - मोदी सरकार ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कराया, जो तीन दशकों से लंबित था. इस फैसले ने भारतीय राजनीति में महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित किया।

इसी तरह, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण की मांग लंबे समय से हो रही थी. मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के अंत में जनवरी 2019 में सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया. इस संविधान संशोधन को संसद से पास कराकर लागू किया गया, जिससे अब आर्थिक रूप से पिछड़े लोग सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से शुरू हुआ नरेंद्र मोदी का प्रशासनिक सफर आज प्रधानमंत्री के रूप में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करने तक पहुंचा है. 25 वर्षों के इस सफर में उनके प्रशासनिक व आर्थिक फैसलों का मुख्य ध्यान कड़े नियंत्रण, राष्ट्रीय सुरक्षा, और बड़े पैमाने पर जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर रहा है. ये फैसले भारतीय राजनीति के इतिहास में हमेशा महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखे जाएंगे।

पाकिस्तानियों से ज्यादा लंबी जिंदगी जीते हैं भारतीय, पर बांग्लादेशी ज्यादा जीते हैं

(नीरज कुमार दुबे)

पाकिस्तानियों से लंबी जिंदगी जीते हैं भारतीय, लेकिन बांग्लादेशी उनसे भी आगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़ों ने दक्षिण एशिया में जीवन-प्रत्याशा की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने रखी है। वर्ष 2023 में भारत में औसत जीवन-प्रत्याशा 71 वर्ष रही, जबकि पाकिस्तान में यह आंकड़ा महज 68.2 वर्ष था।

पाकिस्तानियों से ज्यादा जीते हैं भारतीय, मगर भारतीयों से भी ज्यादा जीते हैं बांग्लादेशी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़े भारत की जीवन-प्रत्याशा की एक दिलचस्प तस्वीर सामने रखते हैं। वर्ष 2023 में एक भारतीय की औसत जीवन-प्रत्याशा 71 वर्ष रही, जबकि पाकिस्तान में यह 68.2 वर्ष थी। लेकिन बांग्लादेश 72.7 वर्ष के साथ भारत से आगे निकल गया। अमेरिका और कनाडा तो इससे भी काफी आगे हैं। यानी भारत ने पाकिस्तान को पीछे जरूर छोड़ा है, लेकिन लंबी जिंदगी के मामले में अभी बांग्लादेश से भी पिछड़ रहा है। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भारतीयों की बढ़ती उम्र के साथ सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस जिंदगी में स्वस्थ रहने के कितने साल शामिल हैं।

हम आपको बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा वैश्विक स्वास्थ्य आकलन ने भारत की सेहत की ऐसी तस्वीर सामने रखी है, जिसमें एक तरफ महामारी के बाद जीवन-प्रत्याशा तेजी से संभली है, तो दूसरी तरफ हृदय रोग, मधुमेह, पक्षाघात और फेफड़ों की पुरानी बीमारियां मौत की सबसे बड़ी वजह बनती जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा वर्ष 2023 में केवल 60.6 वर्ष रही। यानी औसतन जीवन के अंतिम करीब दस वर्ष किसी न किसी बीमारी, अक्षमता या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के साथ गुजरने की आशंका बनी रहती है। वर्ष 2019 में यही आंकड़ा 60.5 वर्ष था। महामारी के दौरान यह 2021 में घटकर 58.4 वर्ष रह गया और फिर 2022 में 60.2 तथा 2023 में 60.6 वर्ष तक पहुंचा।

रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी के बाद भारत ने जीवन-प्रत्याशा में उल्लेखनीय वापसी की है। वर्ष 2019 में यह 70.5 वर्ष थी, जो 2021 में गिरकर 68.1 वर्ष हो गई। इसके बाद 2022 में यह फिर 70.5 वर्ष और 2023 में 71 वर्ष पहुंच गई। यानी महज दो वर्षों में भारत ने अनुमानित जीवन के 2.9 वर्ष वापस हासिल कर लिए। लेकिन स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा की वापसी केवल 2.2 वर्ष रही। यही अंतर भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने सबसे गंभीर चुनौती को उजागर करता है।

बुजुर्गों के मामले में भी तस्वीर कुछ बेहतर हुई है। वर्ष 2023 में 60 वर्ष की उम्र तक पहुंच चुके व्यक्ति के औसतन 18.8 वर्ष और जीने की उम्मीद थी, जबकि 2019 में यह 18.4 वर्ष थी। लेकिन इनमें पूरी तरह स्वस्थ रहने वाले वर्षों की संख्या 13.7 वर्ष ही थी। साफ है कि उम्र बढ़ रही है, मगर स्वस्थ उम्र उतनी तेजी से नहीं बढ़ रही। इसके अलावा, भारत की बीमारियों की तस्वीर भी पिछले दो दशकों में पूरी तरह बदल गई है। वर्ष 2000 में देश में मौत के दस प्रमुख कारणों में संक्रामक बीमारियों की हिस्सेदारी करीब 62 प्रतिशत थी, जबकि गैर-संचारी बीमारियों की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत थी। वर्ष 2023 तक तस्वीर उलट गई। गैर-संचारी बीमारियां करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौत की सबसे बड़ी वजह बन गईं, जबकि संक्रामक बीमारियों की हिस्सेदारी घटकर करीब 16 प्रतिशत रह गई। बाकी हिस्सेदारी चोट और दुर्घटनाओं जैसी वजहों की रही।

बीमारियों की बदलती तस्वीर को मौत के आंकड़ों से आसानी से समझा जा सकता है। वर्ष 2000 में भारत में क्षय रोग और दस्त जैसी संक्रामक बीमारियां मौत की बड़ी वजह थीं। तब प्रति एक लाख आबादी पर क्षय रोग से 92.4 और दस्त से 87.8 मौतें होती थीं। लेकिन वर्ष 2023 तक तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी थी। अब हृदय रोग सबसे बड़ा जानलेवा कारण बन गया, जिससे प्रति एक लाख आबादी पर 138.5 मौतें दर्ज हुईं। इसके बाद फेफड़ों की पुरानी बीमारी से 83.19, पक्षाघात से 74.8 और मधुमेह से 49.01 मौतें प्रति एक लाख आबादी पर हुईं। यानी भारत अब केवल संक्रमण से नहीं, बल्कि दिल, फेफड़ों, मधुमेह और पक्षाघात जैसी लंबी बीमारियों से भी बड़ी जंग लड़ रहा है।

फिर भी संक्रामक बीमारियों को समाप्त मान लेना बड़ी भूल होगी। दस्त, क्षय रोग और निचले श्वसन तंत्र के संक्रमण अब भी भारत में मौत के दस प्रमुख कारणों में शामिल हैं। यानी भारत को एक साथ पुरानी बीमारियों और नई जीवनशैली वाली बीमारियों, दोनों मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है। दूसरी ओर, दुनिया की तस्वीर भी भारत से बहुत अलग नहीं है। वर्ष 2023 में वैश्विक जीवन-प्रत्याशा 73.3 वर्ष पहुंच गई, जो 2019 के 73.4 वर्ष के लगभग बराबर है। लेकिन वैश्विक स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा 62.8 वर्ष ही रही, जो 2019 से अब भी 0.4 वर्ष कम है।

बुजुर्गों की अनदेखी और बिखरते पारिवारिक मूल्य

पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि ऐसा सोचना सही ही होगा। आखिर समाज और आर्थिकी को चलाने के लिए युवा चाहिए। कोरोना महामारी के समय भी ऐसा बहुत कुछ सुनने को मिला था। किसी भी दल की सरकार हो, वे अपनी जो भी योजनाएं बनाती हैं, वे युवाओं को लक्षित होती हैं। दूसरी ओर, चीन, जापान और यूरोप के बहुत से देश हैं, जहां लोग अब बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। कहीं यह सरकारी नीतियों की उपज है, तो कहीं समाज की मानसिकता का बन गया हिस्सा। मगर अब वहां की सरकारें कह रही हैं कि आगे उनका देश कैसे चलेगा, क्योंकि उनके यहां बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है।

(क्षमा त्रिपाठी)

मगर कई लोक कथाएं ऐसी मिलती हैं, जहां जब युवा वर्ग किसी परेशानी में फंसता है, तो बुजुर्ग ही उन्हें उस मुसीबत से निकालते हैं। ये एक तरह से उनके अनुभव के महत्त्व को समझना है।

कुछ दिन पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ से जुड़ी एक कंपनी के मालिक ने कहा था कि इन बूढ़ों की बात मत सुनिए। उन्होंने यह कोई नई बात नहीं कही। वृद्ध होते ही समाज आपको एक दयनीय चीज समझता है। कई बार सरकारें भी इस आशय की बात कहती रहती हैं कि वृद्ध लोग अर्थव्यवस्था पर बोझ हैं।

पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि ऐसा सोचना सही ही होगा। आखिर समाज और आर्थिकी को चलाने के लिए युवा चाहिए। कोरोना महामारी के समय भी ऐसा बहुत कुछ सुनने को मिला था। किसी भी दल की सरकार हो, वे अपनी जो भी योजनाएं बनाती हैं, वे युवाओं को लक्षित होती हैं।

दूसरी ओर, चीन, जापान और यूरोप के बहुत से देश हैं, जहां लोग अब बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। कहीं यह सरकारी नीतियों की उपज है, तो कहीं समाज की मानसिकता का बन गया हिस्सा। मगर अब वहां की सरकारें कह रही हैं कि आगे उनका देश कैसे चलेगा, क्योंकि उनके यहां बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। उनकी सामाजिक सुरक्षा योजना पर काफी खर्च होता रहा है।

'लोग बुढ़ापे से डरते हैं' - भारत में भी बाल सफेद होते ही स्त्री या पुरुष को वृद्ध के खाते में डाल दिया जाता है। यानी प्रकारांतर से कहा जाता है कि अब समाज को उसकी जरूरत नहीं। 'चित्रलेखा' उपन्यास का वह वाक्य याद आता है, जहां शृंगार करते हुए एक महिला चित्रलेखा से कहती है कि- देवी, सफेद बाल! फिल्म में नायिका को एकाएक शीशे में अपनी शक्ल दांत टूटी हुई, एक अशक्त बुढ़िया के रूप में नजर आने लगती है। यानी लोग बुढ़ापे से डरते हैं।

बुढ़ापा यानी मृत्यु के आसपास होने का अहसास। शायद यही कारण है कि अब चाहे कोई स्त्री हो या पुरुष, बहुत कम लोगों के बाल सफेद नजर आते हैं। सौंदर्य उद्योग ने भी अपने उत्पादों को लोकप्रिय करने के लिए मुहावरा चलाया है- 'एज इज जस्ट ए नंबर', यानी उम्र सिर्फ एक अंक भर है।

जब तक अपने यहां संयुक्त परिवारों का बोलबाला था, तब तक फिर भी घरों में बुजुर्गों की कुछ अहमियत थी। हालांकि तब भी ऐसे मामले होते थे, जब किसी बुजुर्ग को बहुत से परिवार वाले किसी ऐसे स्थान पर छोड़ आते थे, जहां से वे फिर कभी घर न लौट सकें।

'अनुभव उम्र से ही तय होता है' - मगर कई लोक कथाएं ऐसी मिलती हैं, जहां जब युवा वर्ग किसी परेशानी में फंसता है, तो बुजुर्ग ही उन्हें उस मुसीबत से निकालते हैं। ये एक तरह से उनके अनुभव के महत्त्व को समझना है। अनुभव उम्र से ही तय होता है। जन्म लेते ही कोई अनुभवी नहीं हो जाता।

जब से एकल परिवारों का चलन दुनिया भर में बढ़ा है, तब से बुजुर्गों की हालत खराब होती जा रही है। पश्चिम में तो फिर भी सरकारों की तरफ से कुछ योजनाएं उनके लिए हैं। अच्छे वृद्धाश्रम भी हैं, लेकिन अपने यहां ऐसा बहुत कम है। इंटरनेट पर मौजूद वीडियो में अक्सर दिखता है कि कभी बहू, तो कभी बेटा, तो कभी बेटी, वृद्ध माता-पिता के संसाधनों पर कब्जा जमाकर उन्हें वृद्धाश्रमों में छोड़ने की बातें करते हैं।

अपने देश में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2022 में बुजुर्गों की आबादी 15.3 करोड़ थी। 2050 तक इनकी आबादी 34.7 करोड़ होने का अनुमान है।

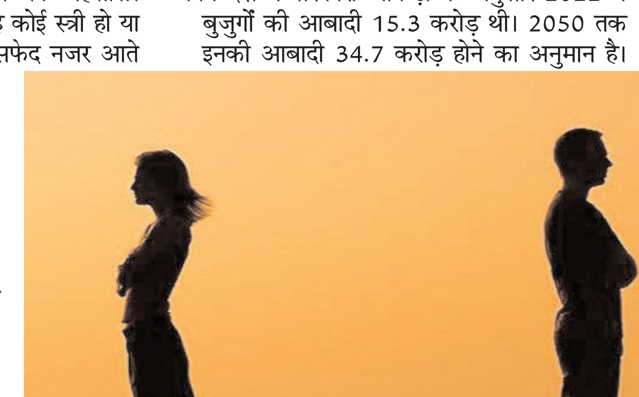

इसीलिए मांग की जा रही है कि अब सेवानिवृत्ति की उम्र को बढ़ाया जाए। सेवानिवृत्ति के बाद भी ऐसे काम हों, जिन्हें उम्रदराज लोग कर सकें। उनकी कुछ आय हो जाए और वे बच्चों पर निर्भर न रहें।

'बुजुर्गों के मसले पर बहुत बेमन से सोचा जाता है' - मगर अपने यहां सरकारों की यह सोच नहीं बदली है कि इन दिनों भी बच्चे माता-पिता के साथ रहते होंगे। इसीलिए बुजुर्गों के मसलों पर बहुत बेमन से सोचा जाता है। यहां तक कि बहुत सारी विदेशी कंपनियां भी भारत आकर ऐसा ही सोचती हैं।

इस संदर्भ में बहुत पहले की एक घटना कई लोगों को याद होगी। एक युवा को बहुत बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी मिली, लेकिन उसे घर के किराए का भत्ता नहीं दिया गया। कारण पूछने पर कंपनी ने कहा कि आप तो अपने माता-पिता के साथ रहते होंगे। कुछ साल पहले एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि भारत में तिरसठ फीसद युवा परिवार के साथ नहीं रहना चाहते।

'बुजुर्ग अपने बच्चों की शिकायत तक नहीं करते' - जब से यह बात चली है कि भारत सबसे युवा आबादी वाला देश है, पैंसठ फीसद लोग युवा हैं, तब से शायद ही किसी राजनीतिक पार्टी को हमने बुजुर्गों की इतनी बड़ी आबादी के हितों के बारे में बात करते सुना होगा। इनके वोट तो सभी को चाहिए, लेकिन ये सबसे उपेक्षित नागरिक बना दिए गए हैं। सही है कि कभी-कभार अदालतें जरूर लताड़ लगाती हैं, लेकिन अदालतों तक कितने लोग पहुंच पाते हैं! परिवार की प्रतिष्ठा की खातिर ज्यादातर बुजुर्ग अपने बच्चों की शिकायत तक नहीं करते।

पिछले दिनों एक बेटे ने अपनी मां से मारपीट की। जब पुलिस ने उसे पकड़ा, तो मां ने कहा कि मेरा बेटा तो बहुत अच्छा है। अगर उसने पीटा होता, तो क्या मुझे चोट न लगती? जबकि इस घटना का वीडियो भी उपलब्ध था।

एक ओर कोई बुजुर्ग अपने बेटे को बचाने के लिए इस हद तक चला जाता है कि अपने खिलाफ बेटे की हिंसा और अपमान को भी नजरअंदाज करता है, दूसरी ओर बेटा अपने स्वार्थ में पिता के प्रति न्यूनतम संवेदना भी नहीं रख पाता। सवाल है कि जहां बुजुर्गों को ऐसे दुराग्रहों के बीच जीवन गुजारना पड़ रहा हो, वहां एक संवेदनशील समाज का हिस्सा होने पर हम कैसे खुश हो लें!

महिला स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग और वित्तीय संस्थाओं से जोड़ने की पहल

ग्रामीण समाज विकास केंद्र ने ग्राम मीवा में महिलाओं को बैंकिंग, बचत, ऋण और डिजिटल बैंकिंग की दी जानकारी

मेरठ। ग्रामीण समाज विकास केंद्र की ओर से महिलाओं और ग्रामीण समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में आठ अक्टूबर को जनपद मेरठ के ग्राम मीवा में कार्यक्रम आयोजित कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से संबंधित जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, बचत, ऋण, बैंक खाता संचालन, डिजिटल बैंकिंग तथा विभिन्न सरकारी वित्तीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने और बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित तरीके से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। संस्था का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते खुलवाने और उनके नियमित संचालन में सहयोग करना, समूहों को बैंक ऋण एवं क्रेडिट लिंकेज की प्रक्रिया समझाना तथा महिलाओं में नियमित बचत और वित्तीय प्रबंधन की आदत विकसित करना है। इसके साथ ही डिजिटल बैंकिंग के सुरक्षित इस्तेमाल और सरकारी योजनाओं व वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की सदस्यों के साथ बैठक कर बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। महिलाओं को बैंक खाता, पासबुक, बचत, ऋण आवेदन, आवश्यक दस्तावेज और बैंक से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

महिलाओं को बैंक अधिकारियों और संबंधित वित्तीय संस्थाओं से सीधे संपर्क स्थापित करने के लिए भी प्रेरित किया गया। बैंक ऋण प्राप्त करने के लिए समूह की नियमित बैठक, नियमित बचत, रिकॉर्ड और आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित रखने के महत्व के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, फील्ड एनिमेटर नीरज और अनुज सिंह मौजूद रहे। संस्था की ओर से बताया गया कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दुकानमालिक का पलटवार अपने बचाव को खाली करना चाहते है बिल्डिंग, नये कानून के तहत बिल्डिंग गिरने पर माना जाता है दोषी

शामली। शहर के धीमान पूरा स्थित दुकानदारों द्वारा मालिक पर लगाए गए आरोपों को लेकर दुकानों के मालिक द्वारा अपना पक्ष रखते हुए कहा गया है कि वह केवल अपना बचाव करने के लिए दुकानों की जर्जर अवस्था को देखते हुए दुकानों को खाली कराना चाह रहे है ।जो भी वैध प्रक्रिया होगी वह प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से होगी ।उनके द्वारा किसी भी किरायेदार को किसी भी प्रकार की जोर जबरदस्ती व धमकी नहीं दी जा रही है ।उन्होंने पुणे की एक कंपनी द्वारा बनाई गई स्ट्रक्चर रिपोर्ट को भी पेश किया ।जिसमे बिल्डिंग को पूरी तरह से जर्जर माना गया है। गुरुवार को मुजफ्फरनगर निवासी डॉक्टर प्रणव गर्ग,भूषण गर्ग व ईश्वर स्वरूप ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर बताया कि शहर के धीमान पूरा स्थित बिल्डिंग सन 1950 में बनाई गई थी ।जो फिलहाल 72 वर्ष होने के बावजूद पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है ।उसमें बनाई गई दुकानों को 5 व 2 साल के एग्रीमेंटो पर दिया गया था ।लेकिन 2022 से किरायेदारों द्वारा किराया देना बंद कर दिया गया और उल्टा दुकानों के मालिक पर ही मुकदमा कर दिया गया ।लेकिन कोर्ट द्वारा दुकान मालिक के पक्ष में फैसला दिया गया ।उन्होंने कहा कि वह केवल अपना बचाव करने के लिए बिल्डिंग को खाली कराना चाहते है ।हाल फिलहाल में लखनऊ दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जर्जर बिल्डिंगों के गिरने से बड़े हादसे हो चुके है ।जिसमे किरायेदारों द्वारा मालिक के निर्दोष होने के बावजूद भी दोषी बनाया गया है ।उन्होंने कहा कि वह दुकानों को खाली करवाने की पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक देख रेख में करवाना चाहते है ।उनके द्वारा किसी भी दुकानदार को न तो कोई धमकी दी गई है और न ही किसी प्रकार का दुर्व्यवहा किया गया है। प्रशासन के निर्देश पर पुणे की एक कंपनी द्वारा स्ट्रक्चर रिपोर्ट तैयार कराई गई है।

जिसमे बिल्डिंग को पूरी तरह से जर्जर माना गया है ।इस रिपोर्ट को भी न्यायालय के साथ साथ प्रशाशन को भी सौंप दिया गया है ।इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बराबर की बिल्डिंगों व आनेजाने वाले राहगिरी को भी जान माल का खतरा बना हुआ है ।उन्होंने कहा कि कोर्ट और प्रशासनिक अधिकारी जो भी दिशा निर्देश देंगे उसका पूरी तरह से पालन किया जाएगा ।दुकानदारों द्वारा उन पर जो भी आरोप लगाए गए है वह पूर्ण रूप से निराधार है।

सरस्वती शिशु मंदिर साकेत के बच्चों ने प्रांतीय सांस्कृतिक महोत्सव में लहराया परचम

मुजफ्फरनगर। सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल साकेत के विद्यार्थियों ने साहिबाबाद में आयोजित प्रांतीय संस्कृति महोत्सव प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। 5 एवं 6 अक्टूबर को आयोजित इस प्रांतीय स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल छह भैया-बहनों एवं एक आचार्य ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, लगन और मेहनत का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन भैया-बहनों ने प्रथम स्थान, एक ने द्वितीय स्थान तथा दो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं विद्यालय के आचार्य ने भी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों का चयन आगामी क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। ये विद्यार्थी 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक बरेली में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस उपलब्धि को लेकर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य भुजेंद्र कुमार ने सभी विजेता विद्यार्थियों एवं आचार्य को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन, प्रतिभा तथा आचार्यों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और संस्कारों का भी विकास करती हैं। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

लोकतंत्र की रक्षा के मुद्दे पर मुजफ्फरनगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली प्रदर्शन में लिया हिस्सा

मुजफ्फरनगर। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध-प्रदर्शन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में शामिल होने का प्रयास किया।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, प्रदर्शन में शामिल होने के लिए निकले कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा उनके घरों तथा रास्ते में टोल प्लाजा पर रोकने और हिरासत में लेने का प्रयास किया गया। इन दावों के अनुसार, विभिन्न बाधाओं के बावजूद सुबोध शर्मा, गुफरान काजमी, गीता ककरान सहित अन्य कार्यकर्ता प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने में सफल रहे।

प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और संविधान से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग भी दोहराई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के समर्थन में नारेबाजी की तथा कांग्रेस के झंडे के साथ प्रदर्शन किया। कांग्रेस की ओर से इस प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान की रक्षा से जुड़ा अभियान बताया गया है।

एसडी इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मुजफ्फरनगर। एसडी इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में आयोजित तीन दिवसीय तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का अंतिम दिन भी खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के नाम रहा। विभिन्न स्पधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य प्रकाश सक्सेना ने 3000 मीटर दौड़ के लिए क्लिपिंग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनएफसी प्रभारी प्रमोद कुमार तथा जिला क्रीड़ा सचिव सत्यकाम तोमर ने प्रतियोगिता की विभिन्न स्पधाओं के परिणामों की जानकारी दी। 400 मीटर दौड़ जूनियर बालिका वर्ग में अदिति, वंशिका चौधरी और ज्योति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग में अक्षित शर्मा, मोहम्मद आरिस और रवि क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। 5000 मीटर पैदल चाल बालक वर्ग में जतिन, आरव और लवी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालिका वर्ग में राधिका, आरुषि और पूर्वा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। 3000 मीटर दौड़ में वंशिका, जानवी और भावना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं ऊंची कूद बालक वर्ग में मोहम्मद जाहिद, आदित्य गिरी और सूरज ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में वंशिका, विनीता और मानवी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किए। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अनिल कुमार बालियान, अक्षय कुमार, मनोज कुमार, अमित कुमार, गया प्रसाद प्रजापति, नीरज कुमार, मुकेश कुमार, हंस कुमार, वरुण मलिक, राहुल राणा, कैप्टन बबीता राणा, पूनम, प्रीति, प्रियंका शर्मा, अनिल वत्स, प्रवेश कुमार एवं शशि प्रभा का विशेष सहयोग रहा। समापन अवसर पर विद्यालय के शारीरिक शिक्षक डॉ. राहुल कुशवाहा ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यालयों से आए शारीरिक शिक्षकों एवं अध्यापकों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

कमिश्नरी चौराहे पर कांग्रेस का प्रदर्शन, बुलेट से पहुंचीं पूनम पंडित

मेरठ। मेरठ के कमिश्नरी चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता पूनम पंडित अपने अलग अंदाज में बुलेट से प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं।

उनकी बुलेट पर लगा हेलमेट भी चर्चा का विषय रहा, जिस पर स्लोगन लिखा था–लड़की हूं, लड़ सकती हूं।

कमिश्नरी चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान पूनम पंडित बुलेट से मौके पर पहुंचीं और प्रदर्शन में शामिल हुईं।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र बचाओ समेत कई नारे लगाए। पूनम पंडित ने भी केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कथित पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। पूनम पंडित ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं के साथ पुलिस की बर्बरता लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने सरकार पर तीखे शब्दों में निशाना साधा। वहीं, प्रदर्शन के दौरान लगाए गए नारों और पूनम पंडित के बुलेट से पहुंचने का वीडियो भी चर्चा में रहा।

किसान बचाओ-देश बचाओ महापंचायत की सफलता पर संजीव तोमर ने किसानों और कार्यकर्ताओं का जताया आभार

भाकियू तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले–किसानों के साथ कभी अन्याय नहीं होने देंगे, हक और अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगीजनहित में किए गए कार्यों को किया याद

मुजफ्फरनगर/छपार। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में आयोजित किसान बचाओ-देश बचाओ महापंचायत को सफल बनाने के लिए जनपद सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे किसानों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि महापंचायत में किसानों ने जिस तरह अपनी एकजुटता और भागीदारी दिखाई, उसके लिए संगठन प्रत्येक किसान और कार्यकर्ता का धन्यवाद करता है। चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था की रीढ़ है। किसानों की समस्याओं को उठाना और उनके अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ कभी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और किसान हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ संबंधित स्तर पर उठाया जाता रहेगा। उन्होंने महापंचायत में पहुंचे किसानों का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि दूर-दराज के गांवों से किसान अपना समय निकालकर जीआईसी मैदान पहुंचे और अपनी समस्याओं तथा मांगों को मजबूती के साथ सामने रखा। उन्होंने कहा कि किसानों की एकजुटता ही उनकी ताकत है और संगठन किसानों के हित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को गंभीरता से उठाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को कृषि लागत, फसलों के उचित मूल्य, गन्ना भुगतान, बिजली, सिंचाई और अन्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। इन मुद्दों को लेकर संगठन लगातार किसानों के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुनता रहा है और आगे भी किसानों की आवाज को संबंधित अधिकारियों एवं सरकार तक पहुंचाने का कार्य जारी रहेगा ।उन्होंने कहा कि किसानों के हक और अधिकारों की लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि पूरे किसान समाज की लड़ाई है। संगठन का प्रयास रहेगा कि किसानों की समस्याओं का समाधान बातचीत और लोकतांत्रिक तरीके से कराया जाए। चौधरी संजीव तोमर ने महापंचायत की तैयारियों में जुटे संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि महापंचायत को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव जाकर किसानों से संपर्क किया और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कार्यकर्ताओं की मेहनत और किसानों की भागीदारी से ही कार्यक्रम आयोजित हो सका। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने तथा गांव स्तर पर उनकी समस्याओं को सुनकर संगठन तक पहुंचाने का आह्वान किया। एकजुट होकर उठाएं किसानों की आवाज भाकियू तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसान अपनी समस्याओं को लेकर

रंग संसार

नाना पाटेकर के निधन के बाद सलमान खान ने लिया बड़ा फैसला, कैंसिल कर दिया ग्रैंड इवेंट

नई दिल्ली। वेटरन एक्टर नाना पाटेकर के निधन से हिंदी सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। करीब 5 दशकों तक फिल्मी दुनिया में बतौर अभिनेता राज करने नाना की मौत से फिल्मी हस्तियों के दिल टूट गए हैं और हर कलाकार गम में डूबा हुआ नजर आ रहा है। इस बीच सुपरस्टार सलमान खान ने नाना पाटेकर के देहांत के बाद बड़ा फैसला लिया है और अपना एक ग्रैंड इवेंट प्रोग्राम कैंसिल कर दिया है। पूरा मामला क्या है, आइए जानते हैं- सलमान ने कैंसिल किया इवेंट

नाना पाटेकर की मौत की खबर सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। सिनेमा जगत के तमाम सेलेब्स सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस बीच एनडीटीवी की खबर के अनुसार ये जानकारी सामने आ रही है कि सलमान खान ने नाना पाटेकर के निधन को जहन में रखते हुए 8 अक्टूबर को मुंबई में होने वाले एक रियल स्टेट इवेंट को कैंसिल कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान को एक फेमस रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के साथ मुंबई बांद्रा के ताज लैंड्स एंड में आयोजित होने वाले खास इवेंट में आज शाम 6 बजे शामिल होना था। कंपनी द्वारा आयोजित इस इवेंट में सलमान के आने को लेकर सारी तैयारियां भी पूरी हो गई थीं। लेकिन नाना पाटेकर के अचानक से हुए निधन के बाद सलमान ने इस इवेंट को रद्द कर दिया है। जो ये दशार्ता है कि दबंग सुपरस्टार अपने सीनियर एक्टर नाना पाटेकर के प्रति सम्मान की भावना रखते थेह। बता दें कि सलमान खान ने अभी तक सोशल मीडिया पर नाना पाटेकर को लेकर कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है। हालांकि, अक्षय कुमार, अल्लू अर्जुन, रितेश देशमुख, राजपाल यादव, जूही चावला और संजय दत्त जैसे कई कलाकारों ने नाना को सोश मीडिया पर श्रद्धांजलि दी है।

राज काज

जीएसटी रजिस्ट्रेशन हुआ बेहद आसान! सरकार ने किए 4 बड़े सुधार, छोटे कारोबारियों को मिलेगी भारी राहत

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक खत्म हो चुकी है, जिसमें व्यापारियों को लेकर बड़े एलान हुए। इसके अलावा सरकार ने अब जीएसटी रजिस्ट्रेशन के प्रोसेस को काफी आसान किया है और इसमें चार बड़े सुधार किए हैं। वित्त मंत्रालय और CBIC ने मिलकर 'Next-Gen GST Process Reforms' के तहत GST Registration Reforms की घोषणा की है। इस नए बदलाव का सीधा मतलब ये है कि अब आपको GST नंबर लेने या उसमें बदलाव करने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और न ही किसी एजेंट के भरोसे बैठना पड़ेगा।कौन से हैं वो चार सुधार?

1. अब बिना रुकावट के होगा रजिस्ट्रेशन

पहले जीएसटी रजिस्ट्रेशन के समय कौन-से कागज चाहिए, कौन से नहीं, इसे लेकर काफी कन्फ्यूजन रहता था। थोड़ी सी भी गलती होने पर भी एप्लीकेशन रिजेक्ट हो जाता था। लेकिन अब सरकार ने इसे पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। अब पोर्टल पर आपको सिस्टम बेस्ड गाइडेंस मिलेगी। यानी जब आप ऑनलाइन फॉर्म भरेंगे, तो कंप्यूटर/पोर्टल खुद आपको कदम-कदम पर बताएगा कि क्या करना है। इससे गलतियां होने की गुंजाइश न के बराबर हो जाएगी।

2. ई-कॉमर्स ट्रेडर्स के लिए स्पेशल छूट

अगर आप अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो या किसी भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपना सामान बेचते हैं, तो आपके लिए बड़ी राहत दी गई है। ऐसे व्यापारियों के लिए नियमों के बदलते हुए रजिस्ट्रेशन का प्रोसेस काफी सिंपल बनाया गया है। ऐसे में अगर कोई व्यापारी ऑनलाइन सामान बेचना चाहता है तो उसे अब जीएसटी की वजह से कोई दिक्कत नहीं आएगी।

3. खुद सुधार करने की सुविधा

पहले अगर जीएसटी सर्टिफिकेट में कोई छोटी-मोटी गलती हो जाती थी, जैसे एड्रेस या नाम में सुधार, तो इसके लिए अप्रूवल का लंबा इंतजार करना पड़ता था। लेकिन अब टैक्सपेयर्स अपने रजिस्ट्रेशन डिटेल्स में खुद ही बदलाव कर सकेंगे।

4. रजिस्ट्रेशन कैंसिल करना हुआ आसान

कई बार बिजनेस बंद होने या किसी अन्य कारण से लोग अपना जीएसटी रजिस्ट्रेश कैंसिल करवाना चाहते हैं।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

मेष – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृष – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा।

कर्क – लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे।

सिंह– दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा।

कन्या – विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानियां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

तुला – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

धनु – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

मकर – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। लेदेकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

कुंभ – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मीन – जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

9 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

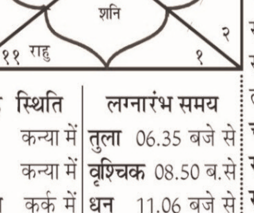

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.35 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	08.50 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.06 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.11 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.58 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.30 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.01 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.41 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.39 बजे से
		कर्क	23.53 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	सिंह	02.09 बजे से
		कन्या	04.21 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 282 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 21.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 21.20 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 23.21 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 09.54 बजे तदनन्तर शकुनि 21.36 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 24.9 घण्टे

रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 11'

सूर्य दक्षिणायन

कलि अहर्गण 1872857

जूलियन दिन 2461322.5

कलियुग संवत् 5128

कल्पारंभ संवत् 1972949128

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128

वीरनिर्वाण संवत् 2552

हिजरी सन् 1448

महीना रवि उस्सानी **तारीख** 27

विशेष प्राणनाथ प्रगटन महोत्सव।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शुकतीर्थ में विधायक की शिकायत पर एमडीए टीम का छापा: विकास कार्यों की हुई जांच, सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप

विकास कार्यों में धांधली के गंभीर आरोप के बाद हरकत में आया प्रशासन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए आवंटित भारी-भरकम धनराशि के बावजूद धरातल पर मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। विकास कार्यों में कथित अनियमितता, शिथिलता, सरकारी धन के दुरुपयोग और अदूरदर्शी प्लानिंग की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद गुरुवार को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) के उच्चाधिकारियों की टीम ने शुकतीर्थ पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। यह जांच मीरापुर विधायक मिथलेश पाल की ओर से शासन और शुकतीर्थ विकास परिषद को भेजी गई शिकायत के बाद शुरू हुई है। सैकड़ों करोड़ खर्च के बावजूद समस्याएं बरकरार

मीरापुर विधायक मिथलेश पाल के पति व आधिकारिक प्रतिनिधि अमरनाथ पाल ने बताया कि राज्य सरकार तीर्थनगरी के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। लेकिन स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं की शिकायतें आ रही थीं कि बड़े बजट से बने निर्माण कार्य जनता के लिए उपयोगी सिद्ध नहीं हो रहे हैं। अमरनाथ पाल के अनुसार, जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बीती 23 सितंबर को विधायक मिथलेश पाल ने शुकतीर्थ विकास परिषद के अधिकारियों को पत्र भेजकर चल रहे निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी।

एमडीए की टीम ने गंगा घाट से आश्रमों तक खंगाला

शिकायत का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) की एक विशेष टीम शुकतीर्थ पहुंची। विकास कार्यों का

निरीक्षण करने पहुंची एमडीए की टीम में हर्ष चावला (ओएसडी), विनीत कुमार अग्रवाल (अधिशासी अभियंता), संजय कुमार (सहायक अभियंता), उमेष कुमार राय (सुपरवाइजर) शामिल रहे। अधिकारियों की टीम ने मुख्य गंगा घाट के दोनों ओर कराए गए निर्माण कार्यों, सतगुरु समनदास आश्रम के सामने निमार्णाधीन संरचनाओं और शुकदेव आश्रम परिसर में चल रहे प्रोजेक्ट्स का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित ठेकेदारों व कार्यदायी संस्थाओं से जानकारी जुटाई।

लाखों का कथा हॉल बना गोदाम, स्क्रीन और शौचालय बदहाल

निरीक्षण के दौरान मीरापुर विधायक प्रतिनिधि अमरनाथ पाल ने विकास कार्यों की जमीनी हकीकत उजागर करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। गंगा घाट पर श्रद्धालुओं के लिए लाखों रुपये की लागत से बनाया गया भव्य कथा हॉल ठेकेदार द्वारा गोदाम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जहां लोहे के सरिए और भारी सामान ठूंसकर रखा गया है। वहीं निर्मित कैंटीन, शौचालय और रसोई जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुके हैं। घाट पर लगाई गई लाखों की विशाल डिजिटल स्क्रीन बंद पड़ी है और सफेद हाथी साबित हो रही है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों और ठोस प्लानिंग का पूरी तरह अभाव है।

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

एमडीए की जांच टीम के अधिकारियों ने बताया कि मौके पर सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, गति और उपयोगिता का जायजा लिया गया है। क्षेत्र में जल निकासी, स्वच्छता और क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति को भी रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मीरापुर में धूमधाम से हुआ रामलीला मंचन का शुभारंभ

मीरापुर। श्रीराम लीला समिति रजिस्टर्ड मीरापुर के तत्वावधान में बुधवार रात को श्रीराम लीला भवन में रामलीला मंचन का शुभारंभ विधि-विधान के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जानसठ के पूर्व चेयरमैन परविंदर भड़ाना ने फीता काटकर किया। शुभारंभ से पूर्व अनिरुद्ध शास्त्री द्वारा हवन-पूजन एवं मंत्रोच्चार कराया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने विधिवत रूप से रामलीला मंचन का उद्घाटन किया। श्रीराम लीला समिति के अध्यक्ष दीपक गोयल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन सरधना के दुर्गा मंडल के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रामलीला का आयोजन प्रतिदिन श्रद्धा एवं भव्यता के साथ किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में कस्बे के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर रामलीला का

आनंद लिया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी रोहित माहेश्वरी, गौरव भटनागर, दीपक गोयल, अनिरुद्ध गोयल, सिद्धार्थ राजवंशी, अनिरुद्ध शारदा, वेद प्रकाश आर्य, अंकित, देवेंद्र, सुभाष, सुभाष चैधरी, कुटकुट वरदान, मनोज मिश्रा, विवेक वर्मा, पंकज खत्री, रविंद्र, विकास गोयल, अमित मित्तल, बृजभूषण अग्रवाल, जितेंद्र सैनी, विजेंद्र माहेश्वरी, हरपाल, अंकुर सैनी, राघव वशिष्ठ, अंकुर मिश्रा, मनोज मदन एवं आशीष चैधरी सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में कस्बे के पत्रकार भी उपस्थित रहे। रामलीला के शुभारंभ को लेकर कस्बेवासियों में उत्साह का माहौल रहा।

मीरापुर विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान हाउस अरेस्ट

मीरापुर। 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित ह्यवोट चोरीह्व के विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में गुरूवार को समाजवादी पार्टी मीरापुर के विधानसभा अध्यक्ष सादिक चैहान को पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट किया गया है। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के उद्देश्य से पुलिस ने सादिक चैहान को उनके घर पर नजरबंद किया है। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और लोकतंत्र की हत्या बताया।

कार्यकताओं का कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को संविधान ने दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के इशारे पर विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं को प्रदर्शन में जाने से रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अदालत की लगातार अनदेखी बीएसए संदीप कुमार को पड़ी भारी, गैर-जमानती वारंट जारी

छह साल पुराने हत्या के प्रयास के मुकदमे में दो आरोपितों की उम्र का विवाद बना कार्रवाई का आधार

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में वर्ष 2020 में महिला के घर में घुसकर मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में चल रही न्यायिक प्रक्रिया के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) संदीप कुमार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अदालत में लगातार उपस्थित नहीं होने पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने बीएसए के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए हैं। अदालत ने नगर क्षेत्राधिकारी सिद्धार्थ के. मिश्रा को बीएसए संदीप कुमार को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को न्यायालय में पेश करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं। बीएसए को इस मामले में दो आरोपितों की उम्र से जुड़े शैक्षिक अभिलेख, स्थानांतरण प्रमाणपत्र और गवाही के संबंध में न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना था। मामला केवल एक तारीख पर अदालत में पेश नहीं होने तक सीमित नहीं है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, बीएसए को इससे पहले भी न्यायालय की ओर से नोटिस जारी कर निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। 18 सितंबर को पेश होने के आदेश के बावजूद वह अदालत में उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद गुरुवार को हुई सुनवाई में भी उनकी उपस्थिति अपेक्षित थी, लेकिन वह फिर न्यायालय में पेश नहीं हुए। लगातार अनुपस्थिति के बाद अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया।

2020 में महिला के घर में घुसकर मारपीट और हत्या के प्रयास का आरोप सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि वर्ष 2020 में नई मंडी क्षेत्र के एक मोहल्ले में महिला के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट करने और हत्या का प्रयास किए जाने की घटना हुई थी। मामले में महिला पक्ष की ओर से नई मंडी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे में मोनू, कृष्णपाल, सत्यम, बंटू समेत छह आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई

थी। मुकदमे की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ने के दौरान छह आरोपितों में से दो आरोपितों के स्वजन की ओर से दावा किया गया कि घटना के समय दोनों की उम्र नाबालिग थी। इस दावे के बाद मामले में आरोपितों की उम्र निर्धारित करने का सवाल महत्वपूर्ण हो गया। दोनों आरोपितों को घटना के समय नाबालिग माना जाए या नहीं, इसे लेकर वादी पक्ष की ओर से किशोर न्यायालय में कार्यवाही शुरू की गई। उम्र से संबंधित दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर इस विवाद का निस्तारण किया जाना है। बताया गया कि इस मुद्दे को लेकर पिछले करीब छह वर्षों से न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। ऐसे मामलों में आरोपित की वास्तविक उम्र निर्धारित करने के लिए शैक्षिक अभिलेख महत्वपूर्ण साक्ष्य माने जाते हैं। इसी क्रम में दोनों आरोपितों के विद्यालयी रिकॉर्ड सामने लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। जांच और न्यायालय की कार्यवाही के दौरान यह जानकारी सामने आई कि दोनों आरोपित नई मंडी क्षेत्र के गुलशन विहार स्थित प्रेरणा जूनियर हाईस्कूल में पढ़ते थे। दोनों आरोपितों की उम्र से संबंधित स्थिति स्पष्ट करने के लिए विद्यालय से उनके स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) उपलब्ध कराने के साथ-साथ संबंधित अधिकारी अथवा विद्यालय के प्रधानाचार्य की गवाही की आवश्यकता सामने आई। इसके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को न्यायालय में उपस्थित होकर दोनों आरोपितों से संबंधित अभिलेख उपलब्ध कराने और गवाही देने के लिए बुलाया गया था। हालांकि, प्रधानाचार्य न्यायालय में उपस्थित नहीं हो सके। इसके बाद मामले में आगे की प्रक्रिया के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की भूमिका सामने आई। बीएसए को विद्यालय से संबंधित अभिलेखों की प्रक्रिया में सहयोग करने के साथ-साथ टीसी और गवाही के संबंध में न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना था।

रामलीला में श्रवण कुमार का सजीव चित्रण, दर्शक हुए भावविभोर

मीरापुर। पुराना बाजार स्थित श्रीरामलीला मंडल मीरापुर में चल रही श्री रामलीला के दौरान बुधवार रात श्रवण कुमार प्रसंग का भावपूर्ण एवं सजीव मंचन किया गया। कलाकारों ने महाराजा दशरथ और श्रवण कुमार की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

श्रीरामलीला मंडल के अध्यक्ष पंकज संगल ने बताया कि मंचन के दौरान दिखाया गया कि महाराजा दशरथ शिकार के लिए जंगल में गए थे। इस दौरान उन्होंने शब्दभेदी बाण चलाया, जो भूलवश श्रवण कुमार को जा

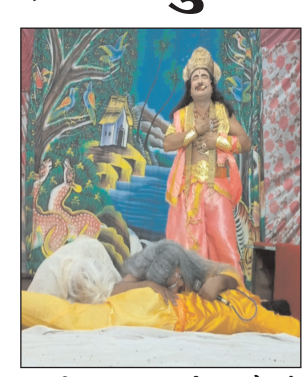

लगा जिस कारण उनकी मृत्यु हो गई। श्रवण कुमार की मृत्यु के बाद उनके माता-पिता ने पुत्र वियोग में महाराजा दशरथ को श्राप दिया कि जिस प्रकार वे पुत्र वियोग में प्राण त्याग रहे हैं, उसी प्रकार उन्हें भी पुत्र वियोग सहना पड़ेगा। इसके बाद महाराजा दशरथ द्वारा ऋषियों के मार्गदर्शन में यज्ञ कराया गया, जिसके फलस्वरूप भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों का जन्म हुआ। श्रवण कुमार प्रसंग के सजीव चित्रण को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर घनश्याम दास अग्रवाल, निशांत माहेश्वरी, पुनीत रस्तौगी, गौरव वत्स, अतुल अग्रवाल, मानिक सिंगल, गगन अग्रवाल, मोहनलाल सिंगल, तेजपाल वर्मा आदि कमैटी के सदस्य मौजूद रहे।

11 दिन बाद दर्ज हुआ मुकदमा: तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर

26 सितंबर की सुबह रामपुर तिराहे से पहले नारायणपुरम गेट के सामने हुआ हादसा, महिला समेत कई सवारियां घायल; गंभीर महिला का पंचकुला में उपचार जारी, 7 अक्टूबर को छपार थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में रामपुर तिराहे से पहले नारायणपुरम गेट के सामने तेज रफ्तार कार द्वारा ई-रिक्शा में पीछे से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने घटना के 11 दिन बाद मुकदमा दर्ज किया है। हादसा 26 सितंबर 2026 की सुबह करीब 9:15 बजे हुआ था। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया था। हादसे में ई-रिक्शा में सवार महिला समेत कई लोग घायल हुए थे। गंभीर रूप से घायल महिला का हरियाणा के पंचकुला स्थित अस्पताल में उपचार चल रहा है।

छपार थाने में दी गई तहरीर के अनुसार ग्राम दतियाना निवासी धर्मेन्द्र कुमार के रिश्तेदार रविन्द्र कुमार पुत्र रघुवीर सिंह और उनकी पत्नी रेखा निवासी ग्राम मांछकी, थाना मंडावर, जिला बिजनौर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दतियाना आए थे। कार्यक्रम के बाद 26 सितंबर को दोनों पति-पत्नी ई-रिक्शा संख्या यूपी12 सीटी 3653 से मुजफ्फरनगर बस स्टैंड जाने के लिए निकले थे। तहरीर के मुताबिक सुबह करीब 9:15 बजे ई-रिक्शा रामपुर तिराहे से पहले नारायणपुरम गेट के सामने पहुंचा। इसी दौरान पीछे से आई कार संख्या डीएल 1 सीआर 8050 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा में सवार रेखा समेत अन्य सवारियां घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल रेखा का उपचार एल्केमिस्ट अस्पताल, सेक्टर-21, पंचकुला, हरियाणा में चल रहा है। उनकी गंभीर हालत के कारण वह घटना के संबंध में थाने पहुंचकर सूचना देने में असमर्थ हैं। इसी वजह से उनके रिश्तेदार धर्मेन्द्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। धर्मेन्द्र कुमार ने 7 अक्टूबर 2026 को थाना छपार पहुंचकर लिखित तहरीर दी। तहरीर में कार संख्या डीएल 1 सीआर 8050 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। थाना प्रभारी के आदेश पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के बाद फरार हुए कार चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

11 दिन बाद थाने पहुंची तहरीर

इस मामले में हादसा 26 सितंबर को हुआ था, जबकि पुलिस को लिखित सूचना 7 अक्टूबर को दी गई। इस तरह घटना के करीब 11 दिन बाद मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस अब दुर्घटना की परिस्थितियों, वाहन और चालक से संबंधित तथ्यों की जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी।

चकरोड कब्जे की शिकायत बनी मुसीबत

पीड़ित ने लगाया मारपीट-लूट और जान से मारने की धमकी का आरोप

मुजफ्फरनगर। सरकारी चकरोडों पर कथित कब्जे की शिकायत करना गांव शेरपुर निवासी हमीदुल्लाह के लिए परेशानी का सबब बन गया। गुरुवार को मीडिया सेंटर पर प्रेस वार्ता कर पीड़ित हमीदुल्लाह पुत्र याहिया ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों को शिकायत देने के बाद उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर उसे खेत में घेरकर बुरी तरह पीटा गया, जेब से दस हजार रुपये निकाल लिए गए और जरूरी दस्तावेज भी जबरन ले लिए गए। इतना ही नहीं, पीड़ित ने खुद और अपने बच्चों की जान को खतरा बताते हुए जान से मारने तथा अपहरण की धमकी देने का भी आरोप लगाया। पीड़ित ने शासन-प्रशासन से मामले की जांच कराकर इंसाफ की गुहार लगाई है। पीड़ित हमीदुल्लाह ने आरोप लगाया कि गांव शेरपुर, तहसील सदर क्षेत्र में उसके खेतों के आसपास राजस्व अभिलेखों में

खसरा संख्या 924, 936, 835 और 842 चकरोड के रूप में दर्ज हैं। आरोप है कि कागजों में चकरोड दर्ज होने के बावजूद मौके पर रास्ते गायब हैं और इन सरकारी जमीनों पर अलग-अलग लोगों ने कथित रूप से कब्जा कर रखा है। पीड़ित का आरोप है कि खसरा संख्या 924 पर जाकिर व जाबिर पुत्रगण शमशाद तथा उस्मान पुत्र शराफत ने पॉपुलर के पेड़ लगा रखे हैं। वहीं खसरा संख्या 835 पर गन्ने की फसल बोए जाने का आरोप लगाया गया है। खसरा संख्या 936 पर अनीस पुत्र आजम, हसन पुत्र लियाकत तथा फुरकान और इरफान पुत्रगण हसन द्वारा दीवार खड़ी कर कब्जा किए जाने का दावा किया गया। वहीं पीड़ित ने तत्कालीन हलका लेखपाल भूपेन्द्र सिंह और ग्राम प्रधान शुऐब पर सरकारी चकरोड पर कब्जे में मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शिकायत के बावजूद सरकारी भूमि को कब्जामुक्त नहीं कराया गया। आरोप है कि गत 30 सितंबर को सरकारी चकरोड को कब्जा मुक्त कराने के लिए शिकायत की थी बावजूद इसके अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई। आरोप है कि शिकायत करने के बाद 26 अक्टूबर 2025 को दोपहर करीब तीन बजे वह अपने खेत पर था जहां जाकिर, जाबिर, उस्मान, अनीस, हसन, फुरकान, इरफान सहित लेखपाल भूपेन्द्र और ग्राम प्रधान शुऐब पहुंचे और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने का दावा किया है। आरोप है कि विरोध करने पर गाली गलौच मारपीट करने और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने सोशल मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से जान माल की सुरक्षा गुहार लगाई लगाते हुए दोषियों के विरुद्ध शख्त कार्यवाही करवाए जाने की माग की।

मुजफ्फरनगर पुलिस को मिला नया कप्तान, सूरज कुमार राय ने संभाली जिले की कमान

2018 बैच के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी के हाथों में अब मुजफ्फरनगर की पुलिस व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर रहेगा विशेष जोर

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस में हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बाद मुजफ्फरनगर को नया पुलिस कप्तान मिल गया है। बागपत के पुलिस अधीक्षक रहे आईपीएस सूरज कुमार राय को मुजफ्फरनगर का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। शासन के आदेश के बाद उन्होंने गुरुवार को जिले में पहुंचकर पुलिस कप्तान का कार्यभार संभाल लिया। उनके साथ जिले की पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनुभवी और युवा आईपीएस अधिकारियों की टीम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सूरज कुमार राय 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले सूरज राय ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर भारतीय पुलिस सेवा में प्रवेश किया। पुलिस सेवा के दौरान वह मेरठ में सहायक पुलिस अधीक्षक और सहारनपुर में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके बाद उन्होंने बागपत के पुलिस अधीक्षक के रूप में भी उल्लेखनीय कार्य किया।

मुजफ्फरनगर की कमान संभालने से पहले ही सूरज कुमार राय ने स्पष्ट किया

था कि जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत रखना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। माना जा रहा है कि जिले में अपराधियों पर शिकंजा कसने, लंबित मामलों की समीक्षा करने, पुलिस की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने तथा आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर नए कप्तान का विशेष जोर रहेगा। मुजफ्फरनगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश का संवेदनशील और महत्वपूर्ण जिला माना जाता है। यहां कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सांप्रदायिक सौहार्द, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता हमेशा पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती रहती है। ऐसे में नए कप्तान के सामने इन सभी मोर्चों पर बेहतर पुलिसिंग देने की चुनौती होगी। नए कप्तान की तैनाती के साथ ही निवर्तमान एसएसपी संजय कुमार का भी तबादला कर दिया गया है। उन्हें प्रयागराज स्थित चौथी वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। संजय कुमार ने मुजफ्फरनगर में करीब 16 माह तक पुलिस कप्तान की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पुलिस कार्रवाई और अपराध के खुलासे हुए। अब जिले की पुलिस व्यवस्था की कमान सूरज कुमार राय के हाथों में आने के बाद पुलिस विभाग में नई कार्यशैली और नई रणनीति देखने को मिलने की उम्मीद है। नए पुलिस कप्तान के नेतृत्व में जिले में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों में अमृत जैन और अक्षय संजय महाडीक की टीम भी कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

रामपुरी-शाहबुद्दीनपुर-मिमलाना रोड पर नाला और एसटीपी के लिए 24.96 करोड़ की योजना स्वीकृत

जल निकासी की बड़ी समस्या से मिलेगी राहत, रुड़की रोड से शाहबुद्दीनपुर होते हुए मिमलाना तक बनेगा नाला, एसटीपी प्लांट के निर्माण पर खर्च होंगे 8.46 करोड़

मुजफ्फरनगर। शहर और आसपास के क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की ओर से तैयार की गई करीब 24.96 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को स्वीकृति मिली है। नवयुग पालिका योजना के तहत रुड़की रोड से शाहबुद्दीनपुर होते हुए ग्राम मिमलाना तक जल निकासी के लिए नाला निर्माण और एसटीपी प्लांट का निर्माण कराया जाएगा। योजना पूरी होने के बाद इस क्षेत्र में जलभराव और गंदे पानी की निकासी की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ओर से उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-9 को भेजे गए पत्र में योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई कार्ययोजना की कुल अनुमानित लागत 2496.15 लाख रुपये यानी करीब

24.96 करोड़ रुपये है। इसमें जीएसटी भी शामिल है।

रुड़की रोड से मिमलाना तक बनेगा नाला

योजना के तहत रुड़की रोड से शाहबुद्दीनपुर होते हुए ग्राम मिमलाना तक जल निकासी के लिए नाला निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए एसटीपी प्लांट का निर्माण भी किया जाएगा।

नगर पालिका के अनुसार क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से यह परियोजना तैयार की गई है। नाला निर्माण से बारिश और अन्य स्रोतों से निकलने वाले पानी की निकासी को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

8.46 करोड़ से बनेगा एसटीपी प्लांट

कुल परियोजना लागत में 846.90 लाख रुपये यानी करीब 8.46 करोड़ रुपये एसटीपी प्लांट के निर्माण के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस राशि को अनटाइड ग्रांट के अंतर्गत स्वीकृत किया जाना है।

वहीं, नाला समेत अन्य निर्माण कार्यों के लिए 1649.25 लाख रुपये यानी करीब 16.49 करोड़ रुपये की धनराशि नवयुग पालिका योजना के अंतर्गत प्रस्तावित की गई है। इस तरह दोनों कार्यों की कुल लागत 24.96 करोड़ रुपये बैठती है।

जिला स्तरीय समिति ने किया था अनुमोदन

नगर विकास विभाग के 24 मार्च 2026 के शासनादेश के तहत प्रदेश के 58 निकायों में नवयुग पालिका योजना शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं और जीवन स्तर में सुधार करना है। इसी क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय परियोजना चयन समिति की 1 सितंबर 2026 को बैठक हुई थी। बैठक में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर क्षेत्र की इस परियोजना पर विचार किया गया। परीक्षण के बाद 2496.15 लाख रुपये की कार्ययोजना/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अनुमोदित कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के अनुसार योजना को स्वीकृति मिल चुकी है। परियोजना के धरातल पर आने के बाद रुड़की रोड, शाहबुद्दीनपुर और मिमलाना रोड से जुड़े क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नाला निर्माण के साथ एसटीपी प्लांट बनने से पानी के व्यवस्थित निस्तारण की व्यवस्था भी विकसित होगी। नगर पालिका की ओर से शासन को भेजे गए प्रस्ताव में 16.49 करोड़ रुपये की धनराशि नवयुग पालिका योजना के तहत स्वीकृत एवं आवंटित किए जाने का अनुरोध किया गया था, जबकि एसटीपी के लिए 8.46 करोड़ रुपये की धनराशि अनटाइड ग्रांट से प्रस्तावित की गई है। परियोजना की कुल लागत जीएसटी समेत 24.96 करोड़ रुपये है।

खतौली में लखनऊ प्रदर्शन से पहले पुलिस का पहरा: आप नेता कुलदीप तोमर नजरबंद, पार्टी बोली—लोकतंत्र पर हमला'

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 9 अक्टूबर को प्रस्तावित आम आदमी पार्टी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा 9 अक्टूबर को लखनऊ में प्रस्तावित विशाल प्रदर्शन से ठीक एक दिन पहले पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया है। प्रदर्शन को निष्फल करने की प्रशासनिक कवायद के तहत खतौली में 'आप' के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर को उनके शिवपुरी कॉलोनी स्थित आवास पर नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया है। अचानक हुई इस कार्रवाई से स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में भारी रोष व्याप्त है।

पुलिस का सख्त पहरा, घर से निकलने पर पाबंदी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर 9 अक्टूबर को लखनऊ में राज्यस्तरीय प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। इसके लिए खतौली सहित मुजफ्फरनगर जिलेभर से कार्यकताओं की रवानगी की तैयारियां चल रही थीं। बुधवार की सुबह उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम ने खतौली स्थित कुलदीप तोमर के आवास को घेर लिया और उन्हें घर के भीतर ही रहने के निर्देश दिए। हालांकि, इस पूरी कार्रवाई पर पुलिस या स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान या औपचारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था का हो रहा दमन: तोमर

आवास पर नजरबंद किए जाने के बाद वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल अपनी

विफलताओं और चुनावी धांधलियों को छिपाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। लोकतंत्र में हर नागरिक और राजनीतिक दल को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को उठाने और विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार है। विपक्षी नेताओं को इस तरह पुलिस के बल पर घरों में कैद करना सीधे तौर पर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। सरकार चाहे जितनी पुलिस लगा ले, लेकिन जनता और 'आप' के कार्यकर्ता अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करते रहेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के

इस्तीफे पर अड़ी 'आप'

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों, वोटिंग प्रक्रिया पर उठते सवालों और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर मोर्चा खोल रखा है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में पार्टी ने निष्पक्ष चुनाव कराने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के तुरंत त्यागपत्र की मांग, चुनाव आयुक्तों की चयन समिति में देश के मुख्य न्यायाधीश को दोबारा शामिल करने तथा मतदाता सूचियों में से मनमाने तरीके से काटे गए नामों की जांच और प्रक्रिया में शत-प्रतिशत पारदर्शिता करने की मांग की गई है।

विरोध दर्ज कराएगी आप

पार्टी के प्रांतीय नेताओं का दावा है कि कार्यकताओं की धरपकड़ के बावजूद 9 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदेशभर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता जुटेंगे और अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराएंगे।

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का काला दिवस, ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग

अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, एसआईआर के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जाने का लगाया आरोप

मुजफ्फरनगर। भारतीय लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा के मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने गुरुवार को अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष काला दिवस मनाते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। यह प्रदर्शन कांग्रेस की ओर से देशभर में चलाए जा रहे विरोध कार्यक्रमों की कड़ी में किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सवाल उठाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर 8 अक्टूबर को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। मुजफ्फरनगर में कार्यक्रम का आयोजन पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिक कुरैशी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं किसान चिंतक कमल मित्तल तथा पूर्व शहर अध्यक्ष महफूज राना के संयोजन एवं नेतृत्व में किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष एकत्र होकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के

समर्थन में नारेबाजी की। कार्यकताओं ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी द्वारा चुनाव प्रक्रिया और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के वोट की समान अहमियत है और मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान होना चाहिए। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर को सौंपा। ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाने की मांग की गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, जिससे लोगों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने की मांग की।

कांग्रेस का यह आरोप राजनीतिक रूप से विवादित है। चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की ओर से एसआईआर को मतदाता सूची को शुद्ध करने और अपात्र, मृत अथवा दोहरे नामों जैसी प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया बताया गया है, जबकि विपक्षी दल इसके तरीके और प्रभाव को लेकर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है।

मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी साइड, पीछा कर सड़क पर रोका; जमकर हुई बहस

पुरकाजी के लक्सर रोड का बताया जा रहा वायरल वीडियो, ट्रैक्टर पर लगा था किसान संगठन का झंडा; खनन से जुड़े वाहनों के सड़क पर संचालन को लेकर फिर उठे सवाल

मुजफ्फरनगर। जिले में मिट्टी खनन से जुड़े ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कूकड़ा क्षेत्र में नायब तहसीलदार की गाड़ी रोककर कथित बदसलूकी का मामला अभी चर्चा में ही था कि अब पुरकाजी क्षेत्र में मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक सवारों के बीच विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो को पुरकाजी क्षेत्र के लक्सर रोड का बताया जा रहा है। वीडियो में सड़क पर मिट्टी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी दिखाई दे रही है और उसके पास कुछ लोग आपस में बहस करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि विवाद ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा बाइक सवारों को साइड लगने के बाद शुरू हुआ।

साइड लगने के बाद शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लक्सर रोड से गुजर रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर की बाइक सवारों को साइड लग गई। बाइक सवारों ने इसका विरोध किया। आरोप है कि इसी दौरान ट्रैक्टर चालक और बाइक सवारों के बीच कहासुनी हो गई और गाली-गलौज तक की नौबत आ गई।

विवाद बढ़ने के बाद बाइक सवारों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा शुरू कर दिया। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद बाइक सवारों ने अपनी बाइक आगे लगाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोक लिया।

सड़क पर काफी देर तक होती रही बहस

ट्रैक्टर रुकने के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। सड़क पर काफी देर तक कहासुनी और बहस होती रही। इसी दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया।

वीडियो में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। वीडियो वायरल होने के बाद मामले को लेकर तरह-तरह की चचाएं

शुरू हो गई हैं।

ट्रैक्टर पर लगा किसान संगठन का झंडा बना चर्चा का विषय

विवाद में सबसे ज्यादा चर्चा ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लगे किसान संगठन के झंडे को लेकर हो रही है। वायरल वीडियो में ट्रैक्टर पर झंडा दिखाई दे रहा है, जिसके कारण सोशल मीडिया पर ट्रैक्टर के किसी किसान संगठन से जुड़े होने को लेकर दावे किए जा रहे हैं।

हालांकि, केवल वायरल वीडियो के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रैक्टर वास्तव में किसी किसान संगठन से जुड़ा है अथवा वाहन पर झंडा लगाने वाले व्यक्ति का उस संगठन से कोई आधिकारिक संबंध है। इसलिए इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

नायब तहसीलदार की गाड़ी रोकने के बाद दूसरा मामला

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में कूकड़ा क्षेत्र में नायब तहसीलदार की गाड़ी रोककर कथित खनन से जुड़े लोगों द्वारा बदसलूकी किए जाने का मामला सामने आया था। उस घटना के बाद मिट्टी खनन में लगे वाहनों के संचालन और उनसे जुड़े विवादों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी चर्चा तेज हुई थी। अब पुरकाजी क्षेत्र में मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक सवारों के विवाद का वीडियो सामने आने से एक बार फिर खनन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के सड़क पर संचालन और उनके व्यवहार को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

वायरल वीडियो की वास्तविकता की जांच जरूरी

फिलहाल वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम को लेकर किसी पक्ष की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वीडियो में विवाद की शुरूआत किस बात से हुई और किस पक्ष की गलती थी, यह भी स्पष्ट नहीं है। मामले में पुलिस अथवा प्रशासन की ओर से जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर चचाओं का दौर जारी है और लोगों की नजर इस बात पर है कि पुलिस-प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

खतौली में कांग्रेस का प्रदर्शन: एसडीएम को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, सीईसी के इस्तीफे की मांग

'संविधान बचाओ अभियान' के तहत खतौली तहसील में किया प्रदर्शन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। देश में संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने आक्रामक रुख अपना लिया है। 'संविधान बचाओ अभियान' के तहत बुधवार को तहसील परिसर पहुंचे कांग्रेस कार्यकताओं ने जबरदस्त विरोध दर्ज कराया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी (एसडीएम) ललित कुमार मिश्रा को सौंपा। तहसील परिसर में एकत्रित हुए कांग्रेसी

ज्ञापन सौंपने से पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष योगेश खारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए। इस दौरान कार्यकताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए

लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाए रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और देश के महान मनीषियों द्वारा गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया था। संविधान के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या इसकी मूल भावना को आघात पहुंचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है।

चुनाव आयोग पर धांधली का आरोप

ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के संरक्षण में चुनाव प्रक्रिया में भारी धांधली और अनियमितताएं की गई हैं। कार्यकताओं ने इस गड़बड़ी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार मानते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग उठाई।

रोहाना चीनी मिल में किसानों का प्रदर्शन: भाकियू नेताओं व मिल जीएम की वार्ता, बकाया गन्ना भुगतान की रखी मांग

मिल प्रबंधक के समक्ष भाकियू ने उठाई किसानों की समस्याएं

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने रोहाना कलां स्थित आईपीएल चीनी मिल में गन्ना किसानों को आ रही व्यावहारिक और आर्थिक समस्याओं को लेकर हुंकार भरी है। युवा ब्लॉक अध्यक्ष अंकित मलिक के नेतृत्व में भाकियू के एक प्रतिनिधिमंडल ने चीनी मिल के महाप्रबंधक (जीएम) लोकेश कुमार से मुलाकात की और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए त्वरित समाधान की मांग की।

गन्ने का बकाया भुगतान और ब्याज देने पर अड़े किसान

चीनी मिल महाप्रबंधक के साथ हुई मुलाकात के दौरान भाकियू नेताओं ने गन्ने के समयबद्ध भुगतान का मुद्दा काफी मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि समय पर भुगतान न मिलने के कारण किसानों को गंभीर आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है। किसानों को उनकी फसल का भुगतान समय पर मिलना उनका

संवैधानिक अधिकार है। भुगतान में देरी से किसानों का बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है। भाकियू की स्पष्ट मांग है कि गन्ने का बकाया भुगतान अविलंब किया जाए और विलंब की अवधि का नियमानुसार ब्याज भी किसानों को दिया जाए।

जाम से निजात, पेयजल और स्वच्छता की मांग

भाकियू ने मिल परिसर में पेराई सत्र के दौरान लगने वाले यातायात जाम और अव्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। भाकियू नेताओं ने मांग की कि ट्रैक्टर लाइन की नियमित सफाई कराई जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि किसानों को घंटों लंबे जाम का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, मिल परिसर में किसानों के लिए स्वच्छ शौचालय, शीतल पेयजल और आरओ वाटर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

जीएम ने दिया त्वरित कार्रवाई का आश्वासन

चीनी मिल के जीएम लोकेश कुमार ने किसानों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि मिल परिसर में पेयजल, स्वच्छता और ट्रैफिक व्यवस्था को जल्द सुधार लिया जाएगा। साथ ही बकाया भुगतान के संबंध में भी नियमानुसार आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया।वार्ता के दौरान ये प्रमुख किसान रहे मौजूदवार्ता के दौरान भाकियू युवा ब्लॉक अध्यक्ष अंकित मलिक के साथ मनोज चौधरी, योगेश मलिक, बॉबी त्यागी, बृजपाल ठाकुर साहब, संदीप चौधरी, दुष्यंत शेरावत और रईन त्यागी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

खतौली में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम :एनएसएस के विद्यार्थियों ने कविताओं से दिया स्वस्थ्य का संदेश

श्री कुंद-कुंद जैन पीजी कॉलेज में चला 'सेवा संकल्प अभियान'

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री कुंद-कुंद जैन पीजी कॉलेज खतौली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और समाज को नशे के घातक प्रभावों से दूर रहने का संदेश दिया।

कविताओं के माध्यम से नशे से दूर रहने का आह्वान

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की छात्राओं मंतशा, कशिश, ईशिका उपाध्याय, राशि अनेजा, वंशिका एवं ईशिका ने नशा विरोधी सारगर्भित कविताओं की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा न केवल व्यक्ति को शारीरिक रूप से खोखला करता है, बल्कि उसके

पूरे परिवार और भविष्य को भी अंधकारमय बना देता है। छात्राओं ने सभी से स्वस्थ और अनुशासित जीवन शैली अपनाने का संकल्प लेने की अपील की।

सामाजिक व आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विद्यार्थियों ने नशे के आदतों और इसके प्रभावों से जुड़े कई सवाल पूछे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करते हुए बताया कि नशा किस तरह व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को तबाह कर देता है। उन्होंने युवाओं से किसी भी तरह के कुसंग और नशे के प्रलोभन से दूर रहने का आग्रह किया। वहीं प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि युवा ही देश का असली भविष्य और उसकी ऊर्जा हैं। आज के युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से बचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। विद्यार्थियों को खुद भी स्वस्थ जीवन शैली अपनानी चाहिए और समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने के लिए आगे आना चाहिए।

शिक्षकगण एवं गणमान्य लोग रहे मौजूद

इस जागरूकता अभियान के दौरान कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य रूप से प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. विपिन कुमार बंसल, इंजी. आशीष जैन, डॉ. संजीव कुमार, इंजी. राहुल माहेश्वरी, निखिल चौहान, डॉ. पारुल शर्मा, श्रीमती एकता राजपूत और सचिन कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एम.जी. पब्लिक स्कूल में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम

भारत विकास परिषद संकल्प ने मेधावी विद्यार्थियों और समर्पित शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद, मुजफ्फरनगर संकल्प की ओर से गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10 और 11 के पांच मेधावी विद्यार्थियों तथा दो समर्पित शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों और योगदान की सराहना की गई। एम.जी. पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने बताया कि गुरूवार को विद्यालय प्रांगण में छात्र एवं शिक्षिकाओं को उत्साहवर्धन के लिए भारत विकास परिषद्, संकल्प के द्वारा इस सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहा। भारत विकास परिषद की महिला सहभागिता संयोजिका निधि जैन ने संस्कृत विषय की शिक्षिका मोनिका खेड़ा और हिंदी विषय की शिक्षिका नीरज जैन को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। भारत विकास परिषद संकल्प के अध्यक्ष

अवनीश गोयल, सचिव अनुज माहेश्वरी और कोषाध्यक्ष अरुण राजवंशी ने पांच मेधावी विद्यार्थियों कक्षा-10 की छात्रा आन्या गर्ग, छात्र हार्दिक त्यागी और मौहम्मद फैसल के साथ ही कक्षा-11 की छात्रा साक्षी एवं नन्दिनी चौधरी को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की गई। प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व और भविष्य को दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है।

विद्यार्थियों की सफलता में उनके परिश्रम के साथ शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस तरह का कोई भी सम्मान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और शिक्षकों के समर्पण को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उनके द्वारा विद्यालय परिवार की ओर से भारत विकास परिषद संकल्प के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। इस सम्मान कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में गुरुजनों के प्रति सम्मान और बेहतर प्रदर्शन के लिए नई प्रेरणा का संचार किया।

एक्सपायरी दवाइयों पर नए रैपर लगाकर बेचने का खेल पकड़ा, 154 शीशी कफ सिरप समेत दो गिरफ्तार

नई मंडी पुलिस की कार्रवाई में 63 कूटरचित रैपर बरामद; पुरानी दवाओं पर नई एक्सपायरी और कीमत अंकित कर खाड़ी देशों में भेजने का पुलिस का दावा

मुजफ्फरनगर। एक्सपायरी हो चुकी दवाइयों पर नए रैपर लगाकर उन्हें नई दवा के रूप में बेचने के कथित खेल का नई मंडी पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 154 शीशी 100 एमएल ओएमडायल कफ सिरप, 63 कूटरचित रैपर और दो खाली शीट बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी पुरानी और एक्सपायरी दवाओं के रैपर बदलकर उन पर नई एक्सपायरी तारीख और नया मूल्य अंकित करते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ में यह भी सामने आया कि तैयार की गई दवाइयों को खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले लोगों को ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। हालांकि, इस संबंध में सामने आए दावों की विस्तृत जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

होटल के सामने खाली प्लॉट में पकड़े गए आरोपी

नई मंडी पुलिस के अनुसार 7 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि होटल रोज इन के सामने खाली पड़े प्लॉट में दो व्यक्ति एक्सपायरी दवाइयों के रैपर बदलकर उन्हें नई दवा के रूप में तैयार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 100 एमएल की 154 शीशी ओएमडायल कफ सिरप बरामद हुई। इसके अलावा चार शीटों पर लगे कुल 63 रैपर और दो खाली शीट भी मिलीं।

पुरानी दवा पर नई एक्सपायरी और कीमत लगाने का आरोप

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पुरानी

अथवा एक्सपायरी दवाओं के रैपर बदलते थे। इसके बाद उन पर नई एक्सपायरी तारीख और नया मूल्य अंकित कर दवाओं को दोबारा बिक्री के लिए तैयार किया जाता था। इस तरह पुरानी दवा को नई दवा के रूप में बेचकर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किए जाने का आरोप है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और दवाइयों की आपूर्ति कहां-कहां की जाती थी। पुलिस की पूछताछ के अनुसार आरोपियों ने बताया कि वे तैयार की गई कफ सिरप को सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, ईरान और कुवैत जाने वाले लोगों को बेचते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में दावा किया कि खाड़ी देशों में कुछ दवाओं पर प्रतिबंध के कारण इस कफ सिरप की मांग रहती है और वहां रहने वाले लोग इसे नशे के लिए इस्तेमाल करते हैं। आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि एक शीशी वहां करीब 90 से 100 रियाल तक में खरीदी जाती है। इसी मांग का फायदा उठाकर वे दवा को ऊंचे दामों पर बेचकर कई गुना मुनाफा कमाते थे। पुलिस इन दावों की भी जांच कर रही है कि बरामद दवाइयां कहां से लाई गई थीं और उन्हें किन माध्यमों से खाड़ी देशों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शादाब पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी मदीना कॉलोनी, थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर और सुहैल पुत्र फरहत निवासी मल्हूपुरा, थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर के रूप में की है। दोनों के खिलाफ थाना नई मंडी में मुकदमा अपराध संख्या 469/2026, धारा 318(4), 338, 336(3) और 340(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाती हैं ये चीजें

खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे अधितर लोग परेशान रहते हैं। कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला फैट है, जो हार्मोन के उत्पादन और झिल्ली के कामकाज के लिए आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है अच्छा और खराब। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल है, जो शरीर के लिए जरूरी है लेकिन खराब कोलेस्ट्रॉल शरीर को नुकसान ही करेगा। जब अच्छे कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो शरीर इसे खाने-पीने की अच्छी चीजों की मदद से बनाता है। लेकिन जब खराब कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो खाने-पीने की कुछ गलत आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से क्या होता है? आपको यह बात होनी चाहिए कि खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल से बचने के उपायों की बात करें, तो रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं। आज हम आपको कुछ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली पीले रंग की चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका आपको कम सेवन करना चाहिए या फिर नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड

आजकल बहुत से लोग डीप फ्राई फूड खाना पसंद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग चिकन, समोसा, कचौरी, आलो टिक्की जैसी डीप फ्राई चीजों का खूब सेवन किया जाता है। जाहिर है इन चीजों में तेल का अधिक इस्तेमाल किया जाता है जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है।

घी और मक्खन

घी या मक्खन के बिना भारतीय खाना अधूरा है। मक्खन, देसी घी, पनीर, पाम ऑयल और नारियल के तेल जैसी चीजों में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है और इनका सेवन कम किया जाना चाहिए। खाना पकाने के लिए जैतून का तेल, चावल की भूसी का तेल, मूंगफली का तेल, सूरजमुखी का तेल और अन्य वनस्पति तेल का उपयोग करें।

जलेबी जैसी मिठाई

भारतीय मिठाइयों में चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जलेबी, छेना मिठाई, गुलाब जामुन और कई अन्य गहरी तली हुई मिठाइयों में तेल और चीनी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। जाहिर है यह दोनों चीजें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करती हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे की जर्दी में किसी भी भोजन का सबसे अधिक कोलेस्ट्रॉल 1234 एमजी प्रति 100 ग्राम या दैनिक मूल्य का 411% होता है। एक अंडे की जर्दी 210 एमजी कोलेस्ट्रॉल प्रदान करेगी, जबकि पूरा अंडे केवल 212 एमजी प्रदान करता है। इस प्रकार अंडे में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जर्दी में पाया जाता है।

फास्ट फूड

फास्ट फूड, कोलेस्ट्रॉल से भरे होते हैं। पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राई जैसी चीजों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है। इन चीजों को बनाने के लिए तेल, मक्खन, और चीज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता हिया जिसमें कोलेस्ट्रॉल अधिक पाया जाता है।

दिमाग तेज करने वाली 4 मिनट की रेसिपी

ब्राह्मी, मंडूकपर्णी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा, ज्योतिषमति, जटामांसी भी कारगर

याददाश्त कम होना और धीरे-धीरे निर्णय लेना दिमाग की कमजोरी के लक्षण हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ यह दिक्कत आना स्वाभाविक है, जिसकी गंभीरता को कम करने के लिए कुछ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां काफी प्रभावशाली होती हैं। आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री तत्व में कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सक ने दिमाग तेज करने वाली एक 4 मिनट की रेसिपी भी शेयर की है।

उम्र बढ़ने पर दिमाग की रक्त वाहिकाएं संकुचन और अकड़न से प्रभावित होती हैं। इसकी वजह से ब्लड फ्लो घट जाता है और रक्त वाहिकाओं में ब्लॉकेज का खतरा होता है। इसके अलावा, व्हाइट मैटर लेसन, स्ट्रोक का अधिक खतरा और दिमाग को धीमा ऑक्सीजन पहुंचना भी शुरू हो जाता है। यह सारी स्थितियां याददाश्त और कॉग्नीटिव फंक्शन को प्रभावित करती हैं। इसकी वजह से डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी बीमारी होती है। दिमाग की बायोलॉजिकल एजिंग को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन वक्त से पहले आने से बचाया जा सकता है।

दिमागी कमजोरी का कारण

40 की उम्र के बाद दिमागी कमजोरी के लक्षण साफ दिखने लगते हैं। इनके पीछे वात का असंतुलन होता है। यह एनर्जी स्पेस और एथर से बनी होती है, जो पूरे नर्वस सिस्टम को रेगुलेट करती है। मानसिक तनाव, इंसोम्निया, ओवरथिंकिंग और कमजोर नर्वस सिस्टम का मतलब है कि आपको पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है।

ब्रेन के लिए जरूरी 3 न्यूट्रिएंट्स

एंटीऑक्सीडेंट्स - एंटीऑक्सीडेंट्स दिमाग को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाते हैं। यह डैमेज उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता जाता है और कॉग्निटिव डिक्लाइन का कारण बनता है। पालक, गाजर, टमाटर, कद्दू, सफेद पेठा जैसी सब्जियों के साथ ब्लूबेरी, आंवला, स्ट्रॉबेरी जैसे फूड्स इस पोषक तत्व से भरपूर होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी से दिमाग में सेलुलर डिटेरियोरेशन तेजी से होती है और अल्जाइवर व डिमेंशिया का खतरा होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड - यह ब्रेन सेल्स मेंब्रेन के स्ट्रक्चर और फ्लेक्सिबिलिटी को मेंटेन रखने के लिए आवश्यक है। पर्याप्त ओमेगा-3 ना लेने से न्यूरल कम्युनिकेशन कमजोर पड़ जाता है, याददाश्त खोने लगती है और फोकस करने में दिक्कत आने लगती है। अलसी के बीज, अखरोट, चिया सीड्स, बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियों को इनका बेस्ट प्लांट सोर्स माना जाता है।

विटामिन बी - खासतौर से, विटामिन बी1, बी6 और बी12 नर्वस सिस्टम को सीधा मदद पहुंचाते हैं और ये न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन में अहम रोल निभाते हैं। इनकी कमी को नर्व डीजनेरेशन, खराब याददाश्त और न्यूरोलॉजिकल कंडीशन से जोड़ा जाता है। साबुत अनाज, बीन्स, फलियां, सूरजमुखी के बीज, मटर और एस्पैरेगस इनका अच्छा सोर्स हैं।

तेज दिमाग के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां

इन तीन पोषक तत्वों के अलावा आयुर्वेद में कुछ जड़ी बूटियों को दिमागी स्वास्थ्य बढ़ाने वाला माना जाता है और इन्हें मेध्य रसायन कहा जाता है। वयस्कों को इन्हें रेगुलर रुटीन में जोड़ लेना चाहिए।

ब्राह्मी- दिमाग और नर्वस सिस्टम के लिए ब्राह्मी बेस्ट हर्ब है। यह दिमाग के लेफ्ट और राइट हेमिस्फेयर को बैलेंस करने के साथ पीनियल ग्लैंड को डीकैल्सिफाई करती है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने और ब्रेन सेल्स के एक दूसरे के साथ कनेक्शन बनाने में मदद करती है। इससे याददाश्त तेज होती है, सोचने की क्षमता बढ़ती है, न्यूरल रीजनेरेशन को सपोर्ट मिलता है और अल्जाइमर से जुड़े प्लाक का बिल्ड अप होने से बचाव होता है। ब्राह्मी नर्वस सिस्टम से टॉक्सिन और ब्लॉकेज हटाने में मदद रकती है।

मंडूकपर्णी - मंडूकपर्णी न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन को सुधारकर दिमाग को फायदा पहुंचाती है। यह एंग्जायटी और मेंटल स्ट्रेस घटाने में असरदार देखी जाती है। इससे नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज करने में सपोर्ट मिलती है, जिससे मेंटल अलर्टनेस और कॉग्निटिव फंक्शन बढ़ता है।

शंखपुष्पी - शंखपुष्पी भारत में काफी लोकप्रिय है। यह मेमोरी, फोकस और लर्निंग सुधारने का काम करती है। यह मानसिक थकान, तनाव और डिप्रेशन से बचाती है और सिरदर्द से राहत देकर स्लीप और भूख के प्रोसेस को हेल्दी रखती है।

अश्वगंधा - अश्वगंधा से कोर्टिसोल घटता है और शरीर तनाव को अच्छी तरह झेल पाता है। यह मेंटल एग्जॉशन को दूर रखने, न्यूरोन को बचाने और कॉग्निटिव एंड्युरेंस को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें लॉन्जिविटी बढ़ाने वाली प्रोपर्टीज भी मानी जाती हैं।

ज्योतिषमति - ज्योतिषमति मेंटल क्लीयरिटी लाती है और बौद्धिक शक्ति बढ़ाती है। यह नर्वस सिस्टम को सपोर्ट करने के साथ, लिवर और दिल का फंक्शन बढ़ाती है। याद करने और सोचने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

जटामांसी - जटामांसी जड़ी बूटी को नर्वाइन टॉनिक कहा जाता है, क्योंकि इसका जटामांसोन

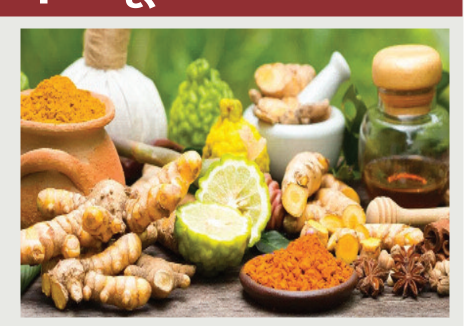

कंपाउंड नर्वस सिस्टम को शांत करने के साथ दिमाग में GABA का लेवल बढ़ाता है। इससे एंग्जायटी और डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलती है, अच्छी नींद आती है और न्यूरोडीजनेरेशन से बचाव होता है।

तेज दिमाग के लिए 4 मिनट की रेसिपी

मुट्ठीभर ब्लूबेरी, एक पका केला, एक कप बादाम का दूध या नारियल पानी, एक मुट्ठी पालक, एक चम्मच अखरोट या अलसी के बीज, एक चुटकी हल्दी और शहद की कुछ बूंदें एक गिलास में डालकर मिलाएं और सेवन करें। यह एक अकेला गिलास एंटीऑक्सीडेंट्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फोलेट और एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड्स साथ में देगा। 4 मिनट वाली यह रेसिपी दिमाग की सारी पौष्टिक जरूरतों को पूरा कर देगी। ध्यान रखें दिमाग एक रात में ना कमजोर होता है और ना ही एक रात में स्वस्थ बनता है। धीरे-धीरे वक्त के साथ छोटे-छोटे बदलावों से हालात बदलते हैं। यहां बताई गई जड़ी बूटी और रेसिपी को सप्लीमेंट्स की तरह ना समझें, बल्कि इसे अपने रुटीन और डाइट का हिस्सा बनाएं। रोजाना ताजा, घर का पका, सात्विक खाना खाएं और अस्वस्थ आदतों से दूर रहें।

हार्ट अटैक-कैंसर से बचाने वाला मसाला है सौंफ

सौंफ का इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। काफी लोग इसे खाने के बाद माउथ फ्रेशनर की तरह भी खाते हैं। लेकिन क्या सौंफ का रोल सिर्फ इतना ही है? बिल्कुल नहीं। सौंफ का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। सौंफ के अंदर कई सारे गुण होते हैं, जो पाचन के बाद खून में घुलकर अलग-अलग काम करते हैं। विभिन्न रिसर्च के मुताबिक, इस मसाले से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है। आइए इसके पीछे की पूरी प्रक्रिया जानते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद है सौंफ

सौंफ के अंदर फाइबर होता है, जिसे कई रिसर्च में दिल के लिए लाभदायक पाया गया है। रिसर्च के अनुसार हाई फाइबर डाइट को दिल की बीमारी का खतरा कम करने वाला पाया गया है।

कई तरह के कैंसर से बचाव

Anethole सौंफ का मुख्य कंपाउंड है, जिसमें कैंसर से लड़ने वाले गुण देखे गए हैं। एक टेस्ट ट्यूब स्टडी में इस कंपाउंड को ब्रेस्ट कैंसर की सेल्स के विकास को रोकने में मददगार पाया गया है। जिस वजह से इस मसाले को कैंसर के बचाव में महत्वपूर्ण माना गया है।

वेट लॉस में आ सकती है काम

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो खाने में सौंफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि, यह मसाला भूख को दबाने का काम करता है। जिससे आप कैलोरी इनटेक कंट्रोल कर पाते हैं। आप सौंफ की चाय का सेवन भी कर सकते हैं।

मिलते हैं कई सारे न्यूट्रिएंट

सौंफ के अंदर सिर्फ फाइबर और प्लांट कंपाउंड ही मौजूद नहीं है। बल्कि यह अन्य जरूरी विटामिन और मिनरल्स की सप्लाई भी करती है। इसके सेवन से विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज आदि पा सकते हैं।

ये फायदे भी कर लें याद

- बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाव
- इंफ्लामेशन से बचाव
- मेंटल हेल्थ के लिए बढ़िया
- मेनोपॉजल सिंप्टम्स से राहत

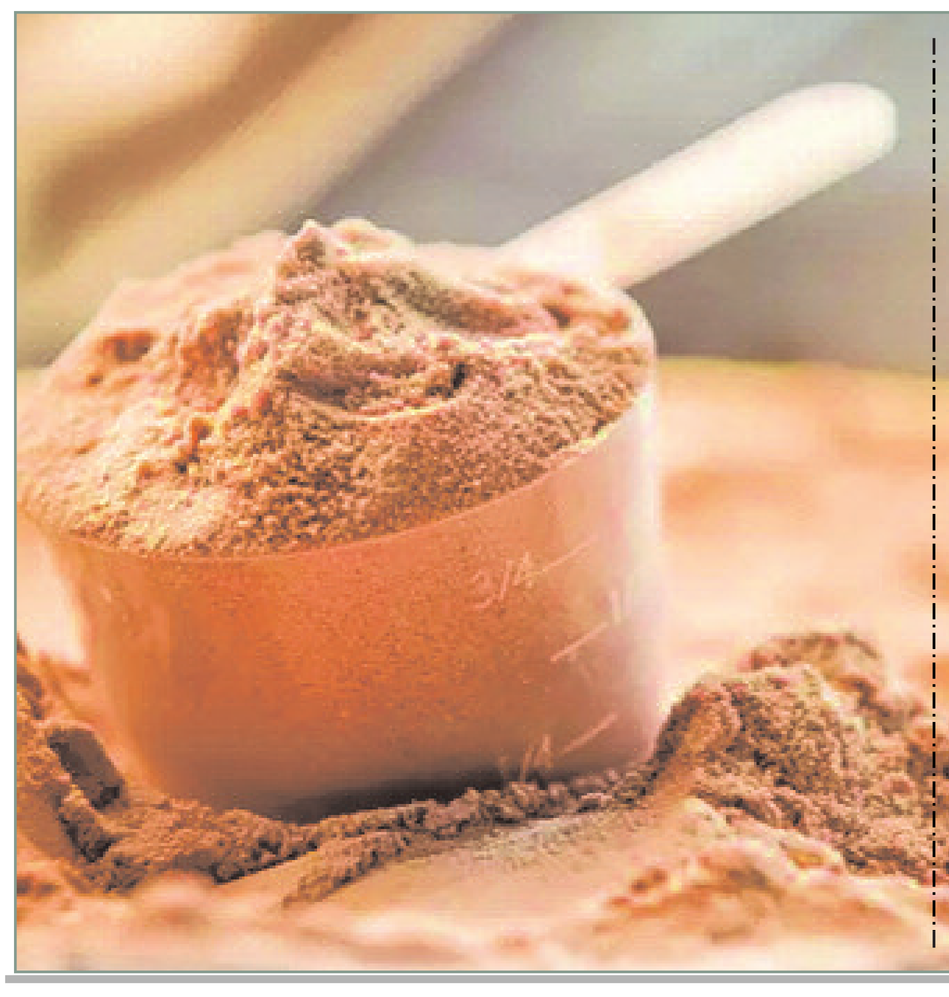

आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है प्रोटीन पाउडर

प्रोटीन मसल्स के लिए बहुत जरूरी होता है। यह मैक्रो न्यूट्रिएंट कई अमिनो एसिड से मिलकर बनता है, जो मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है। इसलिए सभी एक्सपर्ट हर दिन डाइट में प्रोटीन फूड शामिल करने की सलाह देते हैं। बॉडी बिल्डिंग या जिम जाने वाले लोगों को प्रोटीन की अधिक जरूरत होती है। इसे पूरा करने के लिए वो प्रोटीन पाउडर का सहारा लेते हैं। यह सप्लीमेंट फिटनेस गोल को पाने में मदद करता है और जरूरी मात्रा प्रदान करता है। लेकिन क्या यह आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

गैस, पेट फूलना, क्रैम्प

इन पाउडर को बनाने में डेयरी या प्लांट बेस्ड प्रोटीन का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों का पाचन तंत्र इन्हें पचाने में काफी मुश्किलों का सामना करता है। जिसकी वजह से गैस, पेट फूलना और पेट में क्रैम्प की दिक्कत हो सकती है।

गट बैक्टीरिया में असंतुलन

कई प्रोटीन पाउडर के अंदर आर्टिफिशियल स्वीटनर, फ्लेवर और कलर होते हैं, जो गट हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हैं। ये चीजें पेट में मौजूद हेल्दी गट बैक्टीरिया को असंतुलित कर सकती हैं और पाचन को खराब कर सकती हैं।

बढ़ा सकती हैं ब्लड शुगर

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए खूब सारी शुगर का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सेवन इंसुलिन को तेजी से बढ़ाता है और वजन बढ़ाता है। इससे डायबिटीज का जोखिम बढ़ सकता है।

हो सकते हैं जहरीले पदार्थ

डॉ. ने क्लीन लेवल प्रोजेक्ट की हालिया रिसर्च का हवाला देते हुए बताया कि कुछ प्रोटीन पाउडर में लेड, आर्सेनिक और कीटनाशक जैसे टॉक्सिक प्रॉडक्ट हो सकते हैं, जो आपके पेट को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में वैश्य समाज ने निकाला शांतिपूर्ण पैदल मार्च, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम

नोएडा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में गुरुवार को नोएडा में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज के आह्वान पर शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च का नेतृत्व अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता ने किया। मार्च डीएम चौक, सेक्टर-27 से शुरू होकर सेक्टर-19 स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचा। यहां प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग रखी गई। मार्च में व्यापारी समाज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान के लिए व्यापारी और सर्व समाज एकजुट : विकास जैन- उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि आज का पैदल मार्च किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के विरोध का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और संवैधानिक प्रक्रिया में विश्वास व्यक्त करने का शांतिपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने कहा, 'भारत का लोकतंत्र हमारी सबसे बड़ी ताकत है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विश्वसनीय मतदाता सूची तथा मजबूत संवैधानिक संस्थाएं आवश्यक हैं। आज उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भावना राष्ट्रपति जी तक पहुंचाई है।'

विकास जैन ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र) को लेकर देश में राजनीतिक बहस चल रही है। लोकतंत्र में अलग-अलग विचार और असहमति स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था अथवा पदाधिकारी के संबंध में निष्कर्ष तथ्यों, कानून और निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

पैदल मार्च का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात : मूलचंद गुप्ता- अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री मूलचंद गुप्ता ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के समर्थन में आयोजित इस शांतिपूर्ण पैदल मार्च का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आज व्यापारी समाज और सर्व समाज ने शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी भावना व्यक्त की है। हमारा उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना है।'

श्री गुप्ता ने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने मतदाता विवरण की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से उसका समाधान कराएं।

मनोज गुप्ता ने कहा— असहमति लोकतंत्र का हिस्सा, संवैधानिक मर्यादा जरूरी- मनोज गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर स्वस्थ बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना भी सभी की जिम्मेदारी है।

जय भगवान गोयल ने कहा—निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद- वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दिल्ली से कार्यक्रम में पहुंचे जय भगवान गोयल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है। उन्होंने मतदाता सूची की शुचिता और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा को लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता बताया।

सत्यनारायण गोयल ने नागरिक जागरूकता को बताया जरूरी: प्रमुख समाजसेवी सत्यनारायण गोयल ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नागरिकों से अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने और मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की समय-समय पर जांच करने की अपील की।

नोएडा एयरपोर्ट से एयर टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एयर टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी है। साथ ही, आपातकालीन एयर एंबुलेंस सेवा भी शुरू होगी। इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) और उबिफ्लाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (द ईप्लेन कंपनी) के बीच गुरुवार को एमओयू हुआ।

उबिफ्लाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (द ईप्लेन कंपनी) एयर टैक्सी के संचालन के लिए बुनियादी ढांचा और सुरक्षा नियम और संचालन व्यवस्था तैयार करेगी। कंपनी अपने ई200एक्स इलेक्ट्रिक विमान का इस्तेमाल करेगी। यह विमान हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उड़ान भरने और उतरने में सक्षम है। एमओयू के तहत नोएडा एयरपोर्ट परिसर में परीक्षण के लिए जगह, एयर टैक्सी के उतरने-उड़ने के लिए वर्टिपोर्ट और चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे। इसके लिए नोएडा एयरपोर्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) में आवश्यक बदलाव करेगा। साथ ही कंपनी विमान के परीक्षण और जरूरी मंजूरियां हासिल करने पर काम करेगी। इसके लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और अन्य संबंधित एजेंसियों से अनुमति ली जाएगी।

कंपनी के अनुसार पहले ड्रोन के जरिए परिचालन व्यवस्था का परीक्षण किया जाएगा और इसके बाद पायलट वाले ई-200एक्स विमान की उड़ानों की योजना है। हाल ही में ई200एक्स इलेक्ट्रिक विमान के पूर्ण आकार वाले पीटी-01 प्रोटोटाइप को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया था। फिलहाल इसके ग्राउंड टेस्ट चल रहे हैं। कंपनी के संस्थापक और निदेशक डॉ. सत्यनारायण चक्रवर्ती ने कहा कि इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी को जमीन पर उतारने के लिए केवल विमान बनाना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर, नियामकीय ढांचे और परिचालन प्रक्रियाओं का समानांतर विकास भी जरूरी है। नोएडा एयरपोर्ट के साथ यह समझौता ड्रोन ट्रायल के जरिए परिचालन मॉडल को व्यवस्थित तरीके से परखने और इसके बाद पायलट वाले विमानों की उड़ानों की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में व्यापारी समाज का पैदल मार्च

गौतम बुद्ध नगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में तथा उनके संबंध में सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित किए जा रहे भ्रामक एवं तथ्यहीन प्रचार के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई द्वारा आज 8 अक्टूबर 2026 को पैदल मार्च निकाला गया।

व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं व्यापारी डीएम कैंप कार्यालय, सेक्टर-27, नोएडा से पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय, सेक्टर-19, नोएडा पहुंचे। वहां महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के नाम एसडीएम महोदय को ज्ञापन सौंपकर मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार जी के प्रति व्यापारी समाज का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि कुछ तत्वों द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से श्री ज्ञानेश कुमार जी के विरुद्ध भ्रम एवं अविश्वास उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारी समाज ऐसे भ्रामक, तथ्यहीन एवं निराधार प्रचार का स्पष्ट एवं पुरजोर विरोध करता है।

व्यापार मंडल ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर का व्यापारी समाज श्री ज्ञानेश कुमार जी के कार्य एवं कार्यशैली के प्रति विश्वास रखता है तथा उनके कर्तव्यनिष्ठ, निष्पक्ष एवं संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति सम्मान व्यक्त करता है। व्यापारी समाज लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को सर्वोच्च मानता है और किसी भी प्रकार के तथ्यहीन दुष्प्रचार को स्वीकार नहीं करेगा।

भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग: व्यापारी समाज ने अपने ज्ञापन के माध्यम से श्री ज्ञानेश कुमार जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की मांग भी की। व्यापार मंडल ने कहा कि राष्ट्र की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था के प्रति उनकी सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और योगदान को देखते हुए उनके नाम पर भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान के लिए विचार किया जाना चाहिए।

चेयरमैन श्री नरेश कुच्छल ने कहा: लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और गरिमा से जुड़ी है। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार जी के विरुद्ध फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का व्यापारी समाज पुरजोर विरोध करता है। हम उनके प्रति अपना पूर्ण विश्वास और समर्थन व्यक्त करते हैं। उनके योगदान को देखते हुए व्यापारी समाज उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की भी मांग करता है।

वोट चोरी के खिलाफ नोएडा कांग्रेस का जोरदार पैदल मार्च, सेक्टर-19 में मनाया गया काला दिवस

नोएडा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा तथा कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन के समर्थन में यूपी काँग्रेस अध्यक्ष श्रीमती अराधना मिश्रा मोना जी के निर्देशानुसार महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में सेक्टर-19 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला और दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ हुए कथित पुलिस दुर्व्यवहार के विरोध में इसे काला दिवस के रूप में मनाया, पैदल मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए,कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र बचाओ,संविधान बचाओ और वोट की रक्षा करो जैसे नारों के साथ केंद्र सरकार एवं दिल्ली पुलिस के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया,महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के सांसद एवं विपक्षी दल लोकतांत्रिक तरीके से दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे थे,कांग्रेस का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी,श्रीमती प्रियंका गांधी जी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा धक्कामुक्की और बल प्रयोग किया गया,कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है,यदि देश में मतदाता सूची और वोट की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो सरकार को विपक्ष की आवाज दबाने के बजाय उन सवालों का जवाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी,प्रियंका गांधी जी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया,वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। लोकतंत्र,संविधान और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष लगातार जारी रहेगा,नोएडा में काला दिवस के रूप में निकाला गया यह पैदल मार्च केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प है,उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के वोट की ताकत और उसके अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं करेगी,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि देश का लोकतंत्र मजबूत तभी रहेगा,जब प्रत्येक नागरिक के वोट का सम्मान और उसकी निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाना चाहिए,न कि पुलिस बल के माध्यम से,उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार और धक्कामुक्की ने देशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश पैदा किया है,नोएडा का आज का प्रदर्शन उसी आक्रोश की लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति है।पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता राहुल गांधी जी के नेतृत्व में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ा है। वोट की चोरी के खिलाफ आवाज बुलंद होती रहेगी और जनता के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगी,वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर ने कमेटी कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आदरणीय अराधना मिश्रा मोना जी के निर्देश पर आज सेक्टर-19 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकालकर दिल्ली में हुए घटनाक्रम के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है,उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जनता के मुद्दों को उठाती रही है,दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पुलिस द्वारा किया गया कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

मुकेश यादव ने कहा कि नोएडा कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी के नेतृत्व में लोकतंत्र की रक्षा की इस लड़ाई में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। जब तक मतदाता के वोट की पारदर्शिता और उसके अधिकारों को लेकर उठ रहे सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा,उन्होंने कहा कि आज का पैदल मार्च नोएडा की जनता को यह संदेश देने के लिए भी है कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए सदैव संघर्ष करती रहेगी।कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर, उत्तर प्रदेश सचिव पुरुषोतम नागर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा,वरिष्ठ नेता चरण सिंह यादव,प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा,पूर्व अध्यक्ष शहाबुदीन,उपाध्यक्ष ललित अवाना,प्रवक्ता पवन शर्मा,महानगर उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी,महासचिव दयाशंकर पांडेय,महासचिव रामकुमार शर्मा,महासचिव विक्रम सेठी,ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पांडेय, महिला नेत्री मधुराज,महिला नेत्री डॉ सीमा,यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष जावेद खान,महिला नेत्री शिवानी पंवार,ज्योति पाल,सुल्तान बिधुड़ी,वरिष्ठ अशोक कुमार पांडेय,मुकेश मिश्रा, गौरव गोगना,दीपक शर्मा,ललित कुमार,बंधु तिरपाधि,मनोज तिवारी,राहुल पांडेय,जगपाल चौहान,दिनेश सिंह,वीरेन्द्र सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष वसीम खान,कैप्टन पीएस रावत,सुरेंद्र सिंह रावत,अरुण प्रधान,सतीश पांचाल,अनिल कुमार,संतोष पांडेय,कर्ण कुमार,कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि वोट जनता की ताकत है और इस ताकत की रक्षा करना कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है,समस्त काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

रामलीला मैदान में पुतले,पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य अंतिम चरण में, भजन गायक गगन राठौड़ करेंगे जेन-जी को आकर्षित

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि रामलीला मैदान, सेक्टर -62 में आयोजित होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव 2026 की तैयारियां अब अंतिम चरण में है। 70 फीट के रावण, 65 फीट के कुंभकरण व 60 फीट के मेघनाद के पुतले बनाने का कार्य भी अंतिम चरण में है।पुतले बनाने के कार्य में लोनी के एक दर्जन कलाकार दिन-रात लगे हैं।वहीं पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है।इस बार 120 फीट लंबा,40 फीट चौड़ा व 6 फीट ऊंचा स्टेज बन रहा है। इसके ऊपर 18 फीट ऊंची स्टेज की दूसरी मंजिल भी बन रही है। दो मंजिला स्टेज बन रहा है।स्टेज के पीछे कलाकारों के लिये 90 फीट लंबा व 30 फीट चौड़ा पंडाल बन रहा है। डॉ?शर्मा ने बताया कि इस बार श्रीरामलीला मंचन में फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों सहित कई अनुभवी कलाकार प्रमुख किरदारों की भूमिका में होंगे।रामलीला मंचन मुरादाबाद की लीला मंडली श्री जानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकारों द्वारा की जायेगी।दर्शकों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जा रही है।रामलीला स्थल पर एक सौ सुरक्षा गार्ड,दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे,मेडिकल एम्बुलेंस,अग्निशमन यंत्रों सहित सभी प्रकार की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थायें की जा रही हैं।बच्चों व दर्शकों के मनोरंजन के लिये कई प्रकार के झूले व खेल तमाशों की व्यवस्था की जा रही है।दर्शकों व श्रद्धालुओं के खान-पान के लिये कई स्टॉल लगाये जा रहे हैं।

समिति के महासचिव डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि युवाओं,जेन-जी और जेन-अल्फा को रामलीला में आकर्षित करने के लिए भजन जैमिंग का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को श्रीराम जन्म के अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक गगन राठौड़ और उनकी टीम के द्वारा भजन जैमिंग का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ने बताया कि रामलीला मंचन 11 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन सायं 07.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक होगा। 11 अक्टूबर को रामलीला महोत्सव का उद्घाटन व मंचन हवन-पूजन के साथ शुरू हो जायेगा।समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 15 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकलेगी,जो सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से शुरू होकर नोएडा शहर के विभिन्न सेक्टरों से होकर सेक्टर-62 रामलीला स्थल पर पहुंचेगी। 20 अक्टूबर को सायं 05.00 बजे विजयदशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा तथा रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। 21 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप व श्रीराम राज्याभिषेक के साथ ही ग्यारह दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव का समापन हो जाएगा।

राहुल-प्रियंका को हिरासत में लेने के विरोध में कांग्रेसियों ने काले कपड़े पहनकर किया प्रदर्शन

नोएडा। जिला कांग्रेस कमेटी, गौतमबुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने गुरुवार को भारतीय लोकतंत्र के लिए 'काला दिवस' मनाया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पर इकट्ठा होकर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला कर रहे थे। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे। इसके साथ ही, नोएडा में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक पैदल मार्च निकाला और सेक्टर-19 में स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और वहां धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह प्रदर्शन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ किया है। बताया जा रहा है कि इन नेताओं को निर्वाचन आयोग से जवाबदेही मांगने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से जंतर-मंतर की तरफ बढ़ने से रोका गया और उन्हें हिरासत में ले लिया गया, जिसके विरोध में यह गुस्सा फूटा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में विरोध की तख्तियां ले रखी थीं। इन तख्तियों के जरिए कार्यकर्ता निर्वाचन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता लाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही तय करने की मांग उठा रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनका यह विरोध केवल किसी एक राजनीतिक दल या किसी खास नेता के साथ हुए बर्ताव तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक जवाबदेही से जुड़ा हुआ एक बड़ा मुद्दा है।

लोकतंत्र की पीड़ा और संवैधानिक अधिकार: प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता यहां सिर्फ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए इकट्ठा नहीं हुए हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की उस गहरी पीड़ा को जाहिर करने आए हैं जो तब पैदा होती है जब लोकतांत्रिक संस्थाओं से सवाल पूछने वाले जनप्रतिनिधियों को पुलिस के बल पर रोक दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि जनता के वोट देने के अधिकार की रक्षा करने और चुनाव की प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करने वाले नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और दूसरे विपक्षी नेताओं को शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ने से रोकना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण कदम है। दीपक भाटी चोटीवाला ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमारा देश का संविधान हर एक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख सके और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जवाबदेही मांग सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली खूबसूरती सत्ता की ताकत दिखाने में नहीं होती, बल्कि असहमति का सम्मान करने में होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारें तो आती-जाती रहती हैं, लेकिन हमारा संविधान, हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं और देश की जनता का मताधिकार हमेशा स्थायी रहने वाले हैं।

मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच की मांग: इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने भी अपनी बात रखी। संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूचियों से जुड़ी गंभीर शिकायतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने मांग की कि मतदाता सूचियों और चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी इन गंभीर शिकायतों की पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अनिल रॉयल
फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन पांच संतों का पावन सान्निध्य, कथा पंडाल में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नोएडा। सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन गुरुवार को श्री रास पंचाध्यायी, गोपी-उद्धव संवाद एवं श्री रुक्मिणी विवाह के भावपूर्ण प्रसंगों ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कथा पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति, ज्ञान एवं सनातन संस्कारों का अमृतपान किया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पांच पूज्य संतों का पावन सान्निध्य रहा। परम पूज्या दीदी माँ ऋतुम्भरा जी, ब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी महाराज जी , श्री ज्ञानानंद जी महाराज , श्रदेय भगवताचार्य वृंदावन श्री नेत्रपाल गुरुजी महाराज जी, श्री सतपाल ब्रह्मचारी महाराज जी सहित संतों के दर्शन, आशीर्वचन एवं दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर श्रद्धालुओं को मिला।

कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, संस्कार, सदाचार एवं सनातन जीवन मूल्यों का संदेश दिया। उन्होंने पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत श्रवण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भक्ति के साथ संस्कारवान एवं सदाचारी जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

इस अवसर पर भव्य श्री रुक्मिणी विवाह उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम के मुख्य अथिति माननीय डॉ. महेश शर्मा सांसद गौतमबुद्ध नगर, माननीय सुरेन्द्र नागर सांसद राज्यसभा,उप मुख्य अथिति डॉ. कृष्ण गोपाल सहकार्यवाह आरएसएस, विशिष्ठ अतिथि श्री जे . के दादू आईएएस पूर्व सचिव भारत सरकार , श्री डी एस चौहान पूर्व डी.जी.पी ,इंजी. श्री रमेश कुमार सहायक निदेशक सुरक्षा विधुत विभाग, रहे। सहित अन्य अतिथियों ने कथा व्यास का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। कथा के उपरांत प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है।

इस अवसर पर सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, सुनीता मित्तल, डॉ. टी.एन. गोविल, प्रताप मेहता, सीए महेश बाबू गुप्ता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, राकेश कत्याल, वी.के. सेठ, विकास अग्रवाल, डॉ. नरेश शर्मा, मनोज बंसल, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सलाम नमस्ते में राष्ट्रीय पोषण माह सम्पन्न

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में मासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान सेहत सही, लाभ कई पहल के अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए स्वस्थ एवं सुपोषित भारत का संदेश दिया। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार, मां और बच्चे का स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा स्वस्थ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता एवं संवाद किया गया। प्रतिभागियों ने पोषण को बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ परिवार के लिए आवश्यक बताते हुए समुदाय में पोषण संबंधी सही जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया।

समापन कार्यक्रम के दौरान नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने कहा कि सही पोषण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। राष्ट्रीय पोषण माह जैसे अभियान

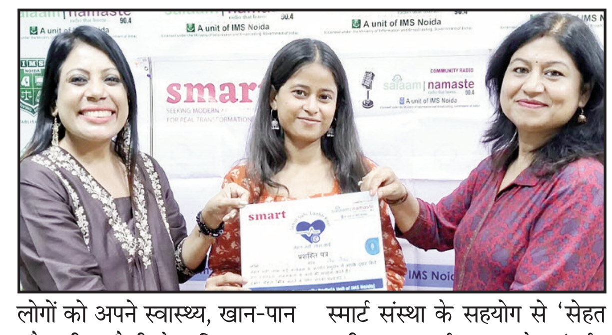

लोगों को अपने स्वास्थ्य, खान-पान और जीवनशैली के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो द्वारा समुदाय को जोड़कर चलाया गया यह प्रयास सराहनीय है। वहीं नोएडा सिटीजन फोरम की सचिव गरिमा त्रिपाठी ने कहा कि पोषण के प्रति जागरूकता केवल एक महीने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। युवाओं और महिलाओं की भागीदारी के साथ सलाम नमस्ते का यह अभियान स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छाबरिया ने कहा कि बताया कि स्मार्ट संस्था के सहयोग से 'सेहत सही, लाभ कई' पहल के अंतर्गत 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 2026 मनाया गया।

इस पहल को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का भी सहयोग प्राप्त है। उन्होंने कहा कि पोषण केवल स्वस्थ भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है। युवाओं, महिलाओं और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से पोषण संबंधी जागरूकता को समुदाय के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सकता है। सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर निरंतर संवाद के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेवर में बाइक टकराने के विवाद में सेना के जवान की नाक काटी, दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर कस्बे में मोटरसाइकिल आपस में टकराने के मामूली विवाद में आधा दर्जन लोगों ने भारतीय सेना के एक जवान के साथ जमकर मारपीट की। इस हमले के दौरान आरोपियों ने जवान की नाक काट दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल जवान को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद गुरुवार को उसे छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित जवान रॉकी तालान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ के रहने वाले हैं। वह भारतीय सेना में तैनात हैं और वर्तमान में उनकी ड्यूटी सियाचिन में चल रही है। इन दिनों वह अपनी ड्यूटी से छुट्टी लेकर घर आए हुए हैं।

बताया जा रहा है कि बुधवार शाम को रॉकी तालान अपनी बाइक पर सवार होकर जेवर कस्बे में किसी काम से आए थे। जब वह कस्बे में आर एंड आर टाउनशिप के पास से गुजर रहे थे, उसी दौरान कुछ युवकों की मोटरसाइकिल उनकी बाइक से टकरा गई। इस टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

आधा दर्जन युवकों ने बोला हमला: कहासुनी के दौरान ही मौके पर आधा दर्जन के करीब लोग इकट्ठा हो गए। आरोप है कि मौके पर पहुंचे इन आधा दर्जन लोगों ने रॉकी तालान के साथ मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट के दौरान ही हमलावरों ने जवान की नाक काट दी, जिससे वह लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल जवान को फौरन इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और स्थिति में सुधार होने पर गुरुवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, दो गिरफ्तार: मामले की जानकारी देते हुए थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तरफ से मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता सर्वोपरि, सामाजिक संस्थाएं राजनीतिकरण से बचें : गौरव सिंघल

नोएडा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और वैश्य समाज के प्रतिनिधि एडवोकेट गौरव सिंघल ने आज नोएडा में जारी एक बयान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में किए गए प्रदर्शन पर गहरा विरोध और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने नोएडा वैश्य समाज की अग्रणी संस्था 'अग्रवाल मित्र मंडल' द्वारा इस राजनीतिक प्रदर्शन को आयोजित करने पर असहमति जताते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं का उपयोग किसी प्रशासनिक या संवैधानिक पद के राजनीतिकरण के लिए नहीं होना चाहिए।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एडवोकेट गौरव सिंघल ने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे वैश्य समाज और हमारे गौरवशाली इतिहास पर अत्यंत गर्व है। 'अग्रवाल मित्र मंडल, नोएडा' जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं हमेशा से समाज सेवा, जनकल्याण और सामाजिक समरसता की प्रतीक रही हैं। लेकिन जब ऐसी अग्रणी संस्थाएं चुनाव आयोग जैसी शीर्ष संवैधानिक संस्था के प्रमुख के समर्थन में सड़कों पर उतरती हैं, तो इससे संस्था की मूल गैर-राजनीतिक और सामाजिक छवि प्रभावित होती है । लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव आयोग को हर प्रकार के प्रभाव, जातिगत गोलबंदी और राजनीतिक झुकाव से पूरी तरह ऊपर होना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त का पद एक उच्च संवैधानिक और तटस्थ जिम्मेदारी का पद है। समाजवादी पार्टी लगातार देश में निष्पक्ष, पारदर्शी और पारदर्शी चुनाव प्रणाली की मांग करती आई है। विपक्षी दल के एक सजग कार्यकर्ता के तौर पर हमारा विरोध किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि संस्थागत निष्पक्षता की रक्षा के लिए है। समाज के नाम पर मुख्य चुनाव आयुक्त के समर्थन में प्रदर्शन किए जाने से आम जनता के बीच संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता को लेकर अनावश्यक सवाल खड़े होते हैं, जो लोकतंत्र के हित में नहीं है।

एडवोकेट गौरव सिंघल ने 'अग्रवाल मित्र मंडल' के सम्मानित पदाधिकारियों, प्रबुद्ध वर्ग और सभी समाज बंधुओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि न्याय, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा ही हमारे समाज के मूल संस्कार हैं। समाज की अग्रणी संस्थाओं को ऐसी गतिविधियों से दूरी बनानी चाहिए जो संवैधानिक मर्यादाओं को अनजाने में कमजोर करती हों। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नोएडा का वैश्य समाज देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने और निष्पक्षता की इस समाजवादी मुहिम में अपना सकारात्मक वैचारिक सहयोग देता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

लोगों से झपटमारी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने बुधवार देर रात सेक्टर-11 तिराहे से झपटमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की बाइक, एक चाकू और 10,500 रुपये बरामद हुए। एडीसीपी अभय मिश्रा ने बताया कि आरोपी की पहचान दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर निवासी विकास उर्फ नोनू के रूप में हुई। उसने लगभग 15 दिन पूर्व अपने साथी के साथ मिलकर सेक्टर-12 में महिला से चेन छीनी थी। पुलिस उसके दो साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एडीसीपी अभय मिश्रा ने बताया कि बुधवार देर रात टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। सूचना के आधार पर सेक्टर-11 वीडियोकॉन तिराहा के पास से एक आरोपी को दबोच लिया।

आरोपी की पहचान दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर निवासी विकास उर्फ नोनू के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान बताया गया कि उसके द्वारा लगभग 15 दिन पूर्व अपने साथी के साथ मिलकर सेक्टर-12 नोएडा से एक महिला से चेन झपटमारी की घटना को अंजाम दिया था। चेन को बेच दिया गया था। उससे मिले रुपयों से आरोपियों द्वारा आपस में बराबर-बराबर बांट लिए थे। इससे विकास के हिस्से में 25 हजार रुपये आये थे। इनमें से कुछ रुपये आरोपी द्वारा खर्च कर दिए थे। शेष बचे 10,500 रुपये बरामद हुए हैं। इससे पहले आरोपी और उसका साथी बाइक चुराते थे। बरामद बाइक कुछ दिन पहले इनके द्वारा नोएडा से चोरी की गई थी। आरोपी के दो साथियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में नौ मुकदमे दर्ज हैं।

ग्रेटर नोएडा में रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जहांगीरपुर कस्बे में बुधवार रात 11 बजे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार बदमाशों ने इमरान (32) पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इमरान जहांगीरपुर में कबाड़ की दुकान चलाता था। परिजनों ने बताया कि वह दवा लेने बाजार गया था, तभी घात लगाए हमलावरों ने उसे गोली मार दी। मृतक का आरोपियों से पुराना विवाद चल रहा था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अनीस, नफीस, आरिफ, चांद, यूनुस और जान मोहम्मद समेत 6 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

मृतक एक मामले में जा चुका था जेल: सूचना पर जेवर पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक इमरान वर्ष 2021 में हत्या के एक मामले में जेल जा चुका था। पुरानी रंजिश में हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजन की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

जाति प्रमाणपत्र न बनने पर पिता अपने बच्चों संग अनशन पर बैठा

ग्रेटर नोएडा। जेवर क्षेत्र के कानीगढ़ी गांव निवासी एक व्यक्ति जाति प्रमाणपत्र न बनने के विरोध में अपने चार बच्चों के साथ चिता अनशन पर बैठ गया। पीड़ित का कहना है कि वह वर्षों से जाति प्रमाणपत्र के लिए सरकारी विभागों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसके बच्चों के जाति प्रमाणपत्र नहीं बन रहे। उन्होंने जिलाधिकारी मेधा रूपम पर भी अत्याचार करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। दरअसल, कानीगढ़ी गांव निवासी सुंदर सिंह अगरिया जाति के हैं। वह मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके चार बच्चे हैं, जिनके अगरिया जाति के प्रमाणपत्र के लिए वह वर्षों से सरकारी विभागों के चक्कर लगा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जाति प्रमाणपत्र का आवेदन का तहसील स्तर से निस्तारण होने के बाद जिला मुख्यालय पहुंच गया था, जहां डीएम ने उनका आवेदन यह कहकर निरस्त कर दिया कि गौतमबुद्ध नगर में इस जाति के लोग निवास नहीं करते हैं। हालांकि उनका कहना है कि उनके पिता, दादा और अन्य पूर्वज यहीं के रहने वाले हैं और उनके भी जाति प्रमाणपत्र बने थे। दावा है कि उन्होंने उनके जाति प्रमाणपत्रों को आवेदन के साथ संगलन भी किया। गुरुवार को जाति प्रमाणपत्र न बनने पर सुंदर अपने चार बच्चों के साथ शमशननगर-पूरननगर गांव में चिता अनशन पर बैठ गए।पीड़ित का कहना है कि आखिर वह कब तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाता रहेगा। परिवार की मांग है कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जाए और जाति प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया पूरी की जाए। पीड़ित ने भावुक होकर यह भी कहा कि अगर उसकी बात नहीं सुनी गई तो उसके सामने अपनी जान देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

बाइक टकराने के विवाद में सेना के जवान पर हमला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर इलाके में बाइक टकराने के विवाद में सेना के एक जवान पर हमला हुआ। आरोप है कि तीन युवकों ने जवान रॉकी तालान के साथ मारपीट की और नुकीली चीज से उनकी नाक पर वार किया, जिससे नाक का अगला हिस्सा कट गया।

आरोपियों ने रॉकी की जांघ पर हथौड़े से भी हमला किया। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अलीगढ़ के बुढ़ाका गांव के रहने वाले रॉकी तालान सेना की पांच जाट बटालियन में सियाचिन ग्लेशियर बेस कैंप में तैनात हैं। वह छुट्टी पर घर आए थे। बुधवार शाम 6 बजे जेवर में आर एंड आर टाउनशिप के पास उनकी बाइक एक युवक की मोटरसाइकिल से टकरा गई थी। इसके बाद कहासुनी हुई और युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर रॉकी पर हमला कर दिया।

भिवाड़ी में गुर्जर महासभा का सम्मान समारोह

नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वावधान में भिवाड़ी स्थित रीजेंसी होटल में राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. रूप सिंह गुर्जर द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी एवं सोहना विधायक तेजपाल तंवर उपस्थित रहे। अध्यक्षता बाबा मोहन राम ट्रस्ट के अध्यक्ष अमर भगत जी ने की।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने गुर्जर समाज की आस्था के केंद्र मिलकपुर काली स्थित बाबा मोहन राम की पवित्र अमर ज्योति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सभी ने आगामी 27 अक्टूबर को पटेल जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली की सफलता की प्रार्थना की।

समारोह में नवनिर्वाचित पार्षदों, उद्यमियों, समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली

हस्तियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने समाज में फिजूलखर्ची, दहेज प्रथा एवं मृत्यु भोज जैसी कुरीतियों पर रोक लगाने की अपील की। उन्होंने शिक्षा और व्यवसाय को बढ़ावा देने, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा राजनीतिक हिस्सेदारी मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही, 27 अक्टूबर को अधिकाधिक संख्या में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम पहुँचने का आह्वान किया। उपस्थित जनसमूह ने बाबा मोहन राम को साक्षी मानकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कमल बिधूड़ी, महेश दायमा, रामकेश चपराना, सुंदर चौधरी, सत्यप्रकाश विकल, नामित भाटी, प्रेम कृष्ण आर्य, अरुण भाटी, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, दीपक भाटी एवं ओमप्रकाश नागर सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सतपाल गुर्जर, किशन नागर,भूरा बिधूड़ी, दयाराम बिधूड़ी, सूबे सिंह पार्षद, भिवाड़ी सभापति डा गुंजन खटाणा, सुभिक्षा गुर्जर, पार्षद बाला नागर,सुनीता गुर्जर एवं अजीत दायमा सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधियों, मातृशक्ति और सम्मानित क्षेत्रवासियों ने भाग लिया।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर बुजुर्ग से 27.50 लाख रुपये ठगे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने निवेश करने पर धन दोगुना करने का झांसा देकर बुजुर्ग से 27 लाख 54 हजार रुपये ठग लिए। व्हाट्सऐप पर संपर्क करने के बाद ठगों ने उन्हें एक लिंक भेजकर मोबाइल ऐप डाउनलोड कराया और उसमें उनका खाता खुलवाया। झांसे में लेकर पीड़ित से निवेश के नाम पर रकम जमा कराई गई। मामले में साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सेक्टर-29 स्थित महावीर अपार्टमेंट निवासी 72 वर्षीय रजनीश त्यागी ने पुलिस को बताया कि वह प्राइवेट कंपनी से सेवानिवृत्त हैं। इसी साल जनवरी में धर्मेंद्र नाम के व्यक्ति ने उनसे व्हाट्सऐप के जरिए बातचीत की शुरुआत की।

उनकी आय के बारे में जानकारी जुटाने के बाद उसने उन्हें एक ट्रेडिंग ग्रुप में शामिल कर दिया। इसके बाद खेमचंद सती और हिमांशु मांगलिक ने उनको निवेश करने कर पर कम समय में डबल मुनाफे की बात कही। साथ ही एक ब्रीक्सएफएक्स नाम की वेबसाइट पर अकाउंट शुरू कराया। पीड़ित को डाउनलोड ऐप पर बढ़ती रकम दिखने की जानकारी दी गई। झांसे में आकर उन्होंने पांच फरवरी 2025 को कुल 27 लाख 54 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। अगले महीने रुपये निकालने के दौरान उन्हें पता चला कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है। पीड़ित ने पुलिस को उस लिंक की जानकारी भी दी है, जिसके जरिए कथित तौर पर उसे ऐप डाउनलोड कराया गया था। पुलिस अब शिकायत में बताए गए लिंक, ऐप पर बनाए गए अकाउंट और रुपये के लेनदेन की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित ने जिन बैंक खातों में रकम भेजी, उनमें जमा रकम को फ्रीज कराने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

भूखंड बेचने के नाम पर पूर्व वायु सैनिक से ठगी

नोएडा। जालसाज ने भूमाफिया के साथ मिलकर आबादी का भूखंड बेचने के नाम पर सेवानिवृत्त वायु सैनिक और उसके साथियों से 35 लाख रुपये ठग लिए। न्यायालय के आदेश पर रबूपुरा पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद के राहुल विहार निवासी अजय कुमार पांडेय ने बताया कि वह वायु सेना से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने रबूपुरा क्षेत्र के नगला चांदन, माजरा करौली बांगर निवासी सौरभ से आबादी का भूखंड खरीदा था। सौरभ ने उन्हें विश्वास दिलाया था कि वह भूखंड का अकेला मालिक है और उस पर कोई विवाद नहीं है। वह भूखंड की चारदीवारी कराकर देगा।

उसकी बातों में आकर उन्होंने अपनी पत्नी, रिटायर्ड सहकर्मी दोस्त की पत्नी और अपनी परिचित दो महिलाओं के नाम चार भूखंड खरीद लिए। चारों भूखंडों की चारदीवारी कराने के नाम पर सौरभ ने बीस लाख रुपये और ले लिए और व्हाट्सऐप फोटो भेजकर चारदीवारी दिखाई। कुछ दिन बाद पीड़ित अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा तो वहां किसी भूखंड की चारदीवारी नहीं थी। आरोप है कि विक्रेता ने भूखंडों को फिर से बेचने के उद्देश्य से चारदीवारी और भूखंडों की निशानदेही नष्ट कर दी। मौके पर मौजूद कुछ लोगों से उन्होंने सौरभ के बारे में जानकारी करनी चाही तो उन लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। वहां से भागकर उन लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। फोन पर संपर्क करने पर आरोपी ने पीड़ित को धमकी दी और कहा कि भूखंड चाहिए तो 60 लाख रुपये और देने पड़ेंगे। पुलिस से मामले की शिकायत की गई। आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में व्यापारी समाज का पैदल मार्च

गौतम बुद्ध नगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में तथा उनके संबंध में सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित किए जा रहे भ्रामक एवं तथ्यहीन प्रचार के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई द्वारा आज 8 अक्टूबर 2026 को पैदल मार्च निकाला गया।

व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं व्यापारी डीएम कैंप कार्यालय, सेक्टर-27, नोएडा से पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय, सेक्टर-19, नोएडा पहुंचे। वहां महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के नाम एसडीएम महोदय को ज्ञापन सौंपकर मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार जी के प्रति व्यापारी समाज का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि कुछ तत्वों द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से श्री ज्ञानेश कुमार जी के विरुद्ध भ्रम एवं अविश्वास उत्पन्न करने

का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारी समाज ऐसे भ्रामक, तथ्यहीन एवं निराधार प्रचार का स्पष्ट एवं पुरजोर विरोध करता है। व्यापार मंडल ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर का व्यापारी समाज श्री ज्ञानेश कुमार जी के कार्य एवं कार्यशैली के प्रति विश्वास रखता है तथा उनके कर्तव्यनिष्ठ, निष्पक्ष एवं संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति सम्मान व्यक्त करता है। व्यापारी समाज लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को सर्वोच्च मानता है और किसी भी प्रकार के तथ्यहीन दुष्प्रचार को स्वीकार नहीं करेगा।

भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग: व्यापारी समाज ने अपने ज्ञापन के माध्यम से श्री ज्ञानेश कुमार जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की मांग भी की। व्यापार मंडल ने कहा कि राष्ट्र की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था के प्रति उनकी सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और योगदान को देखते हुए उनके नाम पर भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान के लिए विचार किया जाना चाहिए।

चेयरमैन श्री नरेश कुच्छल ने कहा— लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और गरिमा से जुड़ी है। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार जी के विरुद्ध फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का व्यापारी समाज पुरजोर विरोध करता है। हम उनके प्रति अपना पूर्ण विश्वास और समर्थन व्यक्त करते हैं। उनके योगदान को देखते हुए व्यापारी समाज उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की भी मांग करता है।

संक्षिप्त समाचार

बारापुला फेज-3 कॉरिडोर पर खत्म होगी जाम की समस्या, सरकार करने जा रही उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी। बारापुला फेज-3 पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने कुछ बड़े बदलाव करने का फैसला किया है। इसके तहत अल्पकालीन और दीर्घकालीन इंतजाम किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, सराय काले खां पर आईटीओ की ओर जाने वाली लेन पर फुटपाथ को खत्म करके सड़क की एक लेन और बनाई जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय ट्रैफिक को राहत देने के लिए पीडब्ल्यूडी रिंग रोड पर गुरुद्वारे के सामने एक यू-टर्न की संभावना तलाशी जा रही है।

बुधवार को दिल्ली सचिवालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि इसको लेकर बीते मंगलवार को पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गई। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि बारापुला फेज-3 पर लगने वाले जाम की समस्या का समाधान केवल सड़क या एलिवेटेड कॉरिडोर में बदलाव करके नहीं होगा। मंत्री ने कहा, बारापुला की मौजूदा समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है, इसकी समीक्षा अपनी जगह है, लेकिन जनता को खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए। प्रवेश वर्मा ने बताया कि इसके लिए कंसलटेंट एजेंसी की नियुक्ति की जाएगी। कंसलटेंट पूरे कॉरिडोर का विस्तृत आकलन करेगा और अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन दोनों स्तरों पर जरूरी सुझाव देगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा, यातायात प्रबंधन, लेन चैनलाइज, मर्जिंग प्वाइंट और अलग-अलग रूट से आने वाले यातायात का डिस्ट्रीब्यूशन भी करना होगा। मंत्री ने बारापुला फेज-3 से जुड़े वित्तीय फैसलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आर्बिट्रेशन के माध्यम से ठेकेदार को लगभग 640 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान किया गया। बारापुला परियोजना में देरी हुई। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि आजकल नई सड़कों को खोदकर वीडियो बनाई जा रही है। नई सड़कों को सेटल होने में समय लगता है। किसी ने नई सड़क को खोदकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया तो पीडब्ल्यूडी उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी।

गुरुग्राम में मेट्रो का 13.6 किमी वाला प्रोजेक्ट हो सकता है रद्द

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से सेक्टर-पांच तक मेट्रो परियोजना के निर्माण की योजना रद्द हो सकती है। हरियाणा मेट्रो रेल ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (एचएमआरटीसी) इस बारे में विचार कर रहा है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में प्रस्तावित एचएमआरटीसी की बैठक में इस परियोजना को लेकर चर्चा की जाएगी।

इस मेट्रो परियोजना की लंबाई करीब 13.6 किमी है। पिछले साल इस मेट्रो परियोजना की डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी राइट्स को सौंपी गई थी। गुरुग्राम के इफको चौक से लेकर ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के बीच में मेट्रो के इस कॉरीडोर का हिस्सा करीब 7.1 किमी आ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आदेश जारी किए हुए हैं कि नमो भारत ट्रेन के ट्रैक पर मेरठ की तर्ज पर मेट्रो संचालन की योजना तैयार की जाए। ऐसे में इफको चौक से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड तक यह मेट्रो मार्ग गुरुग्राम से फरीदाबाद और नोएडा होते हुए ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के बीच में आ रहा है। नमो भारत ट्रेन के इस हिस्से को यदि हटा दिया जाए तो 6.4 किमी का हिस्सा बचता है, जोकि इफको चौक से लेकर शीतला माता रोड होते हुए सेक्टर-पांच तक जाएगा। ऐसे में मेट्रो के इस छोटे मार्ग के निर्माण की योजना को रद्द करने पर विचार किया जा रहा है। बता दें कि इस मेट्रो परियोजना की पूर्व योजना के मुताबिक गोल्फ कोस एक्सटेंशन रोड के समीप सेक्टर-57 स्थित हांगकांग बाजार के समीप से यह मेट्रो शुरू होनी थी, जो आरडी सिटी और मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो से होते हुए इफको चौक पहुंचीं। इफको चौक से सिग्नेचर टावर, महाराणा प्रताप चौक, अतुल कटारिया चौक से शीतला माता रोड होते हुए सेक्टर-पांच तक मेट्रो का निर्माण होना था।

यशवंत सिन्हा ने कहा- मोदी का इकबाल खत्म हो गया, अब सरकार की बात नहीं सुनी जाएगी

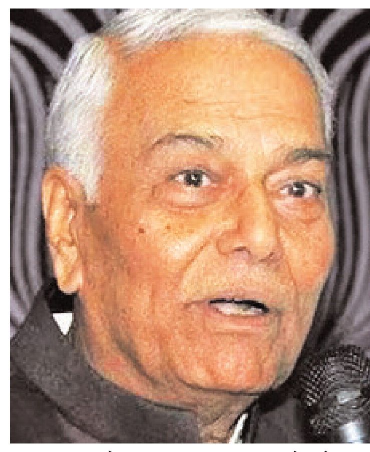

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर और सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मचे घमासान के बीच भाजपा के पूर्व नेता यशवंत सिन्हा ने पीएम मोदी की साख पर सवाल उठाया है। एक इंटरव्यू में सिन्हा ने कहा कि अगर किसी सरकार का इकबाल खत्म हो जाए, प्रशासन का इकबाल खत्म हो जाए तो फिर उसके लिए काम करना असंभव हो जाता है। किसी परिस्थिति पर काबू पाना असंभव हो जाता है। सिन्हा ने कहा कि मेरा जो बहुत एक 65 साल का प्रशासनिक और राजनीति का अनुभव रहा है। सरकार में मंत्री का अनुभव रहा है। मैंने कई ऐसी परिस्थितियां देखी है, जिनमें कोई पार्टी या कोई मुख्यमंत्री या कोई प्रधानमंत्री सत्ता की कुर्सी पर तो बैठा हुआ है और उसका इकबाल खत्म हो गया है तो फिर उसके लिए काम करना असंभव हो जाता है।

हम लोगों ने मोदी जी के दम को देखा है: पूर्व भाजपा नेता ने कहा कि एक बार मेरे साथ एक वाक्या हुआ। मैं बिहार में जिले में कलेक्टर था। मुख्यमंत्री आए और उनके साथ मंत्री आए और कुछ बात बिगड़ गई। मैंने उनसे एक बात कही। मैंने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आज मैं इस कुर्सी पर बैठा हूं। कल नहीं बैठूंगा। महत्व इस कुर्सी का और इसके इकबाल का है। मैं नहीं चाहूंगा कि मेरी वजह से कुर्सी का इकबाल खत्म हो। क्योंकि जिला के कलेक्टर का इकबाल खत्म हो जाएगा तो जिले का जो प्रशासन है वो ठीक ढंग से नहीं चल पाएगा। यही बात हर जगह अप्लाई करता है। मोदी जी के 12 साल में हम लोगों ने इस दम को देखा है। मोदी जी ने देश की जनता को कहा कि अपने घर के बालकनी या बरामदे में आकर थाली पीटो तो लोग निकले और थाली पीटा। उन्होंने उन्होंने कहा ताली बजाओ। तो उन्होंने ताली बजाया। उन्होंने नोटबंदी लागू कर दी। लोग लाइनों में खड़े हो गए। अपने नोट को बदलने के लिए जो कुछ ज्यादती मोदी जी ने की है, उसको भी लोगों ने सहर्ष स्वीकार कर लिया क्योंकि मोदी जी का इकबाल था।

भले ही सरकार अपने टर्म तक सत्ता में बनी रहे: आज जो सबसे बड़ी बात है वो यह है कि वो इकबाल ही खत्म हो गया। देश भर में जगह जगह आंदोलन हो रहे हैं। हर तरफ से आवाज उठ रही है कि ज्ञानेश कुमार को तो जाना ही चाहिए। अब मोदी जी को भी जाना चाहिए। यह आवाज उठने लगी है। इसका एक ही निष्कर्ष है। और वह यह है कि सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है। भले ही सरकार अपने टर्म तक सत्ता में बनी रहे, लेकिन देश के लोगों के द्वारा अब उसकी बात नहीं सुनी जाएगी।

संविधान की शपथ लेनी पड़ती है

ज्ञानेश कुमार पर बात करते हुए सिन्हा ने कहा कि जब कोई आईएएस पदाधिकारी बनता है तो सबसे पहले उसे संविधान की शपथ लेनी पड़ती है। ट्रेनिंग के दरमियान बार-बार उसको याद दिलाया जाता है कि तुम्हारी निष्ठा देश के संविधान के प्रति है। सरकारें आएंगी और जाएंगी। तुम एक सरकार के मुलाजिम नहीं हो। एक सरकार की नौकरी नहीं करते हो। तुम देश की सेवा करते हो और वह भी संविधान के अंतर्गत। तो जो लोग याद रखते हैं कि हमारी निष्ठा संविधान के प्रति होनी चाहिए, उनको तो कोई दिक्कत नहीं होती है। चाहे उनको अच्छा पोस्ट मिले या ना मिले। लेकिन बहुत से आईएएस कॉम्प्रोमाइज करते हैं? वह इसलिए ऐसा नहीं करते हैं कि उनकी तनख्वाह बढ़ या घट जाएगी। वो कॉम्प्रोमाइज इसलिए करते हैं कि वो चाहते हैं कि उनको कोई अच्छा पद मिल जाए। पद कौन देगा उनको? जो राजनीतिक सत्ता है, वो पद देगा उनको। सचिव बनाएगा मंत्रालय में, मुख्य सचिव बनाएगा स्टेट में, चुनाव आयोग में भेजेगा।

2024 का चुनाव भाजपा के लिए चौंकाने वाली थी

मुझे लगता है कि 2024 का जो चुनाव हुआ उसमें भारतीय जनता पार्टी 303 सीट से घटकर 240 पर आ गई। 63 सीटों का नुकसान भारतीय जनता पार्टी को हुआ। यह एक बड़ी चौंकाने वाली घटना थी भाजपा के लिए भी और लोगों के लिए भी। उसके बाद मुझे लगता है कि जो रणनीतिकार है भाजपा के भीतर एक दो लोग हैं, उन्होंने इस पर विचार किया कि कैसे हम अब यह व्यवस्था करें कि हम कोई चुनाव हारे ही नहीं। तो उसमें आवश्यक था कि भाई अगर लोग नहीं भी वोट देते हैं तब भी हमको जीतना चाहिए। वो कौन करेगा? वो चुनाव आयोग करेगा। हमारा चुनाव आयुक्त कौन हो? मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हो? सबसे पहले इसको फिक्स करना चाहिए। ज्ञानेश कुमार कोऑपरेशन मंत्रालय में सचिव थे। अमित शाह कोऑपरेशन मंत्रालय के मंत्री थे और हैं। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा अगर ज्ञानेश कुमार ने जैसे केरल के मुख्य सचिव को फ्लाइट में एक मशवरा दिया था उसी तरह उन्होंने अमित शाह को मशवरा दिया हो कि साहब मैं चुनाव आयोग में जाऊंगा तो मैं आप लोगों की सेवा करूंगा। यह सुनिश्चित करूंगा कि इंतजाम ऐसा बनाया जाए कि आप लोग कभी चुनाव हारे ही नहीं। तो उनको चुनाव आयोग में भेज दिया गया।

एनडीएमसी का बड़ा कदमः गुणवत्ता सुधारने को लुटियंस दिल्ली के सार्वजनिक शौचालय को देगी गोद

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान लुटियंस दिल्ली की कई सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली से किरकिरी करा चुकी एनडीएमसी ने सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उसने अपने क्षेत्र में स्थित सभी 346 सार्वजनिक शौचालयों को एनडीएमसी सदस्यों तथा वरिष्ठ अधिकारियों को गोद देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी जमीनी स्तर पर नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। यह पहल तब है जब, कई शौचालयों की स्थिति में खास सुधार नहीं आया है।

एनडीएमसी के एक अधिकारी के अनुसार, यह नागरिकों और पर्यटकों को बेहतर, स्वच्छ तथा पारदर्शी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में विशेष पहल है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक शौचालय हमेशा स्वच्छ, बेहतर और आगंतुकों के लिए अच्छा अनुभव प्रदान कर सके। उन्होंने बताया कि गोद लेने वाले वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य नियमित रूप से सफाई, पानी की उपलब्धता, सैनिटरी उपकरणों के संचालन, कचरे के उचित निस्तारण और दुर्गंध की रोकथाम की निगरानी करेंगे।

बता दें कि ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों के दौरान कई शौचालयों की बदहाली का मामला सामने आया था, जिसपर एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने सार्वजनिक खेद भी प्रकट किया था तथा सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाने की बात कहीं थी। अधिकारी के अनुसार, परिषद सदस्यों व अधिकारियों की हर शौचालय वार जिम्मेदारी तय होने से नियमित निगरानी से व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। पालिका केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी और उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल की मौजूदगी में ऑनलाइन व पेपरलेस जन्म-मृत्यु पंजीकरण सेवा और पालतू पशु सेवा प्लेटफार्म का शुभारंभ किया गया। अब परिषद क्षेत्र के नागरिकों को नई ऑनलाइन जन्म और मृत्यु पंजीकरण प्रणाली से घर बैठे ही प्रमाण-पत्रों के लिए आवेदन करने और उन्हें प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी, जिससे बार-बार कार्यालय आने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध हालात में मौत, कारपेंटर वर्कशॉप में लगी गोली, बेटा बोला- हत्या हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी पूर्वी जिले के जसोला इलाके में बुधवार को संदिग्ध परिस्थिति में गोली लगने से 59 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर एहतेशामुद्दीन आजमी की मौत हो गई। वह बी-114 फ्लैट में घायल हालत में मिले थे।

सूचना पर सरिता विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल से एक पिस्टल, दो कारतूस और एक चला हुआ कारतूस बरामद हुआ है। स्वजन ने किसी से रंजिश होने से इनकार किया है। जबकि बड़े बेटे जैद ने हत्या की आशंका जताई।

ऐसे में पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। क्राइम व फोरेंसिक टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोली किस परिस्थिति में चली।

बड़े बेटे ने जताई हत्या की आशंका: मृतक के बड़े बेटे जैद के मुताबिक घटना जसोला के सरकारी स्कूल के पास स्थित अशरफ नामक एक कारपेंटर के वर्कशॉप पर हुई, जहां उनके पिता अक्सर मॉर्निंग वॉक के बाद कुछ देर रुकते थे। जैद जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी में बीबीए के छात्र हैं।

यह वीडियो भी देखें: परिवार में छोटा भाई और मां हैं। एक बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। जैद ने बताया कि उन्हें दोपहर 2:50 बजे उनके पिता के पार्टनर फहीम अब्बासी का फोन आया था। फहीम ने जैद को बताया कि उनके पिता ने खुद को गोली मार ली है।

जैद ने यह भी स्पष्ट किया कि फहीम अब्बासी उस वक्त घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे, बल्कि उन्हें किसी और से यह जानकारी मिली थी। खबर मिलने के बाद फहीम अब्बासी जैतपुर से जसोला स्थित अशरफ के वर्कशॉप पहुंचे थे।

मोबाइल हैक कर 13 मिनट में डेढ़ करोड़ ठगे, साइबर ठगों ने कंपनी को तगड़ा चूना लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। साइबर अपराधियों ने रैपिडपे फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एक फील्ड एजेंट का मोबाइल फोन और ऐप हैक कर 43 अनधिकृत ट्रांजेक्शन किए। इन ट्रांजेक्शन के जरिए 13 मिनट में कंपनी के बैंक खाते से डेढ़ करोड़ रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि जितिन जयशील करकेरास ने पुलिस को शिकायत दी कि रैपिडपे फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड डिजिटल वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने का काम करती है। कंपनी के फील्ड एजेंट और कारोबारी प्रतिनिधि मोबाइल ऐप के जरिए ग्राहकों से जुड़े लेनदेन करते हैं। तीन अक्तूबर को कंपनी के बैंक खाते से अचानक बड़ी संख्या में ऐसे लेनदेन हुए, जिन्हें कंपनी ने अधिकृत नहीं किया था। इस अवधि में कुल 43 ट्रांजेक्शन किए गए और इनमें कंपनी के खाते से एक करोड़ 56 लाख 68 हजार 668 रुपये दूसरे खातों में भेजे गए। यह जालसाजी तीन अक्तूबर की सुबह 10:41 बजे से 11:04 बजे के बीच हुई।

कंपनी ने इन सभी लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट की। कंपनी प्रतिनिधि ने पुलिस को बताया कि संदिग्ध लेनदेन उसके एक फील्ड एजेंट धीरेज कुमार केशरी के मोबाइल फोन में इस्तेमाल किए जा रहे ऐप के जरिए हुए। एजेंट सोनभद्र के विंढमगंज क्षेत्र का रहने वाला है। एजेंट का मोबाइल फोन या ऐप किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपने नियंत्रण में ले लिया था और उसके बाद उसके जरिए लेनदेन किया गया।

पुलिस को बैंक खातों का ब्यौरा उपलब्ध कराया: कंपनी ने पुलिस को प्रत्येक लेनदेन का विवरण उपलब्ध कराया है। इसमें बैंक खाता संख्या, आईएफएससी कोड, बैंक का नाम, लाभार्थी का नाम और ट्रांजेक्शन रेफरेंस नंबर शामिल हैं। कंपनी ने पुलिस से इन खातों की जांच कर रकम को जल्द से जल्द फीज करने की मांग की है, ताकि साइबर अपराधी रकम को आगे दूसरे खातों में न भेज सकें। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले में बैंक अधिकारियों से संपर्क किया जाएगा: डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने बताया कि पुलिस यह भी पता लगाएगी कि एजेंट के मोबाइल और रैपिडो ऐप तक आरोपियों ने कैसे पहुंच बनाई। इसके लिए मोबाइल डिवाइस, ऐप की गतिविधियों, बैंक खातों और ट्रांजेक्शन से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जाएगी। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है, उनके संबंधित बैंक अधिकारियों से भी पुलिस टीम ने संपर्क किया।

अमेरिका-मिडिल ईस्ट छोड़ पूर्व एशिया चले भारतीय! दिल्ली-मुंबई एयरपोर्ट्स पर बदला इंटरनेशनल ट्रैवल का ट्रेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितता, एयरस्पेस बंद होने और अमेरिका की कड़ी वीजा नीतियों ने भारत के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को एक नए मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। अब तक खाड़ी देशों, अमेरिका और यूरोप के भरोसे चलने वाले भारत के दो सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय गेटवे, दिल्ली और मुंबई , अब तेजी से पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों को अपना नया ग्रोथ इंजन बना रहे हैं।

यात्रियों में 11.4 प्रतिशत का उछाल: आईजीआई एयरपोर्ट की संचालन एजेंसी डायल के चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अगस्त के आधिकारिक आंकड़े इस बड़े बदलाव की पुष्टि करते हैं। जहां दिल्ली से कुल अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक 0.8 प्रतिशत बढ़कर 86.2 लाख (पिछले साल 85.5 लाख) रहा, वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र के यात्रियों में 11.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया, जो 32.1 लाख से बढ़कर 35.7 लाख पहुंच गया। इसके ठीक उलट, उत्तर अमेरिका का ट्रैफिक 26.2 प्रतिशत गिरकर 7.5 लाख से घटकर सीधे 5.5 लाख रह गया है। इसके अलावा, खाड़ी देशों के यात्रियों में 4.1 प्रतिशत की गिरावट आई (24.7 लाख से घटकर 23.7 लाख) और अफ्रीका के ट्रैफिक में 10.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई (1.7 लाख से घटकर 1.5 लाख), जबकि यूरोप का ट्रैफिक 19.6 लाख से मामूली बढ़कर 19.7 लाख (0.9 प्रतिशत बढ़त) के साथ लगभग स्थिर बना हुआ है। इस बदलाव के पीछे सटीक कारण और बदलते प्रोटोकॉल हैं। पहला, पाकिस्तानी एयरस्पेस की लगातार बंदी और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण एयरलाइंस को लंबे और वैकल्पिक रूट लेने पड़ रहे हैं, जिससे विमान ईंधन की खपत और आपरेटिंग कास्ट बढ़ी है, और अमेरिका व खाड़ी देशों का सफर बेहद महंगा हो गया है। वहीं, दूसरा, अमेरिका और कनाडा में भारतीय छात्रों व विजिटर्स के लिए कड़े नियम, वीजा मिलने में देरी और एयर इंडिया द्वारा अहमदाबाद हादसे के बाद अपनी लांग-हाल (लंबी दूरी की) उड़ानों में कटौती करने से उत्तर अमेरिका का ट्रैफिक बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

दिल्ली में अब कार कंपनियों को घटाना होगा प्रदूषण

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले वर्षों में कार कंपनियों के लिए ऐसी कारें बनाना जरूरी होगा जो कम ईंधन खाएं और कम प्रदूषण फैलाएं। केंद्र सरकार ने कारों के लिए नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी (सीएएफई-3) मानक लागू कर दिए हैं।

ये नियम वित्त वर्ष 2027-28 से 2031-32 तक लागू रहेंगे। आसान भाषा में समझें तो सरकार चाहती है कि कंपनियों की कारों का औसत कार्बन उत्सर्जन हर साल घटे।

अभी 1,229 किलो वजन वाली कार के लिए औसत उत्सर्जन की सीमा करीब 94.8 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड प्रति किलोमीटर है। 2031-32 तक इसे घटाकर करीब 78.9 ग्राम करना होगा। यानी पांच साल में प्रति किलोमीटर उत्सर्जन में करीब 17 प्रतिशत कमी लानी होगी।

ईवी और हाइब्रिड कारों को फायदा: नए नियमों में इलेक्ट्रिक और कम प्रदूषण करने वाली कारों को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों को अतिरिक्त क्रेडिट मिलेगा। बैटरी वाली इलेक्ट्रिक कारों और रेंज बढ़ाने वाली इलेक्ट्रिक कारों को सबसे ज्यादा 3 गुना क्रेडिट मिलेगा। प्लग-इन हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल हाइब्रिड को 2.5 गुना तथा स्ट्रांग हाइब्रिड को 1.6 गुना क्रेडिट मिलेगा। इसका फायदा यह होगा कि कंपनियां अपने पूरे कार पोर्टफोलियो का औसत उत्सर्जन तय सीमा के भीतर रख सकेंगी।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल यानी श्व20 इस्तेमाल करने वाली कारों को भी उत्सर्जन में 8 प्रतिशत की छूट मिलेगी। फ्लेक्स-फ्यूल कारों को 22.3 प्रतिशत और सीएनजी कारों को कम से कम 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी। कंपनियां कारों में ऊर्जा बचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल कर अधिकतम 9 ग्राम सीओटू प्रति किलोमीटर तक की अतिरिक्त छूट भी हासिल कर सकेंगी। हालांकि आगे चलकर इन दावों की परीक्षण के जरिये जांच होगी।

लक्ष्य पूरा नहीं किया तो क्रेडिट खरीदना होगा: अगर किसी कंपनी की कारों का औसत उत्सर्जन तय सीमा से ज्यादा रहा तो वह दूसरी कंपनियों से क्रेडिट खरीद सकती है। जरूरत पड़ने पर भारतीय ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) से भी क्रेडिट खरीदा जा सकेगा, जिसकी कीमत 2,500 से 4,500 रुपये प्रति ग्राम कार्बन डाई ऑक्साइड/किमी होगी।

हालांकि, सबसे बड़ा सवाल ईवी को लेकर है। सरकार ने अगले पांच वर्षों में कारों में करीब 12 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य उस समय बड़ा माना जाता, जब ईवी की बिक्री करीब तीन प्रतिशत थी। लेकिन अब कई महीनों से कार बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी करीब 8 प्रतिशत पहुंच चुकी है। ऐसे में 2032 तक केवल 12 प्रतिशत का लक्ष्य मौजूदा रफ्तार की तुलना में बहुत महत्वाकांक्षी नहीं दिखता।

ग्राहक के लिए क्या बदलेगा?: नए नियमों के कारण कंपनियों पर कम प्रदूषण वाली कारें बनाने का दबाव बढ़ेगा। इसलिए आने वाले वर्षों में बाजार में ईवी, हाइब्रिड और ज्यादा माइलेज वाली कारों के विकल्प बढ़ सकते हैं।

दिल्ली के करावल नगर में चाकू से गोदकर भतीजे की हत्या, आरोपी चाचा ने छोटे भाई पर भी किया हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के करावल नगर थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। बुधवार रात किसी बात को लेकर हुए विवाद में एक चाचा ने अपने 35 वर्षीय भतीजे पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। भाई को बचाने पहुंचे छोटे भाई पर भी जानलेवा हमला किया गया।

वहीं, गंभीर रूप से घायल भतीजे को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हिमांशु भारद्वाज उर्फ जीत शर्मा के रूप में हुई है।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशंका है संपत्ति विवाद में वारदात को अंजाम दिया है।

हिमांशु अपने परिवार के साथ करावल नगर में रहते थे। परिवार में उसके दो भाई और एक बहन हैं। उसकी करीब पांच साल की बेटी भी है।

छोटे भाई पर भी किया हमला: परिवार ने बताया कि हिमांशु का बुधवार रात अपने चाचा से विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर चाचा ने चाकू निकालकर हिमांशु पर कई वार कर दिए। इस दौरान हिमांशु को बचाने के लिए उसका छोटा भाई आगे आया तो उस पर भी हमला कर दिया गया। वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद की वास्तविक वजह क्या थी।

एशियन पैरा गेम्स: प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।

भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।'

भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरें, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।'

दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक

प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान की शुरुआत करेंगी। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है।

प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियां और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी।पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का

विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना

अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शेखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।' मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्में देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर इंटेंस और जिंदगी में इंटेंस। स्टेज पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सौ प्रतिशत किया। कितना दुखद दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद हैं। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। चाहे मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले- न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी

भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूं, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूं कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कमान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है।होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले की सेवाएं खो चुकी है।बहुतुले अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।'रिकी पोंटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार ङ्म20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज़, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में ये स्टार खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।